नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009
वर्ष : 14
अंक : 02
सोमवार, 12 से 18 फरवरी 2024
मूल्य : 5 रू प्रति
रू 250 वार्षिक

दिल्ली को 350 नई इलेक्ट्रिक बस मिलीं 03

सोनिया गाँधी ने क्यों दिया रायबरेली को भावनात्मक संदेश 08

NCR समाचार

BY C.R.O. TEAM

भारत ने इंग्लैंड को रिकार्ड 434 रनों से हराया 10

शुद्ध आत्माओं का मनन करें 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in
twitter-@ncrsamacharlive
भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

शाहरुख के साथ काम करना चाहते हैं संदीप रेड्डी 12

कांग्रेस से देश को बचाना, हर भाजपा कार्यकर्ता का कर्तव्य : मोदी

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के करोड़ों कार्यकर्ताओं को अगले सौ दिनों में हर नये मतदाता तक पहुंचने और उन्हें विकसित भारत के हमारे संकल्प से अवगत कराने का आह्वान किया और कहा कि कांग्रेस में विकास का सामर्थ्य नहीं है और वह देश को अस्थिर करने की नयी नयी साजिश रच रही है इसलिए प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता का यह कर्तव्य है कि देश और देश के हर नागरिक को कांग्रेस से बचाना है।

श्री मोदी ने राजधानी के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन 2024 को संबोधित करते हुए यह आह्वान किया और कहा कि यह कांग्रेस अस्थिरता, परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की जननी है और इसीलिए वह देश में अस्थिरता पैदा करने की नयी नयी साजिश रचने में लगी है।

प्रधानमंत्री ने दो दिन तक चले इस अधिवेशन के समापन अवसर पर देश भर से आये करीब 12 हजार प्रतिनिधियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा, 'आज 18 फरवरी है और इस दौर में जो युवा 18 साल के हो गए हैं, वे देश के 18वें लोकसभा चुनाव में वोट करेंगे। अगले 100 दिनों में आपको हर नए मतदाता से जुड़ना है, हर लाभार्थी, हर वर्ग, हर समुदाय और हर धर्म को मानने वाले हर व्यक्ति तक पहुंचना है। हमें हर किसी का विश्वास हासिल करने की जरूरत है।

लोकसभा चुनाव जीतने के बाद अगले पांच वर्षों में भारत के विकसित भारत की ओर एक बड़ी छलांग लगाने की बात की विवेचना करते हुए श्री मोदी ने दोहराया, पिछले 10 वर्षों में, भारत ने अभूतपूर्व गति हासिल की है और महत्वपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त करने का साहस हासिल किया है। भारत आज हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है, हर नागरिक को दृढ़ संकल्प की भावना से जोड़ा है। और ये संकल्प है- विकसित भारत। हमें भारत को विकसित बनाना है और इसमें अगले 5 साल अहम भूमिका निभाएंगे। अगले 5 वर्षों में भारत को पहले से कहीं अधिक तेज गति से काम करना होगा।

प्रधानमंत्री ने भाजपा की सत्ता में जोरदार वापसी पर जोर देते हुए कहा, 'आज विपक्षी नेता भी राजग सरकार के 400 का आंकड़ा पार करने के नारे लगा रहे हैं। और राजग को 400 पार करने के लिए, भाजपा को 370 के मील के पत्थर को पार करना होगा।

श्री मोदी ने कहा, मुझे सत्ता अपने किसी सुख वैभव के लिए नहीं चाहिए। मैं करोड़ों बच्चों, युवाओं और सामान्य जन के लिए रातों में जागता हूं, जूझता हूं। हम वो लोग हैं जो छत्रपति शिवाजी महाराज का सम्मान करते हैं। जब शिवाजी महाराज को ताज पहनाया गया, तो उन्होंने यह नहीं कहा, 'अब मेरे पास शक्ति है, आइए इसका आनंद लें।' उन्होंने अपना मिशन जारी रखा। इसी तरह, मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो व्यक्तिगत धन और समृद्धि के लिए जीता है। मैं सत्ता के लिए भाजपा सरकार में तीसरा कार्यकाल नहीं चाहता हूं। मैं राष्ट्र के संकल्प से प्रेरित व्यक्ति हूं। सपना करोड़ों युवाओं, करोड़ों बहनों-बेटियों, करोड़ों गरीबों का संकल्प है मोदी का। और इसी संकल्प को पूरा करने के लिए हम दिन-रात काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, आज भाजपा युवाओं, महिलाओं, गरीबों और किसानों की शक्ति को विकसित भारत के निर्माण की ताकत में बदल रही है। पहले लोग सोचते थे कि सरकारें तो बदल जाती हैं, लेकिन व्यवस्था नहीं बदलती। हमने सामाजिक न्याय की सच्ची भावना के साथ, हर व्यवस्था को पुरानी सोच और पुराने दृष्टिकोण से परे ले जाया है। हमने उन लोगों से पूछा और स्वीकार किया जिनकी किसी और ने परवाह नहीं की थी।

महिलाओं की भलाई के लिए किए गए प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, मैं देश का पहला प्रधान मंत्री हूं जिसने लाल किले से स्वच्छता जैसे मुद्दों को संबोधित किया। मैं पहला प्रधानमंत्री हूं जिसने महिलाओं के प्रति अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल के खिलाफ लाल किले पर सवाल उठाया। महिलाओं की गरिमा और सम्मान हमारे लिए सर्वोपरि है। मुझे गर्व है कि पिछले 10 वर्षों में भाजपा सरकार ने महिलाओं के जीवन को आसान बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और बेटियों के लिए काम करना आसान बनाने के लिए, हमने कई कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री ने महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से कई पहलों पर चर्चा की, जिनमें बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, लखपति दीदियां, स्वयं सहायता समूह, मातृत्व अवकाश नीतियां और मुद्रा ऋण जैसे कार्यक्रम शामिल हैं।

भाजपा से अभी कोई बात नहीं हुई : कमलनाथ

एनसीआर समाचार

भोपाल। भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने रविवार को दिल्ली में कहा कि भाजपा से अभी उनकी कोई बात नहीं हुई है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और उनके सांसद पुत्र नकुलनाथ के शनिवार को अचानक दिल्ली के लिए प्रस्थान करने के बाद से उनके भाजपा में शामिल होने के अटकलें लगाई जा रही हैं।

कमलनाथ ने रविवार दोपहर को अपने दिल्ली स्थित आवास पर पत्रकारों से बातचीत की। भाजपा में जाने के सवाल पर कमलनाथ ने कहा कि भाजपा से अभी उनकी कोई बात नहीं हुई है। जब बात होगी तो बताऊंगा। कमलनाथ ने तेरहवीं के एक कार्यक्रम में जाने की बात कहते हुए कार में बैठकर रवाना हो गए।

दरअसल, मप्र विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद से ही कमलनाथ कांग्रेस में हाशिए पर हैं। बीच में ऐसी चर्चाओं ने जोर पकड़ा कि वह कांग्रेस की ओर से राज्यसभा में जा सकते हैं, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व ने अशोक सिंह पर दांव लगाया। इसके बाद कमलनाथ शनिवार को अपने सारे कार्यक्रम रद्द कर पुत्र नकुलनाथ के साथ दिल्ली पहुंचे तो उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलों ने जोर पकड़ लिया।

सूत्रों ने बताया कि दिल्ली में आज उनकी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपा के कुछ और वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात हो सकती है। फिलहाल, दिल्ली में भाजपा राष्ट्रीय परिषद की बैठक चल रही है, जिसमें सभी वरिष्ठ नेता मौजूद हैं। इस अधिवेशन का आज अंतिम दिन है। उधर, कमलनाथ के करीबी नेता व पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा भी रविवार सुबह दिल्ली पहुंचे। संभावना है कि कांग्रेस में कमलनाथ के समर्थक विधायक और महापौर भी दिल्ली पहुंच सकते हैं।

इधर, इस सियासी घटनाक्रम को लेकर मध्य प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने मीडिया से कहा कि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष पहले ही कह चुके हैं कि जो भी भाजपा की विचारधारा के साथ चलने को तैयार है, उनका स्वागत है।

मुझे नहीं लगता है कि कमलनाथ पार्टी छोड़ेंगे - दिग्विजय

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ के 'कमल' के साथ जाने की अटकलों के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने आज कहा कि उन्हें नहीं लगता कि श्री कमलनाथ पार्टी छोड़ेंगे।

राज्यसभा सांसद श्री सिंह ने यहां मीडिया के सवालों के जवाब में कहा कि श्री कमलनाथ जैसे व्यक्ति ने अपनी शुरुआत कांग्रेस के साथ की थी। वे श्रीमती इंदिरा गांधी के तीसरे पुत्र माने जाते थे। उन्होंने कांग्रेस का हमेशा साथ दिया। वे कांग्रेस के स्तंभ रहे। केंद्र सरकार में मंत्री रहे। संगठन में महामंत्री रहे। प्रदेश अध्यक्ष बने और फिर मुख्यमंत्री भी बने। सारे पद उन्हें मिले हैं। श्री सिंह ने कहा कि इसलिए उन्हें नहीं लगता कि वे कांग्रेस छोड़ेंगे। श्री सिंह ने कहा कि जिस तरह ईडी, आईटी और सीबीआईह्व का दबाव सब पर है, वो उन पर (श्री कमलनाथ पर) भी है। लेकिन श्री कमलनाथ का चरित्र दबाव में आने वाला नहीं रहा।

एनसीआर समाचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
8888883968
9811111715

जम्मू-कश्मीर में भी इंडी गठबंधन को झटका

अकेले लोकसभा चुनाव लड़ेगी नेशनल कांफ्रेंस : फारूक

एनसीआर समाचार

श्रीनगर। विपक्षी दलों के भारतीय राष्ट्रीय विकासशील समावेशी (इंडी) गठबंधन को करारा झटका देते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को घोषणा की कि पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ेगी। श्री अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर में विपक्षी इंडी गठबंधन की सीट बंटवारे में अनिश्चितता के बीच यह घोषणा की है। एनसी, कांग्रेस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के साथ जम्मू-कश्मीर में इंडी गठबंधन की तीन पार्टियों में से एक है।

श्री अब्दुल्ला ने श्रीनगर में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमारी पार्टी अपने दम पर सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी और इसमें कोई शक नहीं है। मुझे लगता है कि संसदीय और विधानसभा दोनों चुनाव एक ही समय पर होंगे। हम अपने बूते चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने पाकिस्तान की स्थिति पर कहा कि भारत के लिए एक स्थिर पड़ोसी जरूरी है। उन्होंने कहा, स्थिर पाकिस्तान पूरे भारत के लिए जरूरी है और अस्थिर पाकिस्तान भारत के लिए अच्छा नहीं है।

एनसी अध्यक्ष ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में जारी संघर्ष में बड़ी संख्या में निर्दोष लोगों की जान गयी है। शांति के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, पड़ोसी देश को भी यह एहसास होना चाहिए कि शांति बहुत जरूरी है।

श्री अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार को किसानों के आंदोलन को सहानुभूतिपूर्वक संभालना चाहिए। उन्होंने कहा, सरकार पहले तीन विधेयक लेकर आयी थी, जिसका भारी विरोध हुआ और 760 किसानों की मौत हो गयी। विपक्ष ने सरकार से विधेयकों पर फिर से विचार करने के लिए कहा, इसके बावजूद सरकार ने उन्हें संसद में पेश कर दिया। हालांकि, उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही विधेयक वापस ले लिये गये।

उन्होंने कहा, अब आम चुनाव आ रहे हैं। किसान सड़कों पर हैं। पता नहीं केंद्र क्या करेगा। उम्मीद है कि वे समझदारी से काम लेंगे।

उच्चतम न्यायालय के चुनावी बॉन्ड फैसले पर चर्चा करते हुए एनसी अध्यक्ष ने कहा, शीर्ष अदालत का फैसला सभी को समान अवसर प्रदान करेगा। अब उन्हें (भाजपा) खुलासा करना चाहिए कि उन्हें कितना मिला और किसने उन्हें फंड दिया। लोगों को पता होना चाहिए कि पैसे कहां से आये और पार्टी के पास कितना धन है।

राहुल ने 'डबल इंजन' सरकार को बताया बेरोजगारी की 'डबल मार'

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 'डबल इंजन' सरकार के नारे पर वार करते हुए आज कहा कि मोदी राज में बेरोजगारी चरम पर है और 'डबल इंजन' सरकार का मतलब बेरोजगारी की डबल मार हो गया है।

श्री गांधी ने मोदी सरकार पर हमला करते हुए आज यहां जारी एक बयान में कहा, "डबल इंजन सरकार मतलब बेरोजगारों पर डबल मार। आज बेरोजगारी की बीमारी से उत्तर प्रदेश का हर तीसरा युवा ग्रसित है। जहां डेढ़ लाख से अधिक सरकारी पद खाली हैं, वहां न्यूनतम योग्यता वाले पदों के लिए भी ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट और पीएचडी होल्डर्स लाइन लगा कर खड़े हैं।"

चंडीगढ़ के मेयर मनोज सोनकर ने दिया इस्तीफा

'आप'-कांग्रेस के तीन पार्षद बीजेपी में शामिल

एनसीआर समाचार

चंडीगढ़। चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव में मेयर बने बीजेपी के मनोज सोनकर ने रविवार रात को इस्तीफा दे दिया है। 30 जनवरी को हुए चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव में धांधली के आरोप लगे थे। मनोज सोनकर का यह इस्तीफा सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में सोमवार को होने वाली सुनवाई से ठीक पहले आया है। इस बीच, चंडीगढ़ भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अरुण सूद की अगुवाई में आम आदमी पार्टी चंडीगढ़ के पार्षद पूनम देवी, नेहा मुसावट, गुरचरण काला बीजेपी में शामिल हो गए हैं। वहीं, कांग्रेस के दो पार्षद भी भाजपा के संपर्क में हैं।

सुप्रीम कोर्ट में आज होने वाली सुनवाई में पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह को भी पेश होना है। मेयर चुनाव में पीठासीन अधिकारी का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह कथित रूप से अवैध करार दिए पार्षदों के वोटों पर निशान लगाते दिखे थे।

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने गठबंधन में चंडीगढ़ नगर निगम का चुनाव लड़ा था। आम आदमी पार्टी इस धांधली के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गई थी, जिसके बाद कोर्ट ने चंडीगढ़ प्रशासन को फटकार लगाई और मामले की अगली सुनवाई 19 फरवरी को तय कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से ठीक पहले मेयर सोनकर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई थी कड़ी फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि चंडीगढ़ मेयर चुनाव के दौरान जो हुआ वह लोकतंत्र का मजाक था और कहा कि हम इस तरह लोकतंत्र की हत्या नहीं होने देंगे। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह को अगली सुनवाई की तारीख 19 फरवरी को उपस्थित होने के लिए कहा था। चंडीगढ़ मेयर चुनाव पर तल्ख टिप्पणी करते हुए सुप्रीम ने कहा, "अपने चुनाव अधिकारी से कह दीजिए कि सुप्रीम कोर्ट की आप पर नजर है। हम इस तरह से लोकतंत्र की हत्या नहीं होने देंगे। इस देश में अगर लोकतंत्र को मजबूत बनाने वाली कोई व्यवस्था है तो वह चुनाव ही है।

चुनावी बॉण्ड योजना 'त्रुटिहीन' नहीं : न्यायालय

चंदे की जानकारी मतदाताओं के लिए जरूरी

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। यह मानते हुए कि चुनावी बॉण्ड योजना 'त्रुटिहीन' नहीं है, उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि मतदाताओं को वोट देने की अपनी स्वतंत्रता का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने के लिए किसी राजनीतिक दल द्वारा प्राप्त धन के बारे में जानकारी आवश्यक है।

प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ केंद्र की इस दलील से सहमत नहीं थी कि चंदा प्राप्त करने वाला एक राजनीतिक दल चंदा देने वालों की पहचान नहीं जानता है, क्योंकि न तो बॉण्ड पर उनका नाम होगा और न ही बैंक इसके विवरण का खुलासा करेगा।

शीर्ष अदालत ने एक ऐतिहासिक फैसले में 2018 की इस योजना को ह्यअसंवैधानिकह्व करार देते हुए रद्द कर दिया और बॉण्ड खरीदारों के नाम, बॉण्ड के मूल्य और प्राप्तकर्ताओं का खुलासा करने का आदेश दिया।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने खुद की ओर से तथा न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की ओर से फैसला लिखा। उन्होंने कहा, "यह (बॉण्ड) योजना 'त्रुटिहीन' नहीं है। इस योजना में पर्याप्त कमियां हैं, जो राजनीतिक दलों को उनके लिए किए गए योगदान का विवरण जानने में सक्षम बनाती हैं।" न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने एक अलग फैसला लिखा और प्रधान न्यायाधीश द्वारा लिखे गए फैसले से सहमति के लिए अलग-अलग कारण दिए।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने अपने फैसले में कहा कि चुनावी बॉण्ड के माध्यम से दिये गये चंदे के आंकड़ों के अनुसार, 94 प्रतिशत चंदे एक करोड़ रुपये के मूल्यवर्ग में दिये गये।

पीठ ने कहा कि चुनावी बॉण्ड आर्थिक रूप से साधन संपन्न दानदाताओं को जनता के सामने चयनात्मक गुमनामी प्रदान करते हैं, न कि राजनीतिक दल के सामने।

इसमें कहा गया है, 'उपरोक्त चर्चा के मद्देनजर, हमारी राय है कि किसी मतदाता को वोट देने की अपनी स्वतंत्रता का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए किसी राजनीतिक दल को मिलने वाले वित्तपोषण के बारे में जानकारी आवश्यक है। इसमें कहा गया कि संविधान 'निर्वाचक' और 'निर्वाचित' पर ध्यान केंद्रित करके राजनीतिक समानता की गारंटी देता है। न्यायालय ने कहा, "हालांकि, संवैधानिक गारंटी के बावजूद राजनीतिक असमानता बनी हुई है। 'आर्थिक असमानता के कारण राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करने की व्यक्तियों की क्षमता में अंतर' असमानता में योगदान देने वाले कारकों में से एक है।"

पीठ ने कहा कि राजनीतिक रूप से बराबरी वाले समाज में, नागरिकों को राजनीतिक प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए एक सी आवाज मिलनी चाहिए।

न्यायालय ने कहा, "हम पिछले अनुभाग में पहले ही धन और राजनीति के घनिष्ठ संबंध को स्पष्ट कर चुके हैं, जहां हमने चुनावी परिणामों पर धन के प्रभाव की व्याख्या की है। हालांकि, चुनावी राजनीति पर धन का प्रभाव चुनावी परिणामों पर इसके प्रभाव तक सीमित नहीं है।"

शीर्ष अदालत ने कहा कि यह याद रखना चाहिए कि भारत में कानूनी व्यवस्था 'अभियान फंडिंग' और 'चुनावी फंडिंग' के बीच अंतर नहीं करती है। पीठ ने कहा, "यह आर्थिक असमानता और राजनीतिक असमानता तथा भारत में पार्टी वित्तपोषण को विनियमित करने वाली कानूनी व्यवस्था के बीच संबंध के आलोक में है कि एक जागृत मतदाता के लिए राजनीतिक वित्तपोषण पर जानकारी की अनिवार्यता का विश्लेषण किया जाना चाहिए।

किसान आंदोलन के चलते दिल्ली से सटे सभी बॉर्डर बंद

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा पंजाब में किसान आंदोलन के चलते दिल्ली के सभी बॉर्डर सील है। जिससे दिल्ली कश्मीरी गेट अंतर्राज्य बस अड्डे तक हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ और हिमाचल ट्रांसपोर्ट की बसों को आने-जाने में काफी दिक्कतें हो रही है। ये कहना गलत नहीं है कि किसान आंदोलन के चलते दिल्ली से बाहर की बस सेवा पूरी तरह से बाधित हो रही है। हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ और हिमाचल ट्रांसपोर्ट की दिल्ली में करीब 1000 से ज्यादा बसें चलती हैं और इस समय करीब 10 के आसपास ही बसें चल रही है। जिसकी वजह से सवारियों को भी ज्यादा किराया देना पड़ रहा है और बस का सफर इस दौरान यात्रियों के लिए सुरक्षित भी नहीं माना जा रहा है। फिलहाल बसों के यात्रा करने वाली यात्री बसों की जगह अब रेल से यात्रा करना ज्यादा सुरक्षित मान रहे है, यह

एनसीआर समाचार पत्र
के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में
आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षो से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली- 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 सम्पर्क करें।

राहुल गांधी ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में लगाई हाजिरी

एनसीआर समाचार

न्याय यात्रा की सफलता की कामना की

वाराणसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को श्री काशी विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। उन्होंने अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा की सफलता के लिए बाबा से कामना की। उत्तर प्रदेश में राहुल की यात्रा का आज दूसरा दिन है। दर्शन-पूजन के बाद राहुल गांधी ने गोदौलिया चौराहे पर लोगों को संबोधित किया।

राहुल ने कहा कि यात्रा के दौरान उन्होंने कभी नफरत नहीं देखी। यात्रा में भाजपा और संघ के लोग भी आए। उन्होंने हमसे अच्छे से बात भी की। यह देश तभी मजबूत होता है जब हम साथ मिलकर काम करते हैं। देश को एक साथ लाना ही सच्ची राष्ट्रभक्ति है। उन्होंने कहा कि अब तक 4,000 किलोमीटर की यात्रा की है। इस दौरान किसान, मजदूर, छोटे व्यापारी और महिलाएं मुझसे मिलीं। उन सबने अपनी पीड़ा बताई। देश में दो विचारधाराओं की लड़ाई है। एक विचारधारा भाई को भाई से लड़ाती है और आपकी जेब से पैसा निकालकर चुनिंदा अरबपतियों को दे देती है। दूसरी विचारधारा नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलती है और आपका हक आपको वापस लौटाती है।

इसके पहले राहुल की भारत जोड़ो न्याय यात्रा वाराणसी पहुंची। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के पड़ाव से न्याय यात्रा जैसे ही गंगा नदी पर बने राजघाट पुल पर पहुंची, पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हर-हर महादेव के गगनभेदी नारे से अपने नेता का गर्मजोशी से स्वागत किया। राजघाट पुल पर राहुल का काफिला पहुंचने के कुछ समय पहले कुछ युवकों ने काले झंडा लहराते हुए राहुल गांधी वापस जाओ के साथ जयश्री राम के नारे लगाए। हालांकि पुलिस की सक्रियता से प्रदर्शनकारी भाग खड़े हुए।

कड़ी सुरक्षा के बीच राहुल गांधी लाल रंग की खुली जीप पर सवार होकर राजघाट और भदउचुंगी से कज्जाकपुरा होते हुए गोलगड्डा पहुंचे। यहां पहले से ही हजारों की सख्या में जुटे कार्यकर्ताओं ने राहुल की अगवानी की। राहुल के साथ उत्तर प्रदेश के प्रभारी महासचिव अविनाश पांडेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, पूर्व सांसद डॉ राजेश मिश्र समेत कई प्रमुख नेता भी हैं। प्रदेश में राहुल की यात्रा का आज दूसरा दिन है।

शहर में लगभग 12 किलोमीटर की न्याय यात्रा गोलगड्डा से आगे बढ़ी तो साथ में पार्टी के कार्यकताओं का हुजूम पीलीकोठी आदमपुर के रास्ते रोड शो की शक्ल में शहर की ओर बढ़ा। न्याय यात्रा मैदागिन, बुलानाला, चौक हुए ज्ञानवापी मोड़ पर जाकर कुछ देर के लिए रूकी। यहां राहुल और यात्रा में शामिल नेताओं ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई। दर्शन पूजन के बाद राहुल गांधी पुनः न्याय यात्रा में शामिल होकर गादौलिया पहुंचे। यहां आमलोगों को संबोधित करने के बाद भदोही जिले के लिए रवाना होंगे। कांग्रेस के वाराणसी महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे के अनुसार गोदौलिया से लक्सा, रथयात्रा, गुरुबाग होते हुए मंडुवाडीह के रास्ते पर अभी तक किसी भी कांग्रेस नेता ने कोई यात्रा नहीं की है। राहुल पहले कांग्रेस नेता होंगे जो इस मार्ग पर भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकालेंगे।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के चौक पहुंचने पर राहुल ने मलइयों का लुत्फ भी लिया। इसके बाद उन्होंने दुकानदार से बातचीत भी की। राहुल ने वाराणसी पहुंचने से पहले पड़ाव स्थित भगवान अवधूत राम के आश्रम में भी हाजिरी लगाई और आश्रम के संतों से आशीर्वाद लिया।

देश को जोड़ना ही सच्ची देशभक्ति है :राहुल गांधी

वाराणसी, एजेंसी। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दूसरे पड़ाव में शनिवार को यहां गोदौलिया चौराहे पर लोगों को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यह देश मोहब्बत का देश है, नफरत का नहीं। उन्होंने कहा कि भाई-भाई में टकराव से देश कमजोर होगा और देश को जोड़ना ही सच्ची देश भक्ति है। राहुल गांधी ने कहा, "मैं गंगा जी के सामने अहंकार से नहीं आया हूं, सिर झुकाकर आया हूं। इस यात्रा में सबको लगना चाहिए कि वह अपने भाई से मिलने आये हैं।" उन्होंने कहा कि देश में दो भारत हैं, एक अमीरों का और एक गरीबों का भारत। मीडिया को लेकर गांधी ने कहा, "ये सारे चैनल उद्योगपतियों के हैं। ये देश के किसानों, मजदूरों के मुद्दे को नहीं दिखाएंगे। ये मीडिया मोदी जी को 24 घंटे दिखाएगा, ऐश्वर्या राय को दिखाएगा, लेकिन असल मुद्दे को नहीं दिखाएगा।" इस दौरान राहुल गांधी ने भीड़ से राहुल नाम के लड़के को अपने पास बुलाकर पढ़ाई में खर्च रुपयों और बेरोजगारी के बारे में बात की। राहुल गांधी ने पूछा, "नोटबन्दी से किसी को फायदा हुआ।" उन्होंने कहा, "देश में दो ही मुद्दे हैं बेरोजगारी और महंगाई।" उत्तर प्रदेश में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दूसरे दिन गोलेगड्डा क्षेत्र से प्रारंभ इस यात्रा में राहुल गांधी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और अन्य कांग्रेसी नेताओं के साथ खुली जीप में खड़े होकर काशी विश्वनाथ मंदिर गए और मंदिर के गोदौलिया क्षेत्र में भ्रमण किया। अपना दल (कमेरावादी) की नेता और कौशांबी के सिराथू से विधायक पल्लवी पटेल भी वाराणसी में इस यात्रा में शामिल हुईं। वह खुली जीप में राहुल गांधी के बाईं ओर खड़ी थीं। उत्तर प्रदेश में भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुक्रवार को चंदौली जिले से शुरू हुई। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि वह रायबरेली में इस यात्रा में शामिल होंगे। यात्रा उत्तर प्रदेश से राजस्थान की ओर रुख करेगी। पूर्व से पश्चिम में मणिपुर से मुंबई तक यह यात्रा 6,700 किलोमीटर लंबी है और 15 राज्यों से गुजरेगी।

पाकिस्तान में प्रमुख तालिबान कमांडर सहित सात आतंकवादी गिरफ्तार

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पुलिस ने शनिवार को एक प्रमुख तालिबान कमांडर समेत सात आतंकवादियों को गिरफ्तार कर एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम करने का दावा किया।

पाकिस्तान की पंजाब पुलिस के आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) के प्रवक्ता ने कहा कि उसने प्रांत के विभिन्न जिलों में खुफिया जानकारी पर आधारित कई अभियान चलाए और सात संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आतंकवादियों के पास से हथियार, विस्फोटक और अन्य प्रतिबंधित सामग्री जब्त की गयी है।

उन्होंने कहा कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के एक प्रमुख कमांडर हसनैन मोआविया को लाहौर से लगभग 400 किलोमीटर दूर बहावलपुर में गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए अन्य आतंकवादी प्रतिबंधित संगठनों - टीटीपी, अल-कायदा और लश्कर-ए-झांगवी से संबंधित थे।

आतंकवादियों के पास से एक हथगोला, 3,048 ग्राम विस्फोटक, दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), छह डेटोनेटर और प्रतिबंधित साहित्य बरामद किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि आतंकवादियों ने प्रांत में हमला करने की योजना बनाई थी और वे उन शहरों में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को निशाना बनाना चाहते थे। यहीं से उन्हें गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने आतंकवादियों के खिलाफ सात मामले दर्ज किए हैं और उन्हें आगे की जांच के लिए अज्ञात स्थान पर भेज दिया गया है।

विविध संस्कृतियों का संगम 'सुरजकूंड मेला' आगुंतकों की आमद से गुलजार

एनसीआर समाचार

फरीदाबाद। विविध संस्कृतियों का संगम सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला इन दिनों आगुंतकों की आमद से गुलजार है और यहां आने वाले लोग हस्तशिल्प की खरीदारी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, प्रदर्शनी और विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का आनंद उठा रहे है। इस वर्ष तंजानिया मेले में भागीदार देश है, वहीं गुजरात 'थीम' राज्य है।

सूरजकुंड मेले का उद्घाटन दो फरवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया था। अधिकारियों ने बताया कि मेले में तंजानिया समेत करीब 40 देश हिस्सा ले रहे हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, रविवार को मेले का समापन हो रहा है और इस बार मेले में आगुंतकों की संख्या दस लाख से अधिक पहुंचने की उम्मीद है।

विरासत प्रदर्शनी के निदेशक महासिंह पूनिया ने कहा कि मेले में 'हरियाणवी पगड़ी' ने काफी लोकप्रियता हासिल की है और लोगों ने हरियाणा के गांवों से जुड़ी ऐसी पारंपरिक चीजों के साथ सेल्फी ली हैं, जिनमें से कुछ आधुनिक समय में उपयोग में दुर्लभ हो चुकी हैं।

सूरजकुंड मेले के 37वें संस्करण में इस साल तंजानिया के अलावा महाद्वीप के अन्य देशों ने भी स्टाल लगाये, जहां लोगों को अफ्रीकी संस्कृति की झलक भी देखने को मिल रही है।

तंजानियाई शिल्पकार ग्रेस मिहिगो ने कहा कि सूती कपड़े, चमड़े के बैग, अन्य चीजें और हस्तनिर्मित पेंटिंग यहां आगंतुकों को खूब पसंद आ रही हैं।

टोगो के एक अन्य शिल्पकार ने कहा कि आगंतुकों को आभूषण भी काफी आकर्षित कर रहे हैं।

मेले में अन्य अफ्रीकी देश जूट उत्पादों, लकड़ी के शिल्प और मिट्टी के बर्तनों के स्टॉल से आगंतुकों को लुभा रहे हैं। मेले की चौपाल पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच रही हैं। हरियाणा पर्यटन निगम के प्रबंध निदेशक और सूरजकुंड मेला प्राधिकरण के मुख्य प्रशासक नीरज कुमार ने कहा कि आगंतुकों के लिए यह मेला दुनिया भर के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय शिल्प, हथकरघा और प्रसिद्ध व्यंजनों की विशेषता वाला एक अनूठा अनुभव रहा है। हस्तशिल्प, हथकरघा और भारत की सांस्कृतिक विरासत की समृद्धि और विविधता को प्रदर्शित करने वाला सूरजकुंड मेला 1987 में पहली बार आयोजित किया गया था।

30 साल पहले की गई हत्या के मामले में ब्रिटिश-भारतीय को आजीवन कारावास

लंदन, 30 साल पहले की गई हत्या के मामले में ब्रिटिश-भारतीय को आजीवन कारावास

लंदन, एजेंसी। 30 साल पहले दो बच्चों की मां की हत्या करने वाले 51 वर्षीय भारतीय मूल के व्यक्ति को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। घटनास्थल से मिले एक बाल का इस्तेमाल कर नई डीएनए तकनीक से दोष साबित हो पाया।

बीबीसी की शुक्रवार की रिपोर्ट के अनुसार, 8 अगस्त 1994 को वेस्टमिंस्टर के एक फ्लैट में 39 वर्षीय मरीना कोप्पेल पर 140 से अधिक बार चाकू से हमला करने वाले संदीप पटेल को ओल्ड बेली कोर्ट में हत्या का दोषी ठहराया गया और सजा सुनाई गई।

हत्या के समय पटेल 21 वर्षीय छात्र था। 2022 में उस पर उस समय संदेह हुआ जब जांचकताओं को कोप्पेल की अंगूठी में बालों का एक गुच्छा फंसा हुआ मिला।

समाचार आउटलेट की रिपोर्ट के अनुसार, न्यायमूर्ति कैवनघ ने कहा, "आपने कोप्पेल को जो आतंक और दर्द दिया, उसकी कल्पना करना कठिन है। आपने उसके जीवन के कई और वर्ष छीन लिए। मेरा कोई भी वाक्य कोप्पेल के परिवार को उनके नुकसान की भरपाई नहीं कर सकता है।"

जूरी ने पटेल को दोषी ठहराने से पहले तीन घंटे से अधिक समय तक विचार-विमर्श किया।

मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अनुसार, जब कोप्पेल का पति उसके वेस्टमिंस्टर फ्लैट पर पहुंचा तो उसने उसका शव बेहोश और खून से लथपथ पाया और पुलिस को सूचित किया।

अपराध स्थल के विश्लेषण के बाद, पुलिस को अंगूठी और एक प्लास्टिक शॉपिंग बैग मिला, जिस पर पटेल की उंगलियों के निशान थे। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा, "हालांकि, पटेल उस दुकान में काम करता था जहां से बैग आया था, इसलिए उसकी उंगलियों के निशान को महत्वपूर्ण सबूत नहीं माना गया और कई सालों तक मामला अनसुलझा रहा।"

संदेह की सुई पटेल की ओर 2022 में ही घूमी जब संवेदनशील तकनीकों ने अंगूठी पर बालों से डीएनए प्रोफाइल प्राप्त करने की अनुमति दी।

ईयू ने इजराइली सरकार से रफाह में सैन्य कार्रवाई न करने को कहा

ब्रुसेल्स, एजेंसी। यूरोपीय संघ (ईयू) के विदेश नीति प्रमुख ने इजराइली सरकार से गाजा के दक्षिणी शहर रफाह में सैन्य कार्रवाई नहीं करने का आग्रह किया है, जहां 13 लाख से अधिक विस्थापित फिलिस्तीनी रहते हैं। विदेशी मामलों और सुरक्षा नीति के लिए यूरोपीय संघ के उच्च प्रतिनिधि जोसेप बोरेल ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, रफाह में एक सैन्य कार्रवाई "पहले से ही विनाशकारी मानवीय स्थिति को और खराब कर देगी तथा बुनियादी सेवाओं और मानवीय सहायता को रोक देगी। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार बोरेल ने कहा कि यूरोपीय संघ अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून के अनुरूप हर समय सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) के 26 जनवरी के आदेश का सम्मान करने के महत्व को दोहराता है। 26 जनवरी को, हेग स्थित आईसीजे ने इजराइल को गाजा पट्टी में नरसंहार रोकने के लिए हर संभव उपाय करने का आदेश दिया था। बोरेल ने अपने बयान में कहा कि यूरोपीय संघ अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के

तेलंगाना के मंत्री ने कालेश्वरम परियोजना में 'भ्रष्टाचार' के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का किया वादा

एनसीआर समाचार

हैदराबाद। राज्य के सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने शनिवार को अपने एक बयान में कहा कि तेलंगाना सरकार कालेश्वरम परियोजना पर राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए), प्रवर्तन और सतर्कता (ई एंड वी) और भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट पर कड़ी कार्रवाई करेगी।

उन्होंने राज्य विधानसभा में सिंचाई परियोजनाओं पर अपनी पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के दौरान कालेश्वरम परियोजना के बारे में बोलते हुए तीन रिपोर्ट का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि मेदिगड्डा बैराज, जो कालेश्वरम परियोजना का केंद्र है, खराब डिजाइन, खराब निर्माण और खराब संचालन और रखरखाव (ओ एंड एम) के कारण ढहने की स्थिति में पहुंच गया है।

मंत्री ने खुलासा किया कि राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) ने सरकार को मेदिगड्डा और दो अन्य जलाशयों अन्नाराम और सुंडीला को नहीं भरने का सुझाव दिया है, जो कालेश्वरम का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, "कल से अन्नाराम बैराज में भी रिसाव शुरू हो गया है। हमने तत्काल एनडीएसए को फोन किया है और उन्होंने हमें तुरंत बैराज से पानी निकालने के लिए कहा है।" उन्होंने सदन को यह भी बताया कि सरकार ने जल भंडारण के मुद्दे पर और तीन बैराजों पर कैसे आगे बढ़ना है, इस पर एनडीएसए से संपर्क किया है।

मंत्री ने कहा कि मेदिगड्डा के घाट 21 अक्टूबर, 2023 को डूब गए और उस दिन से लेकर 7 दिसंबर तक, जब कांग्रेस सरकार बनी, तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने एक शब्द भी नहीं बोला, जबकि उनके पास सिंचाई विभाग भी था।

कालेश्वरम को स्वतंत्र भारत में सिंचाई क्षेत्र का सबसे बड़ा घोटाला बताते हुए मंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों में सिंचाई विभाग का नेतृत्व करने वालों को शर्म से अपना सिर झुका लेना चाहिए और तेलंगाना के लोगों से माफी मांगनी चाहिए।

पिछले साल दिसंबर में पदभार संभालने के बाद से दो बार मेदिगड्डा का दौरा कर चुके मंत्री ने कहा कि मेदिगड्डा को गंभीर क्षति हुई है।

क्षति की सीमा को उजागर करने के लिए तस्वीरें प्रदर्शित करते हुए उन्होंने कहा कि एक बैराज जो 100 सालों तक चलने वाला था, निर्माण के तीन वर्षों के भीतर पूरी तरह से ढहने की स्थिति में पहुंच गया है।

मंत्री ने घाट में आई दरार की तस्वीरें दिखाईं। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कुछ नेताओं के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए, जिन्होंने सरकार से बैराज को मरम्मत के लिए उन्हें सौंपने की मांग की है, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, "आपने दोषपूर्ण डिजाइन के साथ निर्माण किया जिसके कारण यह स्थिति पैदा हुई। आपको यह मांग करने का क्या अधिकार है।"

उन्होंने उल्लेख किया कि मेदिगड्डा बैराज के लिए टेंडर आया था और 1,800 करोड़ रुपये का काम दिया गया था लेकिन खर्च की गई वास्तविक राशि 4,500 करोड़ रुपये थी। उन्होंने कहा, "स्वतंत्र भारत में कहीं भी सिंचाई क्षेत्र में ऐसा नहीं हुआ।"

उन्होंने कहा कि एनडीएसए ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि मेडीगड्डा को नुकसान योजना, डिजाइन, गुणवत्ता नियंत्रण और संचालन और रखरखाव से जुड़े मुद्दों के संयोजन के कारण हुआ। कड़े गुणवत्ता नियंत्रण की कमी के कारण निर्माण में कमी थी। एनडीएसए ने निष्कर्ष निकाला कि मेडीगड्डा बैराज बेकार हो गया था। इसने यह भी बताया कि दो और बैराज अन्नाराम और सुंडीला का निर्माण समान डिजाइन और निर्माण पद्धतियों के साथ किया गया था, जिससे उनमें समान विफलता मोड का खतरा था।

उन्होंने एनडीएसए की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा, "अन्नाराम बैराज के निचले हिस्से में उबाल के संकेत पहले से ही मौजूद हैं, जो विफलता का अग्रदूत है।"

सिंचाई मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद, उन्होंने सतर्कता और प्रवर्तन विभाग को जांच का आदेश दिया। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में कहा, सिंचाई विभाग ने तय क्रमानुसार काम नहीं किया है। कई विचलन स्वीकृतियां जारी की गईं जो उच्च अधिकारियों के किसी भी निरीक्षण द्वारा समर्थित नहीं थीं

बैराज का उद्घाटन 19 जून, 2019 को तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा किया गया था, लेकिन तब से कोई परिचालन और रखरखाव (ओ एंड एम) जांच नहीं हुई थी।

ईएंडवी रिपोर्ट के अनुसार, 3डी मॉडल अध्ययन की सिफारिशों के अनुसार अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम ओवरबर्डन को निर्दिष्ट स्तर तक कम नहीं किया गया था।

सिंचाई मंत्री ने कहा कि 15 फरवरी को विधानसभा में पेश कालेश्वरम पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट ने देश को चौंका दिया है।

कैग ने कहा कि कालेश्वरम परियोजना की लागत अब 1,47,427.41 करोड़ रुपये से अधिक होने की संभावना है, जबकि केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की अनुमानित लागत 81,911.01 करोड़ रुपये है।

उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि चूंकि सीएजी की रिपोर्ट 2021-22 के आंकड़ों पर आधारित है, इसलिए परियोजना की लागत 2 लाख करोड़ रुपये तक जा सकती है।

कैग ने कालेश्वरम परियोजना को आर्थिक रूप से अव्यवहारिक बताते हुए कहा कि इस परियोजना पर खर्च किए गए प्रत्येक रुपये से केवल 52 पैसे मिलेंगे।

रिपोर्ट में कार्यों के आवंटन में अनुचित योजना और अनुचित जल्दबाजी पर भी प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि कैग ने ठेकेदारों को अनुचित भुगतान की भी बात कही है।

एक नजर

तमिलनाडु: पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, नौ लोगों की मौत

विरुधुनगर, एजेंसी। तमिलनाडु में विरुधुनगर जिले के मुथुसाम्यपुरम गांव में शनिवार को पटाखा बनाने वाली एक फैक्ट्री में भीषण आग लगने से पांच महिलाओं सहित नौ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से झुलस गए।

पुलिस ने आज बताया कि विनर फायरवर्क्स फैक्ट्री में आज दोपहर अचानक आग लग गयी। उस दौरान श्रमिक पटाखे बनाने में जुटे हुए थे। देखते ही देखते आग धमाके साथ बढ़ती गयी और चार गोदामों को अपनी चपेट में ले लिया, जहां भारी मात्रा में तैयार पटाखों और अत्यधिक ज्वलनशील रसायनों का भंडार रखा हुआ था।

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि रासायनिक पदार्थों के कारण आग लगी। इस हादसे में नौ लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी और कई अन्य रूप से घायल हो गये। घटना की सूचना मिलते ही सत्तूर, वेम्बाकोट्टई और शिवकाशी से मौके पर पहुंचें दमकलों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया घायलों को सत्तूर और शिवकाशी के सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि कुछ श्रमिकों की हालत गंभीर बताई जा रही है। वरिष्ठ पुलिस और राजस्व अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव कार्यों की निगरानी की। इस घटना से सम्बन्धित मामला दर्ज कर लिया गया और जांच शुरू कर दी है।

नवी मुंबई में 31.6 लाख रुपये के मादक पदार्थों के साथ तीन लोग गिरफ्तार

ठाणे, एजेंसी। नवी मुंबई में 31.6 लाख रुपये मूल्य की मेथिलीन डाइऑक्सी-मेथामफेटामाइन (एमडीएमए) और ब्राउन शुगर रखने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने शुक्रवार शाम कोपरखैरने इलाके से संदिग्ध रूप से घूम रहे आरोपियों को पकड़ा। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 63 ग्राम एमडीएमए और 253 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की, जिसकी कीमत 31.6 लाख रुपये है। अधिकारी ने बताया कि आरोपी मोहम्मद शमीम इस्माइल अंसारी उर्फ सैम (27), खालिदा खातून मोहम्मद अजीम अंसारी (23) और आफिया खातून हयात मोहम्मद अंसारी (19) को गिरफ्तार किया गया जबकि उनकी साथी रुकसाना अंसारी फरार है। पुलिस के मुताबिक, स्वापक औषधि और मनप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि वह यह पता लगाने में जुटी है कि प्रतिबंधित पदार्थ कहां से प्राप्त किया गया और इसे किसे बेचा जाना था।

कर्नाटक में छात्र ने इमारत से कूदकर की खुदकुशी

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के उडुपी जिले के मणिपाल शहर में शनिवार को एक छात्र ने इमारत से कूदकर खुदकुशी कर ली। बताया जा रहा है कि छात्र एक परीक्षा में शामिल हुआ था, लेकिन प्रश्न पत्र देखने के बाद उसने खुदकुशी कर ली।

मृतक छात्र की पहचान बिहार निवासी सत्यम सुमन (19) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि छात्र मणिपाल (माहे) यूनिवर्सिटी में एमसीएचपी डिवीजन में दूसरे वर्ष का छात्र था।

सत्यम ने परीक्षा हॉल में प्रवेश किया था और प्रश्नपत्र मिलने के बाद वह तनाव में दिख रहा था। उसने परीक्षा हॉल छोड़ दिया और इमारत से छलांग लगा दी, इससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि मणिपाल थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। छात्र के आत्महत्या करने का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने कहा कि यह साफ नहीं है कि छात्र परीक्षा के डर से जूझ रहा था या कोई अन्य कारण था। हमने जांच शुरू कर दी है।

तेलंगाना के आदिवासी मेले मेदाराम जथारा के लिए चलेंगी विशेष ट्रेन

हैदराबाद, एजेंसी। रेल मंत्रालय ने 21 फरवरी से तेलंगाना के मुलुगु जिले में शुरू होने वाले प्रसिद्ध आदिवासी मेला सम्मक्का सरक्का मेदारम जथारा के लिए विशेष ट्रेनों की व्यवस्था की है।

केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने घोषणा की कि ट्रेनें 21 से 24 फरवरी तक संचालित की जाएंगी। ये ट्रेनें तेलंगाना के विभिन्न स्थानों से भक्तों को द्विवार्षिक कार्यक्रम के लिए मेदाराम जाने में सुविधा प्रदान करेंगी। विशेष ट्रेनें 07017/07018 सिरपुर कागजनगर-वारंगल -सिरपुर कागजनगर, 07014/07015ः वारंगल- सिकंदराबाद -वारंगल और 07019/0720 निजामाबाद-वारंगल - निजामाबाद हैं। ये ट्रेनें सिकंदराबाद, हैदराबाद, सिरपुर कागजनगर, बेल्लमपल्ली, मनचेरियल, रामागुंडम, पेद्दापल्ली, जम्मीकुंटा, भोंगिर, जनगांव, घनपुर, कामारेड्डी, मनोहराबाद, मेडचल, अलेर और अन्य स्थानों समेत प्रमुख केंद्रों तक कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार आदिवासी संस्कृति और परंपराओं की रक्षा एवं संरक्षण तथा आदिवासी समुदायों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। मेल लिए विशेष ट्रेन चलाने के अलावा, केंद्र सरकार तीन करोड़ रुपये भी देगी।

कर्नाटक में सड़क दुर्घटना में तीन की मौत, छह घायल

रामानगर, एजेंसी। कर्नाटक के रामनगर जिले के चन्नापटना शहर के पास शनिवार को एक सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान सोमलिंगप्पा (70), शिवलिंगप्पा (66) और राजेश्वरी के रूप में हुई है। इस हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई थी। पीड़ित रात 2 बजे एक शादी में शामिल होकर लौट रहे थे। पुलिस के मुताबिक, एक ट्रक ने एक टेम्पो-ट्रैवलर को टक्कर मार दी थी, जिससे ये हादसा हुआ।

सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। शुरूआती जांच से पता चला है ट्रक से टक्कर के बाद टेम्पो-ट्रैवलर पलट गया था।

गुजरात में तटवर्ती गांव में मिला शेरनी का शव

अमरेली, एजेंसी। गुजरात के अमरेली जिले के एक तटीय गांव में एक शेरनी मृत पाई गई तथा अधिकारियों का कहना है कि उसकी मौत अरब सागर में डूबने से हुई।

अधिकारियों ने बताया कि शेर का समुद्र में डूबना कोई बहुत सामान्य घटना नहीं है। साथ ही इस मामले में किसी भी तरह की साजिश की आशंका से इनकार किया है।

जूनागढ़ के प्रभारी मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) के.रमेश ने शनिवार को बताया कि 15 फरवरी की शाम को जाफराबाद रेंज के वन क्षेत्र में धारा बंदर गांव के तट पर पांच से नौ साल की उम्र की शेरनी मृत मिली थी। उन्होंने बताया, पोस्टमार्टम से पता चला कि शेरनी की मौत डूबने से हुई। जानवर के शरीर की जांच के दौरान, उसके नाखून और दांत बरकरार पाए गए, जिसके बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। रमेश ने बताया कि पोस्टमार्टम से पता चला कि शेरनी के फेफड़ों में पानी घुस गया था। उन्होंने कहा, "यह निश्चित तौर पर डूबने का मामला है। उन्होंने कहा, "किसी भी तरह की गड़बड़ी का कोई संकेत नहीं मिला हैड्डऐसे मामले हैं जब शेर तटीय क्षेत्रों में डूबे हुए पाए जाते हैं, लेकिन यह कुछ ऐसा है जो बहुत आम नहीं है। गुजरात एशियाई शेरों का विश्व का अंतिम निवास स्थान है। शेर अब राज्य के नौ जिलों जूनागढ़, गिर सोमनाथ, अमरेली, भावनगर, बोटाद, पोरबंदर, जामनगर, राजकोट और सुरेंद्रनगर में निवास करते हैं।

दिल्ली को 350 नई इलेक्ट्रिक बस मिलीं

उपराज्यपाल वीके सक्सेना और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हरी झंडी दिखाई

○ मुख्यमंत्री ने कहा- अब 1650 इलेक्ट्रिक बसों वाला दिल्ली देश में नंबर वन

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली को 350 नई इलेक्ट्रिक बसों की सौगात मिली है। बुधवार को उपराज्यपाल वीके सक्सेना और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सराय काले खां बस डिपो में आयोजित समारोह में इन बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस मौके पर दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि 1650 इलेक्ट्रिक बसों के साथ देश में दिल्ली पहला शहर बन गया है, जहां सबसे ज्यादा ई-बसें हैं। जबकि दुनिया में तीसरे नंबर का शहर बन गया है। उधर, उपराज्यपाल ने कहा कि निश्चित तौर पर इन बसों के परिचालन से दिल्ली में प्रदूषण कम करने की दिशा में मदद मिलेगी। इससे शहर में ग्रीन सार्वजनिक परिवहन इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन बसों की मदद से दिल्ली में प्रदूषण को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। पहले दिल्ली की सड़कों पर ब्लू लाइन पर डीजल और पेट्रोल बस चलती थीं। उसके बाद सीएनजी बसें लाई गईं और अब इलेक्ट्रिक बसें लाई जा रही हैं। हमारा प्रयास है कि चरणबद्ध तरीके से सीएनजी बसों को हटा कर इलेक्ट्रिक बसों को बेड़े में शामिल किया जाए। राजधानी में जनवरी, 2022 से 1, 300 इलेक्ट्रिक बसें चल रही थीं, जो अब तक करीब 58 मिलियन किलोमीटर की दूरी तय कर चुकी हैं। इनसे 47, 000 टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में कमी आई है।

दिल्ली को केन्द्र सरकार से लगातार मिल रही बसों की सौगात : दिल्ली भाजपा अध्यक्ष

नई दिल्ली 14 फरवरी : दिल्ली भाजपा अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है दिल्ली को प्रदूषण मुक्त राजधानी बनाने की प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की कल्पनाओं का परिणाम है की आज केन्द्र सरकार के सहयोग से 350 नई ई बसें मिलने के बाद आज दिल्ली में 1650 इलैक्ट्रिक बसों का बेड़ा डी.टी.सी. के पास बन कर तैयार है। श्री वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की 2013 से 2024 के बीच अरविंद केजरीवाल सरकार ने डी.टी.सी. बेड़े में एक भी नई बस नही जोड़ी और यह केजरीवाल सरकार की लापरवाही का नतीजा है की दिल्ली में जो बस ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर है वह केन्द्र सरकार के द्वारा दी गई इलेक्ट्रिक बसों पर आधारित है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है की दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत का दावा की आज दिल्ली में 7200 बसों का बेड़ा है झूठ का पुलिंदा है।

बता दें कि दिल्ली के परिवहन बेड़े में 7, 582 बसें शामिल हैं। इसमें 3, 141 बसें डीआईएमटीएस और 4, 441 बसें डीटीसी की हैं, जिनकी संख्या वर्ष 2025 तक 10, 480 बसें हो जाएगी। इसमें 80 फीसदी इलेक्ट्रिक बसें होंगी, जिनकी मदद से सालाना 4.67 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में कमी आएगी। 15 से 20 दिन में मोहल्ला बस आएंगी : गहलोत दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने सचिवालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि हमारा लक्ष्य जल्द 80 फीसदी इलेक्ट्रिक बस हासिल करना है। उन्होंने कहा कि मोहल्ला बस के लिए अभी थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। क्योंकि पहली बार 9 मीटर की बसें दिल्ली की सड़कों पर आएंगी। इसलिए इसकी प्रक्रिया, प्रोटोटाइप, टेस्ट और सर्टिफिकेट मिलने में थोड़ा समय लग रहा है। मोहल्ला बस को लेकर हितधारकों के साथ लगातार बैठकें हो रही हैं। उम्मीद है कि 15 से 20 दिन के अंदर कुछ मोहल्ला बस आ जाएंगी।

बस डिपो का विद्युतीकरण कर रहे दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि हम सभी बस डिपो का विद्युतीकरण कर रहे हैं। अभी तक दिल्ली के 60 बस डिपो में से 16 का विद्युतीकरण किया जा चुका है। शेष डिपो का विद्युतीकरण किया जा रहा है। हमारा लक्ष्य बस बेड़े में 80 फीसद इलेक्ट्रिक बसें शामिल करने का है। मौजूद समय में यह 22 फीसदी है। उन्होंने कहा कि जब हम इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की बात करते हैं तो इलेक्ट्रिक बसें उसका एक अहम हिस्सा है।

कब कितनी ई- बसें आई

17 जनवरी 2022	01
मार्च 2022	02
24 मई 2022	150
24 अगस्त 2022	97
02 जनवरी 2023	50
1 मई 2023	डीएमआरसी द्वारा 100 ई-बसों का अधिग्रहण
5 सितंबर 2023	400
14 दिसंबर 2023	500
14 फरवरी 2024	डीआईएमटीएस बेड़े में 300 और डीटीसी बेडे में 50

किसान आंदोलन को लेकर कालिंदी कुंज बॉर्डर पर भारी सुरक्षा व्यवस्था

बैरिकेडिंग की वजह से लगातार जाम

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। किसानों के दिल्ली चलो आंदोलन का आज दूसरा दिन है। इस वजह से आज भी दिल्ली के अन्य राज्यों से लगने वाली सीमाओं पर चौकसी बरती जा रही है। इस कड़ी में दिल्ली नोएडा बॉर्डर कालिंदी कुंज पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गए हैं। वहीं कालिंदी कुंज बॉर्डर पर जाम लगने का सिलसिला लगातार जारी है। बुधवार सुबह भी यहां दिल्ली और नोएडा दोनों तरफ जाम देखने को मिला। आज भी जाम का सिलसिला लगातार जारी है। बता दें कालिंदी कुंज पर दिल्ली की सीमा उत्तर प्रदेश के नोएडा से मिलती है और यहां पर किसान आंदोलन के मद्देनजर सुरक्षा के कड़े इंतजाम बीते 3 दिनों से किए गए हैं। जिसके कारण लगातार यहां जाम की समस्या हो रही है जिसके कारण दिल्ली नोएडा की यात्रा करने वाले लोग लगातार परेशान हैं। उनको अपने काम पर जाने में देरी हो रही है।

दिल्ली के कालिंदी कुंज बॉर्डर पर किसानों के दिल्ली मार्च के मद्देनजर सुरक्षा के कड़े इंतजाम हैं। यहां सोमवार शाम से ही सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और बड़ी संख्या में लगातार पुलिस बल को तैनात किया जा रहा है। यहां सोमवार शाम से ही सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और बड़ी संख्या में लगातार पुलिस बल को तैनात किया जा रहा है।

हालांकि यहां पर यातायात को नहीं रोका गया है। नोएडा और दिल्ली के बीच सामान्य रूप से यातायात जारी है। लेकिन यहां लागातार जाम की स्थिति बनी हुई है। नोएडा से कालिंदीकुंज आनी वाली सड़क और दिल्ली के तरफ सरिता विहार से कालिंदी कुंज के बीच जाम दिख रहा है। वहीं बुधवार सुबह से भी कालिंदी कुंज बॉर्डर पर भारी पुलिस बल की तनाती की गई है। नोएडा से दिल्ली आने की तरफ सड़क के एक लेन को बैरिकेड्स और गाड़ियों को खड़ा कर रोका गया है जिसके कारण नोएडा से दिल्ली के तरफ आने वाले सड़क पर जाम देखने को मिल रहा है। कालिंदी कुंज बॉर्डर पर दिल्ली पुलिस के जवानों के साथ ही अर्ध सैनिक बलों के जवानों को तैनात किया गया है। वहीं सुरक्षा इंतजामों का जायजा जिले के डीसीपी के द्वारा लगातार लिया जा रहा है। बुधवार सुबह दक्षिण पूर्वी जिले के डीसीपी कालिंदी कुंज बॉर्डर पर पहुंचे और पुलिस कर्मियों को सुरक्षा इंतजाम संबंधी निर्देश देते नजर आए। हालांकि अभी तक कालिंदी कुंज बॉर्डर के तरफ से किसान दिल्ली के तरफ नहीं बढ़े हैं लेकिन एहतियातन पुलिस द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम के चलते यहां लगातार जाम की स्थिति बनी हुई है।

निगम के सफाई कर्मचारियों ने किया मुख्यमंत्री निवास विरोध प्रदर्शन

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने दिल्ली नगर निगम समस्त यूनियन कोर कमेटी के बैनर तले अपनी मांगों को लेकर बुधवार को चंदगीराम अखाड़ा से मुख्यमंत्री निवास पर विरोध प्रदर्शन किया और सफाई कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों को माना नहीं गया तो पूरी दिल्ली में 27 फरवरी को सामूहिक हड़ताल करेंगे। इस हड़ताल के जिम्मेदार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल होंगे। जबकि इससे पहले भी सफाई कर्मचारियों ने विशाल धरना प्रदर्शन 10 जनवरी को सिविक सेंटर पर हजारों की संख्या में अपनी मांगों को लेकर विरोध किया था। इसके बावजूद आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल की आग नहीं बुझी न तो रहम भी नहीं आया अपनी दमनकारी नीतियों को जारी रखे हुए हैं। सफाई कर्मचारीयो और कोर कमेटी यूनियनों के कार्यकताओं ने दिल्ली की जनता से अपील की है कि हम निर्दोष हैं दिल्ली सरकार दोषी है। प्रदर्शन की अगुवाई करते हुए सुल्तानपुर माजरा के पूर्व विधायक जयकिशन ने कहा कि बहुत बड़ा झूठ के माहिर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल लोगों को पूरे तरीके से बेवकूफ बनाने मे लगे हुए हैं। दिल्ली की जनता और देश की जनता के आंखों में धूल झोंक रहे हैं। अपने आप को सरदार भगत सिंह का हवाला देकर कट्टर ईमानदार बता रहे हैं और बाकी लोगों को बेईमान बता रहे हैं। जयकिशन ने कहा कि इसकोअबकी चुनाव में पार्टी के नाते नहीं समाज के नाते सामूहिक संघर्ष समिति, वाल्मीकि यूथ फ्रंट, वाल्मीकि जन्म उत्सव कमेटी, वाल्मीकि चौधरी सरपंच कमेटी, गुरु रविदास महासभा, दुर्बल नाथ महासभा, धानक महासभा खटीक महासभा, अंबेडकर वीर सेवा, आदि समाज के लोगों से राय लेकर जयकिशन ने घोषणा की है। आने वाले चुनाव में बहिष्कार घेराव भी किया जाएगा गुरु रविदास मंदिर को तोड़े हुए सालों साल हो गये हैं केजरीवाल ने अभी तक कोई खबर नहीं ली जबकि दिल्ली कई सैकड़ो बलात्कार हो रहे है। दिल्ली में नकली कैमरा का व्यापार करने वाले झूटे माहिर मुख्यमंत्री केजरीवाल तमान सरकारी कर्मचारियों का भारी शोषण ये बर्दाश्त नहीं होगा।

आज सफाई कर्मचारियों से मिले और उनकी बात सुने कॉन्ट्रैक्ट बेस खत्म करें। जिन-जिन कर्मचारियों को बर्खास्त किया है उन्हें तत्काल नौकरी पर लें ये झूठ लूट बंद करें। पेंशन जैसे योजना तनखाह के बारे में न्यायपालिका को दखलबाजी करना केजरीवाल आपको और आपकी सरकार को शर्म आनी चाहिए।

बीसंत पंचमी पर आयोजित हुए विभिन्न सनातनी कार्यक्रम

नई दिल्ली, एजेंसी। वरिष्ठ भाजपा नेता व यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जय भगवान गोयल ने रामा गार्डन, सैनी पंचायत शिव मंदिर, न्यू सीलमपुर, वेस्ट करावल नगर 20 फुटा रोड़ व वजीराबाद गांव में आयोजित वंसत पंचमी के कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए और वहां पर उपस्थित सनातनी भारतीयों को संबोधित करते हुए वसंत के दिन पीली चीजों के शुभ उपयोग का वैज्ञानित व आध्यात्मिक महत्व बताया।

उन्होंने कहा कि पीली चीजों का प्रयोग, सरस्वती माता को प्रसन्न कर देता है और वह बुद्धि, विवेक और ज्ञान का आशीर्वाद देती है। इसी कारण से वसंत पंचमी को त्यौहार के रूप में मनाने का, सनातन धर्म में चिरकाल से प्रचलन है। इसके साथ ही श्री गोयल ने वीर हकीकत राय, जिन्होंने हिन्दू धर्म के अपमान का प्रतिकार किया व जबरन इस्लाम स्वीकारने के बजाए वसंत पंचमी के दिन ही मृत्यु को गले लगाया, को सभी जगह पर, भावपूर्ण श्रृद्धांजलि भी अर्पण की। साथ ही साथ पुलवामा आतंकी हमले की 5वीं बरसी पर वीर शहीदों को भी नमन किया और उनके बलिदान को याद करते हुए उन्हें भी श्रृद्धांजलि दी और कहा कि राष्ट्र सदैव इन बहादुरों की ऋणी रहेगा। श्री गोयल ने कहा कि उन्हें यह बताते हुए बड़ा ही हर्ष हो रहा है कि मुस्लिम देशों में भी हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी सनातन की पताका को आकाश में फहरा रहे हैं, उन्होंने आज ही आबूधाबी (यूएई) में पहले हिन्दू मंदिर का उद्घाटन किया है। यह हम सब भारतीयों के लिए बड़े ही गर्व का पल है। सभी जगह पर राम के रंग में पूरी तरह से रंगे हुए रामभक्तों को अपने हाथ से अयोध्या का प्रसाद भी जय श्रीराम के उद्घोषों के बीच बड़े ही भाव व प्रेम से वितरण किया। आज के ही वसंत पंचमी के शुभ दिवस पर सेवा भारती द्वारा आयोजित जैन स्थानक धर्मशाला बलबीर नगर में सामूहिक विवाह समारोह में भी श्री गोयल सम्मिलित हुए और उन्होंने उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए वर वधू को आशीर्वाद भी प्रदान किए।

डीयू में फैकल्टी ऑफ टेक्नॉलॉजी के नए भवन का काउंटडाउन शुरू

कुलपति ने किया भूमि पूजन के साथ भवन निर्माण कार्य का शुभारंभ

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ टेक्नॉलॉजी के नए भवन के निर्माण कार्य का शुभारंभ कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने भूमि पूजन के साथ किया।

कुलपति ने नारियल फोड़ कर कुदाली के साथ नींव खुदाई के कार्य की शुरूआत भी की। इसके साथ ही फैकल्टी ऑफ टेक्नॉलॉजी के नए भवन का काउंटडाउन 14 फरवरी को शुरू हो गया। कुलपति ने बताया कि अगले 541 दिनों में इसके निर्माण कार्य को सम्पूर्ण करने का टार्गेट रखा गया है। 16 अगस्त 2025 तक यह भवन बन कर तैयार हो जाएगा। प्रो. योगेश सिंह ने बताया कि फैकल्टी ऑफ टेक्नॉलॉजी के लिए 195.65 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले इस शैक्षणिक भवन का निर्माण कार्य एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस नये बनने वाले भवन का कुल क्षेत्रफल लगभग 285000 वर्ग फुट है। कुलपति ने कहा कि यह भवन एक अत्याधुनिक भवन होगा जिसमें कक्षा कक्ष, प्रयोगशालाएं, वर्कशॉप, विभागाध्यक्ष कार्यालय, प्रोफेसर और संबंधित स्टाफ के लिए कार्यालय, प्रशासन और अकाउंट कार्यालय, बहुउद्देशीय हॉल आदि होंगे। कुलपति ने कहा कि इस परियोजना का लक्ष्य 3 स्टार गृह रेटेड प्रोजेक्ट बनना है। इस इमारत में लैंड स्केप इरिगेशन और फ्लशिंग के लिए ग्रे वाटर रीसाइक्लिंग, पैसिव डिजाइन स्ट्रैटेजिस, सोलर फोटोवोल्टिक एनर्जी जनरेशन और रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

डीयू के हिंदू अध्ययन केंद्र में बसंतपंचमी पर कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्व विद्यालय के हिन्दू अध्ययन केन्द्र में बसन्त पंचमी के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कत्थक-नृत्यांगना पद्म श्री नलिनी एवं कमीलिनी कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। उनके साथ हिन्दू अध्ययन केन्द्र के निदेशक प्रो. ओमनाथ बिमली, सह निदेशक प्रो. प्रेरणा मल्होत्रा, प्रो. पंकज मिश्र, डॉ. आदित्य गुप्ता, डॉ. धनंजय कुमार आचार्य, डॉ. स्मिता अग्रवाल एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता, पद्मश्री नलिनी ने इस संसार रूपी रंगमंच में अपने किरदारों और कर्तव्यों का सुचारू रूप से निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने अपने जीवन से जुड़ी हुई कई घटनाओं का भी उल्लेख किया जहां उन्होंने भारत का नेतृत्व कर देश के नाम को उजागर किया था। उन्होंने जीवन में गुरु की महत्ता को दशार्ते हुए बताया कि किस प्रकार से किसी व्यक्ति के जीवन में एक अच्छा गुरु जीवन की दिशा बदलकर नए आयामों की ओर ले जा सकता है। कार्यक्रम के आरंभ में केंद्र की सह निदेशक प्रो. प्रेरणा मल्होत्रा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम निदेशक प्रो. ओम नाथ बिमली ने भी स्वागत उद्बोधन देकर सभी को भारतीय ज्ञान पद्धति में सरस्वती तत्व को उजागर करते हुए ज्ञान एवं शिक्षा के विभिन्न आयामों से परिचित कराया।

उत्तर पूर्वी दिल्ली में होंगे सांसद खेल महोत्सव 15 फरवरी से : मनोज तिवारी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर उत्तर पूर्वी दिल्ली संसदीय क्षेत्र में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन 15 फरवरी से होगा, जिसके तहत एथलेटिक्स, टेनिस बॉल क्रिकेट, स्केटिंग, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, महिला क्रिकेट, कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसमें संसदीय क्षेत्र की 10 विधानसभा की 10-10 टीम में भाग लेंगी। यह प्रतियोगिताएं क्रमशः मल्का गंज के रोशनारा क्लब पूर्वी दिल्ली खेल परिसर ताहिरपुर और नंद नगरी के जिला पार्क में होगी।

मनोज तिवारी ने कहा कि संसद खेल प्रतियोगिता का आयोजन वर्षों से मैं अपने संसदीय क्षेत्र में करता आ रहा हूं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर इस बार जो प्रतियोगिताएं आयोजित होगी उनमें उत्तर पूर्वी दिल्ली संसदीय क्षेत्र के कोने-कोने से छिपी प्रतिभाओं को अवसर दिया जाएगा। तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अभियान से जोड़ा जाएगा।

हर्षोल्लास से मनाया बसन्त उत्सव

नई दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय संस्था तरुण मित्र परिषद द्वारा परिषद कार्यालय सभागार, लक्ष्मी नगर मे बसंत उत्सव का आयोजन किया गया। महासचिव अशोक जैन ने बताया कि इस भव्य कार्यक्रम मे नन्हे मुन्ने बाल कलाकारों ने रंग बिरंगें परिधानों मे हर्षोल्लास के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर, उपस्थित जन समुदाय का मन मोह लिया। नन्दिनी जैन के निर्देशन मे कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि निगम पार्षद अल्का राघव व परिषद के अध्यक्ष मनोज कुमार जैन (मनोनीत निगम पार्षद) ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए सभी प्रतिभागियों को उपहार भेंट कर प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर परिषद के संस्थापक अशोक जैन को 80वें वर्ष मे प्रवेश करने पर ढेरसारी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके स्वस्थ व दीघार्यु की कामना की।

एक नजर

रेलवे में भर्ती के लिए करें तैयारी, कैलेंडर के मुताबिक होंगी भर्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर रेलवे में नौकरी करने की तैयारियां कर रहे हैं तो जान लें कि रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) ने विभिन्न श्रेणियों की भर्तियों के लिए महीने तय कर दिए हैं। मसलन सहायक लोको पायलट, तकनीशियन, गैर-तकनीकी लोकप्रिय श्रेणियां-स्नातक, गैर-तकनीकी लोकप्रिय श्रेणियों के लिए अधिसूचना तारीख और परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिए हैं। उत्तर रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि अंडर ग्रेजुएट, जूनियर इंजीनियर, पैरामेडिकल श्रेणियों में ग्रुप-डी, और मंत्रिस्तरीय और पृथक श्रेणियों के लिए आरआरबी ने भर्ती के लिए वार्षिक कैलेंडर जारी कर दिया है। इसमें जनवरी-मार्च महीने में सहायक लोको पायलट के लिए भर्ती होंगी। जबकि अप्रैल-जून में तकनीशियन श्रेणी की भर्ती होंगी। अधिकारियों के अनुसार जुलाई-सितम्बर में गैर तकनीकी लोकप्रिय श्रेणियों में स्नातक (स्तर 4, 5 और 6) और गैर तकनीकी लोकप्रिय श्रेणियों में स्नातक (स्तर 2 और 3) कनिष्ठ अभियंता व पैरामेडिकल श्रेणी में भर्ती होगी। जबकि अक्तूबर-दिसम्बर में स्तर-1 मंत्रिस्तरीय और पृथक श्रेणियों में भर्ती होंगी। उत्तर रेलवे ने कहा कि आरआरबी परीक्षा कैलेंडर के मुताबिक अब उम्मीदवार प्रभावी ढंग से अपनी तैयारी और रणनीतियों की योजना बना सकते हैं।

किसान कूच : गाजीपुर में बैरिकेड को वेल्डिंग से जोड़ा, सड़क किनारे जंगल में खोदे गड्ढे

नई दिल्ली, एजेंसी। किसानों के दिल्ली कूच को लेकर राजधानी की सीमाओं पर सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा किया जा रहा है। बुधवार को गाजीपुर बॉर्डर पर पुलिस ने बैरिकेड्स को वेल्डिंग कर जोड़ दिया। फिलहाल, गाजीपुर बॉर्डर पर एनएच-9 के फ्लाईओवर से ही आने-जाने की व्यवस्था है। फ्लाईओवर के नीचे की सड़कों को पूरी तरह सील किया हुआ है। यहां से पैदल जाने वालों को भी इजाजत नहीं है। बुधवार को पुलिस ने फ्लाईओवर के नीचे सड़क के साथ गड्ढे भी खोद दिए। दरअसल, इनपुट मिल रहे थे कि मुख्य सड़कें बंद होने पर ट्रैक्टर चालक जंगल वाले रास्तों से भी दिल्ली की सीमा में प्रवेश कर सकते हैं। ऐसे में सड़क किनारे जंगल की ओर जेसीबी की मदद से गहरे गड्ढे खोद दिए गए हैं। पुलिस के अलावा अर्द्धसैनिक बल को भी जंगल में तैनात किया गया है। दूसरी ओर दिल्ली की सीमा से सटी खोड़ा कालोनी में रहने वाले लोगों को गाजीपुर पहुंचने में खासी दिक्कत हो रही है। बड़ी संख्या में खोड़ा कालोनी व राजीव नगर से मजदूर काम के लिए गाजीपुर फूल, फल व मीट मंडी में आते हैं, लेकिन पुलिस की सख्ती से उन्हें कई किलोमीटर लंबा चक्कर लगाकर आना पड़ रहा है।

अभाविप ने जेएनयू में किया तमिलनाडु सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में राष्ट्रगान का अपमान करने वाले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और डीएमके सरकार के खिलाफ बीती रात जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान स्टालिन का पुतला दहन किया। अभाविप ने स्टालिन सरकार से माफी मांगने की मांग की है। संगठन ने केंद्र सरकार से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

अभाविप कार्यकताओं ने राष्ट्रगान के सम्मान में साबरमती ढाबे पर राष्ट्रगान का गायन भी किया। इस मौके पर अभाविप-जेएनयू अध्यक्ष उमेश चंद्र अजमीरा ने कहा, तमिलनाडु सरकार का राष्ट्रगान के प्रति रवैया घोर निंदनीय है। राष्ट्रगान किसी व्यक्ति विशेष का नहीं, यह संवैधानिक रूप से पूरे देश के सम्मान का प्रतीक है, इसका अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह सिर्फ एक गीत नहीं, बल्कि लाखों भारतीयों की भावनाओं का प्रतिनिधित्व भी करता है। केंद्र राष्ट्रगान के प्रति इस तरह के अनादर को रोके और इस संबंध में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। राष्ट्रगान का सम्मान किसी भी राजनीतिक लाभ से ऊपर होना चाहिए। अभाविप-जेएनयू मंत्री विकास पटेल ने कहा, स्वसत्ता के मद में डूबी तमिलनाडु सरकार के मुख्यमंत्री को इस कुकृत्य की माफी पूरे देश से मांगनी चाहिए। हम इस विश्वविद्यालय के साथ-साथ देश के सभी छात्र समुदाय से आग्रह करते हैं कि वे इस तरह के अपमानजनक कृत्यों के खिलाफ खड़े हों और राष्ट्रगान के सम्मान की रक्षा करें।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में ICSSR के सहयोग से भारतीय ज्ञान परंपरा पर केंद्रित, दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू

सतीश हरियाणा

हरियाणाः केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में वाणिज्य एवं प्रबंधन में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय की शुरूआत गुरूवार को हो गई। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) के सहयोग से आयोजित इस संगोष्ठी के उद्घाटन जनसत्र को मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय प्रबंधन संस्थान सिरमौर, हिमाचल प्रदेश के निदेशक प्रोफेसर प्रफुल्ल वाई अग्निहोत्री ने संबोधित किया, जबकि विशिष्ठ अतिथि के रूप में चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय (सीबीएलयू) के कुलपति प्रो.आर.के.मित्तल व दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.आरके अनायत ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रोफेसर पवन शर्मा उपस्थित रहे जबकि उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने की और इस मौके पर सम कुलपति प्रो.सुषमा यादव, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो.सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रही।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में आयोजन में सम्मिलित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। युवा इस दिशा में तभी आगे बढ़ सकते है, जबकि वो हमारे पुरातन ज्ञान परंपराओं को समझेंगे। कुलपति ने कहा कि अब समय आ गया है कि भारतीय अपने सही इतिहास को जाने और उसे समझकर आगे बढ़ें। कुलपति ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के स्तर पर भारतीय ज्ञान परंपरा के विकास हेतु जारी विभिन्न प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारा विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति को केंद्र में रखकर निरंतर भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

इससे पूर्व में मुख्य अतिथि प्रो.प्रफुल्ल वाई अग्निहोत्री ने विस्तार से भारतीय ज्ञान परंपरा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने आयुर्वेद, भारतीय नाट्यशास्त्र, दर्शनशास्त्र का उल्लेख करते हुए बताया कि हम पुरातनकाल में कितने समृद्ध रहे हैं। उन्होंने कहा कि वेदों को ज्ञान का असीम भंडार बताते हुए युवाओं को उनके अध्ययन के लिए प्रेरित किया। सीबीएलयू के कुलपति प्रो.आरके मित्तल ने पुरातन काल में व्यापार, आपसी सहयोग, सर्वजन के विकास, भारतीय लघु उद्योगों के महत्व और सनातन चिंतन का विस्तार से उल्लेख करते हुए भारत के विकास में योगदान देने के लिए युवाओं को प्रेरित किया। दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.आरके अनायत ने बेहद थोडे. शब्दों में भारतीय ज्ञान परंपरा और चिंतन को प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत किया।

उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रोफेसर पवन शर्मा ने बेहद विस्तार से भारतीय शिक्षा प्रणाली को अंग्रेजी शासन द्वारा पहुंचाए गए नुकसान और उसके कारणों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 के बाद से स्थितियां बदल रही है और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 में मातृभाषा में शिक्षा, भारत ज्ञान परंपरा के अध्ययन पर जोर इस बात का प्रमाण है कि हम अब पुनः विश्व स्तर पर अपनी वहीं पुरातन पहचान को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है।

प्रो. पवन शर्मा ने भारतीय वेद पुराणों और उनमें ज्ञान की ओर भी सभी का ध्यान आकर्षित किया। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो.सुषमा यादव ने कहा कि आज हम अमृतकाल में जी रहे हैं और ऐसे में भारतीय ज्ञान परंपरा को जानते समझते हुए ही विकसित भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो सकता हैं। उन्होंने आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञों के द्वारा प्रस्तुत विचारों को इस दिशा में मार्गदर्शक बताया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई, जिसके पश्चात वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष व संगोष्ठी के संयोजक डॉ. राजेंद्र मीणा ने सभी अतिथियों, विशेषज्ञों व प्रतिभागियों का स्वागत किया।

उत्तर प्रदेशः बिजनौर में गुरु रविदास जयंती पर निकाली जाएगी शोभा यात्रा

आकील अली

उत्तर प्रदेशः बिजनौर के किरतपुर में संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती के उपलक्ष में आयोजित शांति समिति की बैठक में क्षेत्राधिकारी ने कहा कि शोभा यात्रा को शांति पूर्वक निकलवाने के पुलिस निरंतर यात्रा में रहेगी। उन्होंने कहा कि, असमाजिक तत्वों पर पुलिस की नजर रहेगी और कोई शांति भंग का प्रयास करेगा तो उसको बख्शा नहीं जायेगा। शुक्रवार को थाना प्रांगण किरतपुर में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

नजीबाबाद क्षेत्रा अधिकारी अनिल कुमार सिंह क्षेत्रीय प्रधान एंव गणमान्य लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। प्रदेश सरकार के पूर्व राज्य मंत्री धनीराम सिंह ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती की शोभा यात्रा बड़े हर्ष उल्लास के साथ धूमधाम से मनाई जाएगी, जिसमें हजारों की संख्या में लोग भाग लेते हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन को आश्वस्त किया कि शोभा यात्रा शांतिपूर्वक निकल जाएगी। थाना प्रभारी उदय प्रताप सिंह ने बताया कि क्षेत्र में जहां कहीं भी छोटी-मोटी घटनाएं हुई है वहां पुलिस मुस्तैदी के साथ तैनात रहेगी।

उन्होंने गुरु रविदास की जयंती की शुभकामनाएं दी और सबसे मिलजुल कर आपसी प्रेम व मोहब्बत के साथ जयंती मनाने का आव्हान किया। भाजपा के ग्रामीण मंडल अध्यक्ष मनोज बालियान के संचालन में आयोजित बैठक में बाबू जगराम सिंह चंद्र प्रकाश सिंह रवि पत्रकार पी के चौहान योगेंद्र राजपूत अशवाक प्रधान, नगर पालिका परिषद के प्रधान लिपिक हसन मुस्तफा एंव पत्रकार मुहम्मद याकूब पत्रकार जोगेन्द्र सिंह पत्रकार आकिल अली आदि मौजूद रहे।

बिजनौर में तेज रफ़्तार कार ने पूरे परिवार को मारी टक्कर दो लोगों की मौत , दो घायल

आकील अली

उत्तर प्रदेशः मंडावर चंदक क्षेत्र में उसे समय हड़कंप मच गया जब एक ही परिवार के चार सदस्यों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मारकर घायल कर दिया जबकि मौके पर परिवार के दो सदस्यों की मौत हो गई। मौत की खबर से परिजनों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया तथा मृतको के शवो को पोस्टमार्टम हेतु बिजनौर भेज दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि गांव राफितपुर दरियापुर थाना स्योहारा निवासी धर्मेंद्र अपने परिवार सहित मंडावर के चंदक स्थित गौशाला में काम करता था, शुक्रवार सुबह धर्मेंद्र 48 वर्षीय अपनी पत्नी सुनीता 45 वर्ष और दो बेटे टिंकू 12 वर्ष व मुकुल 7 वर्ष के साथ ट्रेन से अपने गांव जाना था।

जिसके लिए पूरा परिवार सुबह लगभग छह बजे चंदक स्थित रेलवे स्टेशन पैदल जा रहा थे। बताया गया है कि जैसे ही परिवार फुलवारी लॉन के सामने पहुंचा तभी किसी अज्ञात वाहन ने परिवार को कुचल दिया। हादसे में धर्मेंद्र की पत्नी सुनीता और छोटे बेटे मुकुल की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि धर्मेंद्र व उसका बड़ा पुत्र टिंकू गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची मंडावर पुलिस ने सभी को जिला अस्पताल भिजवाया। धर्मेंद्र के परिवार में पत्नी, दो पुत्र और एक पुत्री है।

उत्तर प्रदेशः अहरौरा बांध में मूर्ति विसर्जन के दौरान डूबने से युवक की मौत

अनुप कुमार

उत्तर प्रदेशः अहरौरा बाध मे शुक्रवार को मां सरस्वती की मूर्ति विसर्जन करने गए एक युवक की बांध में डूबने से हुईं मौत सूचना पाकर मौके पर पहुंची। पुलिस ने युवक को पानी से निकाल कर इलाज के लिए लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अहरौरा गई जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

थाना प्रभारी अमित कुमार मिश्रा ने बताया की क्षेत्र के महुली गांव में स्थापित मां सरस्वती की मूर्ति को लेकर गांव के लोगों के साथ बृजेश मौर्य भी आया था। विसर्जन करने के समय बृजेश अपना कपड़ा निकाल कर मूर्ति के साथ ही मूर्ति विसर्जन करने चला गया इसी बीच

गहरे पानी में जाने से उसका पैर फिसल गया और पानी में डूब गया साथियों ने बचाने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली तो तत्काल पुलिस को सूचना दिया। मौके पर पहुंचे। थाना प्रभारी अमित कुमार मिश्रा ने स्वयं नाव पर सवार होकर शव की खोजबीन करने लगे थोड़े ही देर में युवक का शव दिखाई तो पानी में से बाहर निकाला गया और तुरन्त इलाज के लिए लेकर अहरौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

थाना प्रभारी ने बताया की मृतक का नाम बृजेश मौर्य उर्फ बिन्नी उम्र बीस वर्ष पुत्र बैजनाथ मौर्य निवासी महुली थाना अहरौरा का रहने वाला है। मृतक के पिता अहरौरा बाजार में खराद का काम करते हैं उनके तीन लड़कों में यह बीच का था। महुली गांव में परचून की दुकान है घटना की जानकारी परिजनों को मिलते ही घर में कोहराम मच गया। और देखते ही देखते घटाना स्थल पर भारी भीड़ जुटने लगी और खबर लिखें जानें तक स्थिति सामान्य बनी रहीं।

छत्तिसगढ़ः पटेवा में विज्ञान प्रदर्शनी पुस्तक मेला समारोह

दकातर कुमार सेन

छत्तिसगढ़ः राष्ट्रीय अविष्कार अभियान योजना अंतर्गत विज्ञान और पुस्तक मेला के जिला स्तरीय प्रतियोगिला में सेजेस पटेवा के प्रतिभागी छात्र-छात्राओ ने प्राप्त किया प्रथम स्थान मेला हुआ आयोजित किया गया है।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान योजना जो शासन के द्वारा विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने प्रारंभ किया गया है जिसके अंतर्गत राज्य स्तर पर अंतिम प्रतियोगिता होती है सर्वप्रथम प्रतियोगिता जिला स्तरीय,फिर संभाग स्तरीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता होती है। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान योजनांतर्गत जिला स्तरीय प्रतियोगिता मे सेजेस पटेवा से पुस्तक निर्माण कला में कुमारी माही सेन के द्वारा संकलित पुस्तक तथा कुमारी माही सेन की प्रस्तुतीकरण को विशेष रूप से सराहा गया । उल्लेखनीय है कि कुमारी माही सेन

ने प्राचार्य श्री एस सी प्रधान के दिशा निर्देश पर एवं श्रीमती पदमिनी नसीने मेडम श्रवण कुमार पटेल, श्रीमती नेहा आजमानी श्रीमती कुसुम लता साहू जैसे व्याख्याताओं के कुशल निर्देशन में अपने विद्यालय के विभिन्न छात्र-छात्राओं से संस्मरणआलेख लघु कथा सूत्र आदि लेकर संकलित किया और उसे एक पुस्तक का स्वरूप दिया है।

समस्त आलेख आदि सामग्री सभी छात्र-छात्राओं की स्वलिखित और स्वरचित है। सामाग्री उपलब्ध कराने में उअउ संकुल समन्वयक श्री राजू देवांगन पटेवा तथा अन्य शिक्षक शिक्षिकाओं का भरपूर प्रोत्साहन रहा। विज्ञान मॉडल की नवीनता जिसका विषय वस्तु कृत्रिम वर्षा किस तरह से होता है। अर्थात कृत्रिम वर्षा किस तरह से होता है इसे स्पष्ट करना था।

जिसके मॉडल बनाने वाले दोनों छात्राएं कुमारी दीक्षा चंद्राकर कक्षा ग्यारहवीं एवं कुमारी तमन्ना चंद्राकर कक्षा ग्यारहवीं पूर्णता सफल रही एवं निर्णायकों ने उन्हे प्रथम स्थान प्रदान किया। सेजस पटेवा के बच्चों के इस उपलब्धि पर गांव के प्रमुख नागरिक, पालको , जनप्रतिनिधियों ने प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को बधाई दी।

विद्यालय के निरंतर विकास की कामना की मार्गदर्शक शिक्षक कुमारी दीक्षा सिन्हा एवं सुरक्षा प्रभारी अर्चना तिवारी रही। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मीता मुखर्जी , सहायक जिला शिक्षा अधिकारी सतीश नायक तथा डीएमसी श्री कमल नारायण चंद्राकर ने प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को बधाई दी एवं प्रथम आए छात्र-छात्राओं को प्रथम आये छात्र-छात्राओ को प्रमाण पत्र तथा मोमेटो प्रतीक चिन्ह प्रदान किया है।

उत्तर प्रदेशः कुशीनगर में फांसी के फंदे से लटका मिला युवती का शव

विवेकानंद

उत्तर प्रदेशः कुशीनगर जिले के हाटा तहसील में शुक्रवार की शाम को हाटा कोतवाली के गांव पिडरा भेड़िहारी टोला में युवती का शव उसके कमरे में फंदे से लटकता मिला। युवती की मां ने सबसे पहले शव देखकर शोर मचाया तो गांव वालों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस आत्महत्या मानकर घटन की जांच कर रही है।

पुलिस युवती के कमरे से सुसाइड नोट भी बरामद किया है। लेकिन, सुसाइड नोट में क्या लिखा है। बताने से परहेज कर रही है। गांव वालों में दबी जुबान से प्रेम प्रसंग में आत्महत्या की चर्चा है।हाटा कोतवाली क्षेत्र कर पिडरा भेड़िहारी के निवासी नारद मुनि मौर्या की 20 वर्षीय पुत्री रोशनी मौर्या शुक्रवार को घर में अकेली थी। पिता अपनी बड़ी बेटी की विदाई कराने उसकी ससुराल फाजिलनगर गए थे। उसकी मां गिरजा देवी घर के बगल में मंदिर पर बैठ कर पति और बेटी का इंतजार कर रही थीं। तीन बजे नारद मुनि अपनी बेटी को लेकर घर पहुंचे। उनकी पत्नी सबसे पहले घर में दाखिल हुईं।

देखा कि उनकी छोटी बेटी रोशनी का शव छत के कुंडे में फंदा से झूल रहा है। शोर मचाते हुए बाहर निकलीं।मौके पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम को बुलाया और साक्ष्य इकट्ठा किया। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्रित करने के बाद शव को कुंडी से उतरवाया। कमरे में मिले सुसाइड नोट को पुलिस ने कब्जे में ले लिया। आत्महत्या की वजह तलाशने में पुलिस जुटी है।

महाराष्ट्रः बल्लारपुर में प्रेमिका की हत्या कर फरार हुआ प्रेमी

समीर राजेन्द्र वानखेड़े

महाराष्ट्रः वेलेंटाइन दिवस के एक दिन बाद ही प्रेम के नाम पर धब्बा लगाने वाली घटना चंद्रपुर जिले के बल्लारपुर तहसील में कल 16 फरवरी को घटित हुई है। प्रेम प्रकरण में किसी मामूली विवाद के चलते 25 वर्षीय प्रेमी ने अपने ही प्रेमिका के सिर पर किसी भरी वस्तु से वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। मृतक युवती का नाम रक्षा कुमरे उम्र 20 वर्ष है वह बल्लारपुर के जाकिर हुसैन वार्ड की निवासी है।

प्राप्त जानकारी अनुसार बल्लारपुर के जाकिर हुसैन वार्ड निवासी रक्षा कुमरे 20 व त्रिशरण बुद्ध विहार समीपस्थ महाराणा प्रताप वार्ड निवासी आकाश दाहगावकर 25 के बीच कुछ महीनो से प्रेम प्रकरण चल रहा था। आकाश यहां अपने माता तथा भाई के साथ रहता था। मृतक लड़की का आरोपी के घर आना जाना लगा रहता था। परिसर के नागरिकों के अनुसार मृतक लड़की व आरोपी के बीच किसी बात को लेकर विवाद होते रहते थे । शुक्रवार की सुबह आरोपी आकाश की मां व भाई किसी काम से बाहर गए थे। सुबह 10बजे आकाश ने रक्षा को घर बुलाया था इस दौरान किसी बात को लेकर दोनों में विवाद हुआ तथा आकाश ने रक्षा के सिर पर किसी भरी वस्तु से वार किया जिससे रक्षा की मौत हो गई। शाम 4बजे आकाश की मां घर आने पर खून से लथपथ रक्षा की लाश को देखा घर पर आकाश मौजूद नहीं था।

मध्य प्रदेशः कानड़ नगर में हुआ 7 दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन

गोवर्धन कुम्भकर

मध्य प्रदेशः कानड़ नगर में चल रही सप्त दिवसीय श्रीराम कथा के छठवें दिन हरियाणा करनाल की अंजली आर्य ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि धन तो सभी के पास होता है, लेकिन सबसे बड़ा धनवान वही होता है, जो चरित्रवान होता है, क्योंकि चरित्र ही सबसे बड़ा धन है। आगे आपने श्रीराम भगवान के जीवन पर प्रकाश डालते हुए पंचवटी का प्रसंग सुनाते हुए प्रकाश डाला। कहा की हमारे धर्म शास्त्रों में उल्लेख है कि हमारे महापुरुष कैसे चरित्रवान थे। इसीलिए इतिहास के स्वर्णिम पन्नों से इतिहास भरा पड़ा है। इसलिए हमारी भारत भूमि महान कहलाती है।

आगे महिलाओं को सुनाते हुए से कहा कि एकादशी और करवा

चौथ का व्रत कर लेने से सच्चा व्रत नहीं होता। सच्चा व्रत तभी होगा। जब आप अपनी सास और ससुर की सच्ची सेवा करेंगी तभी सच्चे व्रत माने जायेगे। क्या सीता माता ने करवा चौथ, एकादशी का व्रत किया था? नहीं इसीलिए आज वह पूजनीय है।

बुद्धिमान की बुद्धि भी हो जाती है भ्रष्ट श्रीराम कथा में अंजली आर्य ने कहा कि, रावण अति ज्ञानी था। रावण चारों वेदों का ज्ञाता भी था। उसके बाद भी उसकी बहन सुर्पणका ने बुद्धि भ्रष्ट कर अति ज्ञानी रावण से सीता माता का हरण करवा दिया। और वहीं से लंका के विनाश का कारण बना। उस समय एक सीता का हरण हुआ था। लेकिन अब न जाने कितनी सिताओं का हरण हो रहा है। आर्य ने कहा की थोड़ा सा लालच जीवन को बर्बाद कर देता है।

इसलिए जीवन में कभी भी कोई लालच नहीं करना चाहिए। जितना प्रभु ने दिया है उसमें ही सब्र करना चाहिए। कथा में राजगढ़, इंदौर, उज्जैन, बड़ोद और आसपास ग्रामीण क्षेत्र से बड़ी संख्या में धर्म लाभ लेने के लिए लोग पहुंच रहे हे। कथा में आरती के बाद प्रसादी वितरण भी की गई।

आज होगा समापन श्री राम कथा जो सप्त दिनों से चल रही थी उसको आज रविवार को शाम 4 महाप्रसादी वितरण के साथ समापन होगा। कथा स्थल पर सुबह 9 बजे हवन यज्ञ देवी होंगे। यज्ञ आचार्य काशीराम आर्य के द्वारा यज्ञ संपन्न करवाया जाएगा।

एक नजर

उत्तर प्रदेशः सहारनपुर में पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर शहर में चक्का जाम

फैसल/ उत्तर प्रदेशः पुलिस भर्ती परीक्षा होने से नगर में बिगड़ी यातायात व्यवस्था पहली पाली की परीक्षा खत्म होने पर चारो ओर जाम लगा। झाम कल्पना सिनेमा तिराहे से लेकर मंडी समिति रोड चिलकाना रोड कोर्ट रोड घंटाघर पर लगा हुआ है। जाम लंबे जाम के चलते बाईक से निकलना भी व पैदल चलने वालो को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिसका सबसे बड़ा कारण है कि, नो एंट्री जोन में छोटे-छोटे चार पहिया वाहन हर समय शहर की सड़को पर दौड़ते हैं, जबकि शहर के सभी सीमाओं पर ट्रैफिक पुलिस बल हर समय तैनात रहती है। यातायात व्यवस्था पुलिस द्वारा सुबह सात बजे से ही दुरूस्त कराते हुए नजर आए थे।

हरियाणाः सुरहेती पिलानिया धाम में भव्य शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह

सतीश हरियाणा

हरियाणाः सतनाली 18फरवरी गांव सुरेहती पिलानिया जोहड़ वाला धाम पुनः निर्माणस्व सेठ हरद्रवारी मल माधो गढ़डिया की यादगार उनके सुपुत्र मुंसी,राम राधेशाम निहालचंद पोते पवनकुमार, विजय कुमार,गोपाल द्वारा समारोह आयोजित दिनाक 22 फरवरी 2024 को सुबह 8 बजे कलश यात्रा व 11 बजे मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा ओर भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर महंत सुमेर ,मोनूपुजारी ,राजकुमार धर्मेंदे,कृष्णअग्रवाल , बलजीत भगत, जले, मनफूल ,जयसिंह के दुवारा किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेशः ललितपुर में चोरी के आरोप में पुलिस ने किया महिला को गिरफ्तार

अशोक कुमार स्वरंकर

उतर प्रदेशः ललितपुर थाना कोतवाली पुलिस द्वारा 96 धारा 379 की वांछित अभियुक्ता अनुष्की उर्फ मुस्कान पत्नी, राकेश उर्फ, नरेन्द्र राव पुत्री वीरेन्द्र उर्फ भूरे सिंह जाति मराठी उम्र 30 वर्ष निवासी बोदला झौपडपट्टी थाना के जगदीशपुरा जिला आगरा को देवगढ रोड ओवर शंकर मंदिर के पास से गिरफ्तार किया गया है।

अभियुक्ता उपरोक्त के कव्जे से घटना में चोरी के पीली धातु के आभूषण व नगद, 30000 हजार रुपये बरामद हुआ है। बरामद माल के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। धारा 411, 413, 414 लगाई महिला आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

उत्तर प्रदेशः बरेली में अश्लीलता केंद्र पर बनाए गए पार्क, जाने क्या है मामला

रजनीश श्रीवास्तव

उत्तर प्रदेशः बरेली बेहद खूबसूरत शहर है। और यहां पर बहुत सारे पार्क मौजूद हैं जो अपनी खूबसूरती के लिए जाने जाते हैं नगर निगम की अनदेखी के कारण यह पार्क अश्लीलता के केंद्र बनते जा रहे हैं। आए दिन लड़के लड़की अश्लील हरकत करते नजर आएंगे बरेली के बीच में स्थित और खूबसूरत गांधी उद्यान जो अपने खूबसूरती के लिए भी जाना जाता है। नगर निगम की और अनदेखी के कारण पूरी तरह से अश्लीलता का केंद्र बन गया हैआए दिन सुबह से शाम तक अश्लील हरकत करते हुए आपको कपल्स देखने को मिलेंगे यहां पर मौजूद सिक्योरिटी गार्ड भी अनदेखी करते हैं। जिससे जिससे पार्क में आने वाले फैमिली मेंबरों की संख्या दिन पर दिन घटती जा रही है ऐसे माहौल में उनके बच्चों पर भी गलत असर पड़ता है इसलिए शायद गांधी उद्यान में फैमिली मेंबर से ज्यादा कपल्स आने लगे हैं। जो खुलेआम अश्लील हरकत करते देखे जा सकते हैं माननीय उमेश गौतम जी से का अनुरोध है कि पार्क में अश्लील हरकत करने वालों पर निगरानी की जाए और जरूरत पड़ने पर कानूनी कार्रवाई भी की जाए पार्क में होने वाली ऐसी हरकतों को रोका जा सके।

मीर्जापुर पुलिस ने 15 हजार ईनामिया गैंगस्टर एक्ट आरोपी को किया गिरफ्तार

कब्जे से अवैध 5 पिस्टल, 10 तमंचा मय कारतूस किए बरामद

अनुप कुमार

उतर प्रदेश: दिनांक17.फरवरी 2024 थाना अहरौरा पुलिस द्वारा ? 15 हजार का ईनामिया गैंगस्टर एक्ट का आरोपी सहित कुल 03 गिरफ्तार, कब्जे से अवैध 05 अदद पिस्टल, 10 अदद तमंचा मय कारतूस बरामद पुलिस अधीक्षक मीरजापुर 'अभिनन्दन' द्वारा आगामीय सामान्य लोकसभा निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की धरपकड़ तथा वांछित/पुरस्कार घोषित ईनामियां गो-तस्करी के अभियुक्तों की गिरफ्तारी करते हुए। उनके विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक थानाध्यक्षगण को निर्देश दिया गया है ।

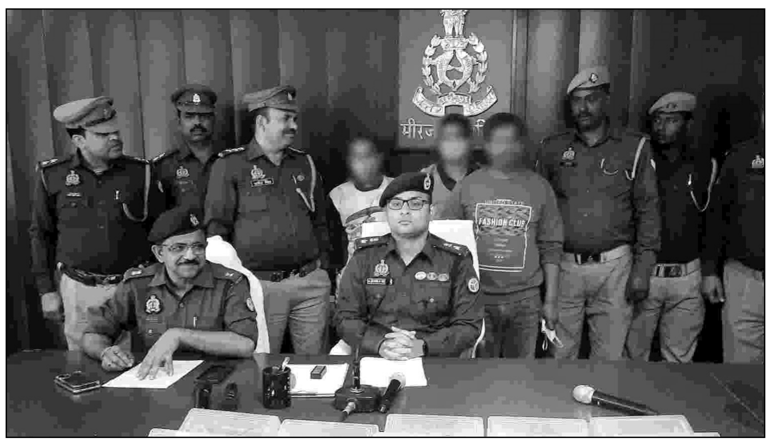

उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना अहरौरा पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है । आज दिनांक 17फरवरी 2024 को अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन व क्षेत्राधिकारी आपरेशन नेतृत्व में थाना अहरौरा पुलिस टीम द्वारा थाना अहरौरा पर पंजीकृत धारा गैंगस्टर एक्ट का वांछित व ? 15 हजार के ईनामियां अभियुक्त राजा बाबू पुत्र भोला बिन्द निवासी सूरहा थाना अदलहाट जनपद मीरजापुर तथा अन्य 02 अभियुक्त पप्पू कोल पुत्र कन्हई कोल उर्फ कन्हैयालाल निवासी हरदी गुलाल पुर थाना लालगंज जनपद मीरजापुर व लक्कड़ उर्फ दिनेश मोदनवाल पुत्र दुक्खी प्रसाद निवासी रेलवे स्टेशन पीली कोठी थाना को0कटरा जनपद मीरजापुर को थाना अहरौरा क्षेत्रांतर्गत बरबकपुर मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 05 अदद अवैध पिस्टल .32 बोर, 10 अदद अवैध देशी तमंचा 315 बोर व 03 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया है। गिरफ्तारी बरामदगी के सम्बन्ध में थाना अहरौरा पर 36/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय जेल भेजा जा रहा है ।

.राजाबाबू पुत्र भोला बिन्द निवासी सूरहा थाना अदलहाट जनपद मीरजापुर, उम्र करीब 28 वर्ष 15000/- का इनामिय पप्पू कोल पुत्र कन्हई उर्फ कन्हैयालाल निवासी हरदी गुलालपुर थाना लालगंज जनपद मीरजापुर, उम्र करीब 34 वर्ष .लक्कङ उर्फ दिनेश मोदनवाल पुत्र दुक्खी प्रसाद निवासी रेलवे स्टेशन रोड़ पीली कोठी थाना को0कटरा जनपद मीरजापुर, उम्र करीब 30 वर्ष विवरण पूछताछ गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ में ज्ञात हुआ कि इनका एक संगठित गैंग है जो सीमावर्ती प्रान्त बिहार, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ से अवैध असलहा लाकर मीरजापुर व आसपास के जनपदों में बेच देते है । जिससे प्राप्त धनराशि को आपस में बांट लेते हैं।

उत्तर प्रदेश: बरेली में सोशल समाज पार्टी ने हेमलता को नियुक्त किया मंडल अध्यक्ष

रजनीश श्रीवास्तव

उतर प्रदेश: समाज सेवा के लिए जानी मानी एडवोकेट रेनू सिंह राणा राष्ट्रीय अध्यक्ष सोशल समाज पार्टी ने अपना विस्तार शुरू कर दिया और उन्होंने बरेली में महिला मोर्चा का मंडल अध्यक्ष हेमलता को नियुक्त किया।

हर जिला व तहसील स्तर पर वह अपने अध्यक्ष व उपाध्यक्ष चुन रही है। जल्द ही एक उभरती राजनीतिक पार्टी के रूप में नजर आएगी। रेनू सिंह राणा पहले से ही समाज सेवा करती आई है सोशल समाज पार्टी ने 2021 में अपना कम राजनीति में रखा अब यह पार्टी काफी विस्तृत हो चुकी है लगभग 52 जिलों में अपने मंडल अध्यक्ष व अध्यक्ष नियुक्त कर चुकी है। जिसमें अधिकतर भागीदारी महिलाओं की है रेनू सिंह राणा का मुख्य उद्देश्य समाज का राजनीतिकरण करना है जिसमें अधिक से अधिक भागीदारी महिलाओं की भी हो रिपोर्ट रजनीश श्रीवास्तव बरेली एनसीआर समाचार समाज सेवा के

लिए जानी मानी एडवोकेट रेनू सिंह राणा राष्ट्रीय अध्यक्ष सोशल समाज पार्टी ने अपना विस्तार शुरू कर दिया।

उन्होंने बरेली में महिला मोर्चा का मंडल अध्यक्ष हेमलता को नियुक्त किया सोशल समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेनू सिंह राणा ने अपनी पार्टी को विस्तार स्वरूप देना शुरू कर दिया हर जिला व तहसील स्तर पर वह अपने अध्यक्ष व उपाध्यक्ष चुन रही है। जल्द ही एक उभरती राजनीतिक पार्टी के रूप में नजर आएगी रेनू सिंह राणा पहले से ही समाज सेवा करती आई है। अब यह पार्टी काफी विस्तृत हो चुकी है लगभग 52 जिलों में अपने मंडल अध्यक्ष व अध्यक्ष नियुक्त कर चुकी है। जिसमें अधिकतर भागीदारी महिलाओं की है रेनू सिंह राणा का मुख्य उद्देश्य समाज का करना है।

राजस्थान: डूंगला में पाटोत्सव के उत्सव पर निकाली गई भव्य कलश यात्रा

उदय लाल पुष्करणा (जोशी)

राजस्थानः डूंगला तहसील में एक गांव है जो कि धर्म नगरी के नाम से विख्यात है और वो गांव है बडवाई जहा पर हर वर्ष भागवत रामकथा जेसे अनेकोंआयोजन होते रहते है और यहां के लोग दान पुण्य में हमेशा आगे रहते है।

इसलिए धर्म नगरी कहते है यहां शक्तिपीठ मां चक्र भवानी व बालाजी का भव्य मंदिर हे ,जिसके स्वर्ण कलश दसवां पाटोत्सव के उपलक्ष्य मे भव्य कलश यात्रा निकाली गई जिसमे व्यास पीठ से कथावाचक श्री साध्वी पूजा दीदी के मुखारविंद से संगीतमय श्री मद भागवत कथा 17 फरवरी से 23 फरवरी तक साय 7 बजे से 11 तक कथा चलेगी शक्ती पीठ मां चक्र भवानी के प्रति भक्तो की अटूट आस्था है आज कलश यात्रा में दूर दूर से भक्त पधारे और आनंद लिया साथ में पुण्य लाभ भी प्राप्त किया यह हर वर्ष नवरात्रि मे मेला का आयोजन होता है जहा दूर दराज से व्यापारी भी आते है।

ओडिशा: प्रखंड क्षेत्र मुनिंदा ग्रामपंचायत कार्यालय के पास भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

लक्ष्मीनारायण पथी

ओडिशा: लांब प्रखंड क्षेत्र मुनिंदा ग्रामपंचायत कार्यालय के पास डेलांग कणास रास्ता की जर्जर स्थिति को लेकर भाजपा नेता राधामोहन के आगवानी में 16 फरवरी को प्रदर्शन हुआ। साथ ही भाजपाईयों ने रास्तारोको आंदोलन किए इस आंदोलन में राधामोहन के सहित मुनिंदा ग्रामपंचायत सरपंच शेषदेब वारिक,पंचायत समिति सदस्या स्वर्णलता नायक लांब कोठवाड ग्रामपंचायत की पंचायत समिति सदस्या रमादेवी राउतराय, निवर्तमान सरपंच दुर्गाचरण राउतराय, कल्याणपुर ग्रामपंचायत सरपंच गोवर्धन सेठी,त्रिलोचनपुर ग्रामपंचायत सरपंच विजयिनी पात्र और मुनिंदा ग्रामपंचायत की वार्ड सदस्य कीर्तिपूर्ण विश्वाल तथा भाजपा सदस्यों ने मौजूद रहे।

गौरतलब है कि लांब प्रखंड की कल्याणपुर, मुनिंदा और डेलांग कोठवाड तथा कणास प्रखंड की

त्रिलोचनपुर ग्रामपंचायत जनता के मुख्य समस्या जर्जर डेलांग-कणास सडक है । जव तक सडक की स्थिति सही नहीं होगी किसी के चेहरे पर खुसी की अनुभूति नहीं होगी । इस जर्जर सडक को लेकर कई बार आवाज उठाई गई और समाचार पत्रों मे भी प्रकाशित कराया गया है। सडक की स्थिति को विस्तारपूर्वक वताया गया फिर भी इससे जुडे अधिकारीगण जिलाधिकारी और विधायक का ध्यान इस जर्जर सडक पर आकृष्ट नहीं होता है। किसीने भी इसके प्रतिकार हेतु तत्पर नहीं हुए। बहुत सारी घटनाएं तो इस सडक की वजह से हो रही है। दिनरात दोपहिए और चार पहिए आदि के चलते धुप में सडक खुदी होने के कारण धूल का गुबार उठता है। लोग इससे दमा जैसे गंभीर बीमारीयों का शिकार होते हैं।

इस सडक निर्माण कार्य जिस ठेकेदार को मिला है लोगों का कहना है कि वह जानबूझकर काम की शुरूआत में विलम्ब करता है। ताकि ज्यादा मुनाफा कमाने का अवसर मिल सके। भाजपाईयों के आज की इस आंदोलन से एक सप्ताह पहले 9 फरवरी को प्रदर्शनकारीयों ने पुरी जिलापाल को अवगत कराये थे। परंतु जिलापाल कार्यालय की ओर से कुछ न होने की वजह आंदोलन को अपनाना पडा भाजपा नेता राधामोहन ने यह कहा कि पुलिस प्रशासन के कहने पर भी प्रदर्शनकारी सडक से नहीं हटे इस दौरान सडक और भवन निर्माण इंजीनियर प्रदर्शन के जगह पहुंचे है। सड़क निर्माण कार्य तुरंत करने का आश्वासन उन्होने ही दिया है। साथ ही सडक निर्माण में आवश्यक साधन व उपकरण लगवाने के लिए ठेकेदार को निर्देश दिए।

एक नजर

मध्य प्रदेश: सागर में मां नर्मदा जयंती पर हुई 151 मीटर की चुनरी यात्रा एवं महाआरती

मनोज दुबे/मध्य प्रदेश: सागर में मां नर्मदा जयंती पर 151 मीटर की चुनरी यात्रा दोपहर 3 बजे महाकाली मंदिर चौराहा चमेली चौक से प्रारंभ हुई जो बड़ा बाजार, कोतवाली, तीन बत्ती से वापस चमेली चौक श्री देव डूठाबली हनुमान मंदिर प्रांगण मां नर्मदा धाम में सभी भक्तों द्वारा पूजन अर्चना कर चुनरी अर्पित की गई।

महाआरती कर महाभोग एवं नर्मदा जल की बाटले कार्यक्रम के संयोजक संतोष सोनी मारुति द्वारा वितरित की गई। चुनरी यात्रा में सैकड़ो महिलाएं पुरुष भक्तगण मां नर्मदा जी का जयकारा करते हुए जा रहे थे। चुनरी यात्रा में प्रदीप पप्पू गुप्ता, सिंटू कटारे, मिंटे महाराज, अजय पंडा, यबेंद्र बबलू सोनी, सीताराम तिवारी, नीरज सोनी, श्याम सुंदर सोनी, रामकुमार तिवारी, राम शर्मा, अभिषेक सोनी, अनिल सैनी, धर्मेंद्र गोस्वामी, सिद्धार्थ बडोनिया सहित सैकड़ो भक्तगण शामिल थे।

कानपुर: कानपुर में सिपाही भर्ती परीक्षा गड़बड़ी के आरोप में पुलिस ने किया गिरफ्तार

फैज अहमद/कानपुर: एसटीएफ फील्ड यूनिट टीम कानपुर द्वारा सिपाही भर्ती की होने वाली परीक्षा में पेपर लीक करवाने और पेपर साल्वर के माध्यम से परीक्षा में पास करवाने वाले दोषी निवासी जूही को किया पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी की आयु 24 वर्ष अभियुक्तों के कब्जे से 42 एडमिट कार्ड बरामद किये गये हैं।

अभियुक्तों पर थाना हनुमन्त विहार में धारा 419420 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया है।

राजस्थान: कपासन में शनि देव दर्शन के लिए उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

उदय लाल पुष्करणा (जोशी)

राजस्थानः कपासन मेवाड़ के न्याय देव के नाम से विख्यात शनि महाराज आली में शनिवार को तिथि अष्टमी मिलने पर भक्तों का मेला लग गया राशियों पर ग्रह नक्षत्र का काफी प्रभाव पड़ता है।

शनि देव की कृपा पाने के लिए भक्त काला तिल काला कपड़ा तेल फूल माला आदि चढ़ाकर पूजा अर्चना करते हैं। मान्यता है कि शनि देव की कु दृष्टि से बचने हेतु लोग न्यायदेव की पूजा अर्चना करते हैं। जिससे कि शांत होते हैं भक्त दाल बाटी चूरमा का भोग लगाते हैं । ओसरा पुजारी निर्मल गिरी गोस्वामी ने शनिदेव प्रतिमा का विशेष श्रृंगार किया श्रद्धालुओं ने कतार में लगकर माला प्रसाद चढ़ाया मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष छगन गुर्जर ने बताया की श्रद्धालुओं के आने जाने का सिलसिला दिन पर चला रहा मुख्य मंदिर नवग्रह मंदिर तेल कुंड पर भी भक्तों का तांता रहा। व्यवस्था बनाए रखना के लिए ट्रस्ट के कर्मचारी दिन भर तैनात रहे शनि देव के दर्शन हेतु मेवाड़ मारवाड़ वागड़ मालवा गुजरात महाराष्ट्र आदि से श्रद्धालु दर्शन को आते है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दश वर्ष के कुशल नेतृत्व में बालक छात्रावास में हुआ संबोधन

गोवर्धन सिंह/राजस्थान: देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दश वर्ष पूर्ण होने पर आज भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जिला झालावाड़ राजस्थान के आदेशानुसार छात्रों से मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने दलितों और पिछड़ों के लिए कई योजनाएं बनाई गई और भारत को विकसित किया संवाद कार्यक्रम में पुर्व सरपंच हरिमोहन वर्मा व छात्रावास वार्डन बालाराम चौकीदार की उपस्थिति में छात्रों को संबोधित किया।

मध्य प्रदेश: 19 फरवरी को भाजपा में शामिल हो सकते हैं पूर्व सीएम कमलनाथ सिंह

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को लेकर तरह-तरह की बातें इस वक्त हवा की तरफ फैल रही है। बता दें कि, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ इस वक्त अपने पार्टी बदलने की बात को लेकर सुर्खियों में है। सूत्रों से मिले जानकारी के मुताबिक विधायक ने यह दावा किया है कि, कमलनाथ और उनके बेटे नकुलनाथ 19 फरवरी को भाजपा में शामिल हो सकते हैं। हालांकि अभी तक इस पर भाजपा की तरफ से किसी तरह की कोई बयान बाजी नहीं हुई है, ना ही किसी तरह ही कोई प्रतिक्रिया सामने आई है, लेकिन सूत्रों से दावा किया जा रहा है कि कमलनाथ और नकुलनाथ 10 से 12 विधायक और एक मेयर भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में

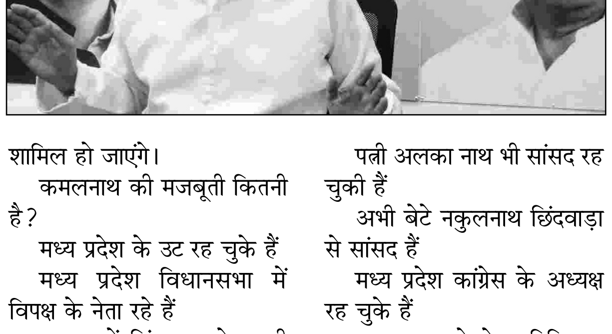

शामिल हो जाएंगे।

कमलनाथ की मजबूती कितनी है?

मध्य प्रदेश के उट रह चुके हैं

मध्य प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता रहे हैं

1980 में छिंदवाड़ा से पहली बार वह सांसद बने थे

9 बार छिंदवाड़ा से सांसद चुने गए हैं

पत्नी अलका नाथ भी सांसद रह चुकी हैं

अभी बेटे नकुलनाथ छिंदवाड़ा से सांसद हैं

मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं

कमलनाथ को लेकर दिग्विजय सिंह की टिप्पणी

कमलनाथ को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह का कहना है कि, बीजेपी में शामिल होने की उनकी उम्मीद नहीं लगाई जा सकती है। उन्होंने गांधी नेहरू परिवार का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि, कमलनाथ हमेशा साथ खड़े रहे हैं ऐसा व्यक्ति बीजेपी के साथ नहीं जा सकता है।

कमलनाथ की नाराजगी का कारण

कमलनाथ के बारे में बताया जा रहा है कि, राज्यसभा जाना चाहते थे, लेकिन कांग्रेस ने टिकट नहीं दिया कांग्रेस ने अशोक सिंह को राज्यसभा का उम्मीदवार बना दिया कमलनाथ की इसी बात से नाराजगी है और यही वजह है कि, वह अशोक सिंह के नामांकन में शामिल भी नहीं हुए थे। हालांकि जब पार्टी ने अशोक सिंह को उम्मीदवार बनाया था तो कमलनाथ सिंह ने अशोक सिंह को शुभकामनाएं दी थी।

भारत में नहीं दिखा भारत बंद का कोई असर, दुकानें और संस्थान रहे खुले

नई दिल्ली: किसानों ने 16 फरवरी 2024 को भारत बंद करने का ऐलान कर रखा है। लेकिन पुरे देश में इसका कोई असर नहीं दिखाई पड़ा रहा है। दिल्ली एनसीआर में दुकाने और व्यापारिक संस्थान पूरी तरह से खुले है। देश के उतर प्रदेश , मध्यप्रदेश, में कहि कुछ बंद नहीं आम आदमी का किसानों के इस आंदोलन के प्रति कोई सहानभूति न होना न होना भी भारत बंद को असफल बनाने में अहम रहा है।

पंजाब में असर

किसान आंदोलन प्रभाव का भारत बंद असर देखा गया है। कई बाजारों में दुकानें बंद रही, साथ ही व्यावसायिक, सरकारी संस्थान भी बंद रहे। इसलिए इनके प्रभाव क्षेत्रों में असर देखने को मिला। भारत बंद भले ही असफल हो गया हो लेकिन किसान आंदोलन के कारण लोगो को भारी जाम से जूझना पड़ा रहा है। जिससे लोगो भारी परेशानी हुई नोएडा से दिल्ली जाने वाले कालिंदीकुंज, बॉडर , बदरपुर में भारी जाम देखा गया है।

संदेशखाली में हिंदू महिलाओं के यौन शोषण का मामला पहुंचा SC

नई दिल्ली: पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में हिंदू महिलाओं के यौन उत्पीड़न उनके जमीन कब्जे का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। महिला का आरोप है टीएमसी के नेता शाजहां शेख और उसके गुंडे महिलाओं से रेप करते थे। इसके आलावा कई परिवारों की जमीन पर कब्जा कर लिया है। इसके कारण अघिकतम लोग अपने घरों से पिछड़ गए है।

पीड़ित महिला ने बताया कि वे महिलाओं को टारगेट करते थे। महिलाओं को पार्टी दफ़्तर ले जाते थे। यदि कोई महिला जाने से इनकार करती थी तो उनके घरो से महिलाओं के मर्दो को उठा लिया जाता था।

उत्तर प्रदेश: लखीमपुर में प्रथम वार्षिक उत्सव का मैराथन दौड़ से हुआ शुभारंभ

सोनपाल गौतम

उत्तर प्रदेश: जिला लखीमपुर में भीरा खीरी के प्रथम वार्षिक उत्सव का शुभारंभ मैराथन दौड़ से हुआ। ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सरदार माननीय बहादुर सिंह ने पहले वन बीट मेडिकल ग्रुप का ध्वज फहराया उसके बाद हरी झंडी दिखाकर मैराथन की शुरूआत की। जिसमें वन बीट ग्रुप के अध्यापक व मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। मैराथन प्रतियोगिता के समर्थन में कोतवाली पुलिस भीरा व एनसीसी के छात्र भी मौजूद रहे।

मैराथन वन बीट कॉलेज कैंपस से होते हुए। भीरा में मार्केट से नहर

से लखीमपुर मोड़ होते हुए वापस वन बीट कॉलेज कैंपस में 5 किलोमीटर 10 मीटर के बाद समाप्त हुई। महिला और पुरुषों को दो वर्गों में विभाजित किया गया और सभी वर्गों को पुन आयु के अनुसार 15 से 20, 21 से 40 व 41 से 60 आयु वर्गों में विभाजित किया है। जिसमें महिला वर्ग में तीनों आयु वर्ग में विजेता क्रमश15-20 आयु वर्ग में मोहिनी बीएससी नर्सिंग से रोशनी डी फार्मा से, ज्योति एएनएम नर्सिंग से 21-40 आयु वर्ग में साहिबा बीएससी नर्सिंग रकीबा बीएससी नर्सिंगव रीता यादव एएनएम नर्सिंग ने विजय हासिल की तथा पुरुष वर्ग में तीनों आयु वर्ग में विजेता क्रमश15 से 20 आयु वर्ग में पिंकू पैरामेडिकल से करन महंगापुर तथा नीरज महंगापुर विजेता रहे।21 से 40 आयु वर्ग में श्यामू वन बीट सुनील वन बीट हॉस्पिटल व गोविंद वन बीट हॉस्पिटल के कर्मचारियों ने विजय प्राप्त की। कर्मचारियों ने 21 से 40 आयु वर्ग में कर्मवीर कौर गिल, कुलजीत कौर तथा जगदीश कौर और 41 से 60 आयुवर्ग में विमला डॉक्टर अंजली खैरनार व डॉक्टर आशीष मिश्रा विजेता बने।

राजस्थान: राज्य सरकार की सौ दिवसीय कार्य योजना के तहत अहिंसा एवं कौमी एकता सम्मेलन का हुआ आयोजन

मनोज कुमार

राजस्थान: राज्य सरकार की सौ दिवसीय कार्ययोजना के तहत गुरुवार को जिला मुख्यालय पर टाऊन हॉल में जिला स्तरीय अहिंसा एवं कौमी एकता सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें शांति एवं अहिंसा निदेशालय के अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी विजयशरण गुप्ता व निदेशालय प्रतिनिधि रमेश सिंह के मुख्य आतिथ्य में द्वीप प्रज्जवल्लित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई।

कार्यक्रम की शुरूआत में रामप्रकाश बाना ने विविधता में एकता विषय पर अपना संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने भारतीय संविधान के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए मौलिक अधिकार व समानता का अधिकार पर जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने शांति से जुड़े महात्मा गांधी के संदेशों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्व में जहां गृह युद्ध की परिस्थितियां बनती है वहां शांति की जरूरत महसूस की जा सकती है। भारतीय संविधान में यह विशेषता है कि यहां अनेकता में भी एकता है। आज विश्व में आतंकवाद की घटनाएं, युद्ध की गतिविधियां आदि को देखे तो उन सभी में शांति की महती आवश्यकता होती है।

उन्होंने बताया कि कला संकाय में एक शाखा के रूप में शांति अध्याय की स्थापना जरूरी है। बच्चों में शांति की परिस्थितियां कायम करने के लिए सभी वर्गों को आगे आना होगा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी द्वारा शांति व अहिंसा का जो संदेश दिया गया था, वे समय की परिस्थितियों के अनुकूल था। इस दौरान उन्होंने अंग्रेजी शासन के लाठीचार्ज, मारपीट आदि घटनाओं का वर्णन करते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने इन सभी का विरोध शांति से ही किया था।

इसके बाद राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय गिन्नाणी की छात्रा पिंकी सारस्वत ने कौमी एकता तथा अहिंसा पर अपने विचार व्यक्त किए। जिसमें उन्होंने जैन धर्म में अहिंसा का पालन, कौमी एकता का तात्पर्य, कौमी एकता के आयोजन का शुभारंभ आदि के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर छात्रा पूनम परिहार ने भी अपने विचार रखें।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीआर मिर्धा राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य प्रेमसिंह बुगासरा ने कहा कि राष्ट्रीय एकता में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम सब एक है, हम सब भारतवासी है, ऐसा विचार रखेंगे तो राष्ट्र एकता मजबूत होगी।

इस दौरान उन्होंने कहा कि नेहरु युवा केंद्र, एनसीसी, एनएसएस आदि अनेक संगठनों, स्वयं सहायता समूहों व संस्थाओं के माध्यम से अलग-अलग राज्यों के संभागी प्रतिभागी दूसरे राज्यों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर वहां की संस्कृति के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि नेल्सन मंडेला ने कहा कि युवा भविष्य का नेता है, वह जो देश का स्वरुप चाहते हैं, अपने विचार प्रकट करें, ताकि वैसा ही परिवेश बन सके। इस दौरान उन्होंने कहा कि सांप्रदायिकता से राष्ट्रीय एकता कमजोर होती है। इसलिए सभी के साथ सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करें।

कार्यक्रम में मंच संचालन करते हुए मोहम्मद शरीफ छींपा ने कहा कि कौमी एकता का मतलब है अनेकता में एकता है। हमारे आपसी मतभेद और मनभेद नहीं होने चाहिए। कौमी एकता दिवस धर्मनिरपेक्षता, अहिंसा, आपसी सौहार्द, सांप्रदायिकता, सांस्कृतिक एकता, कमजोर वर्गों के विकास और खुशहाली, अल्पसंख्यकों के महिला और संरक्षण के मुद्दों को उजागर करने के लिए आयोजित किया जाता है।

कार्यक्रम के दौरान छात्रा मनीषा कालवा ने अहिंसा व कौमी एकता पर विचार प्रकट करते हुए कविता प्रस्तुत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश विविधताओं से भरा हुआ है, फिर भी देश में एकता है। एकता बनाए रखने के लिए सभी अच्छी मेहनत करें, अहिंसा व एकता के साथ कड़ी मेहनत भी जरुरी है।

इस अवसर पर वाइस प्रिंसिपल नरेंद्र डिडेल ने शांति व अहिंसा पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि इन सब के साथ आज तकनीकी से भी दोस्ती करना जरूरी है। आज की पीढ़ी के लिए तकनीकी बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अहिंसा व कौमी एकता के साथ-साथ तकनीकी पर भी ध्यान देना जरूरी हो गया है।

कार्यक्रम में कलेक्ट्रेट आरटीआई अनुभाग शाखा प्रभारी नंदलाल रोज ने केंद्र व राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं पर जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने योजनाओं की जानकारी देते हुए सभी को इसका अधिक से अधिक लाभ लेने का आह्वान किया।

इस दौरान जिला स्तरीय कार्यक्रम में शांति एवं अहिंसा प्रकोष्ठ अधिकारी मनोहरलाल मांडण, चिकित्सा विभाग के हेमंत उज्जवल, आजीविका समूह की संजू, सृष्टि आदि ने भी अपने विचार रखते हुए अहिंसा एवं कौमी एकता पर विभिन्न प्रकार की कविताएं भी प्रस्तुत की।

उत्तर प्रदेश: मीरजापुर में पुलिस अधीक्षक ने जवानों को लगवाई दौड़

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेश: मीरजापुर पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन सिंह द्वारा शुक्रवार की साप्ताहिक परेड के दौरान पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउण्ड पर परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया। परेड के निरीक्षण के उपरान्त जवानों को शारिरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ्य रहने के लिए दौड़ लगवायी गयी तत्पश्चात परेड में शामिल जवानों में एकरूपता व अनुशासन बनायें रखने के लिए ड्रिल करायी गयी। साप्ताहिक परेड के दौरान पी0आर0वी0 112 व थानों के वाहनों को चेक किया गया तथा उपकरणों के रख रखाव हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

निरीक्षण के उपरान्त अर्दली रूम में विभिन्न रजिस्टरों एवं अभिलेखों को चेक कर अद्यतन रखने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

उत्तर प्रदेश: उन्नाव में रास्ते पर भैंस बांधने को लेकर हुआ विवाद, बुजुर्ग महिला से मारपीट

फैज अहमद

उत्तर प्रदेश: उन्नाव थाना क्षेत्र के अंतर्गत नाली व रास्ते में भैंस बांधने के विवाद को लेकर मारपीट में बुजुर्ग महिला समेत आधा दर्जन लोग घायल हो गये। सूचना पर पहुँची पुलिस ने घायलों को सीएचसी सतरिख में इलाज के लिए भेजा। सतरिख थाना क्षेत्र अंतर्गत करिखा गाँव निवासी रीना पुत्री जय प्रकाश वर्मा द्वारा पुलिस को शिकायती पत्र में बताया गया कि, गया प्रसाद बेटा संजय, पुत्री अर्चना, पत्नी माधुरी, संतराम पुत्री शालिनी, पत्नी सुमन सहित उक्त विपक्षी लोगों द्वारा नाली के विवाद को लेकर बीते गुरुवार को जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया गया था।

शुक्रवार की सुबह 8 बजे विवाद की नीयत से लोगों ने रास्ते में भैंस बाँध दी। जहाँ निकल रहे जैनित पुत्र राजेश को भैंस ने मार दिया, जिसने इसका विरोध किया तो इसी बात को लेकर मारपीट शुरू हो गई। जिसमें बुजुर्ग महिला समेत आधा दर्जन लोग घायल हो गए, जिन्हें सीएचसी सतरिख भेजा गया। इस सम्बन्ध में थानाध्यक्ष अमर चौरसिया ने बताया कि, मारपीट की दोनों तरफ से शिकायत मिली है।

महिला पक्ष की तरफ से उक्त दबंगो के ऊपर कानूनी धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़ित महिला और लड़कियों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। वहीं किसान यूनियन द्वारा थाने पर जाकर पीड़ित परिजनों पर दबाव बनाया गया। मामले को गम्भीर देखते हुए घटना स्थल पर स्थानीय पुलिस बल भेजा गया है। मामले का संज्ञान है। दोषी के ऊपर एक महिला की तरफ से तहरीर मिली है। जिसमें रागिनी शिक्षामित्र भी विद्यालय से दबंग भाइयों की मदद के लिये पहुँची है।

पुलिस को मिली बड़ी सफलता, चोरी की वारदात का खुलासा

उदय लाल पुष्करणा (जोशी)

राजस्थान: भदेसर कपड़ा व्यापारी निवासी संजय कुमार पुत्र राजमल अपने परिवार सहित उदयपुर शादी समारोह मे गए थे। अज्ञात चोरोंने करदी बड़ी लूट चोरों ने तीन महीने पूर्व वारदात करने का प्लान करके 6 फरवरी को घर के पीछे पेड़ो के सहारे चडकर मकान के ऊपर गेट का ताला तोड़कर घटना को अंजाम दिया घर में घुसकर आलमारी में रखे सोने चांदी के जेवर 50 तोला सोना और 2 ˝ चांदी 10 लाख रुपये नकद चुरा कर ले गए।

जिस पर पुलिस थाना भदेसर पर अज्ञात बदमाश के खिलाफ नकबजनी का प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान ए एस ओ गोविंद सिंह के जीमे किया गया घटना को गंभीरता से लेकर जिला साइबर सेल व भदेसर व कोतवाली निंबाहेड़ा के ए एस आई सुरजकुमार को जल्द खुलासा कर आरोपी की तलाश करने के निर्देश दिए गए घटना स्थल के आस पास के सीसीटीवी फुटेज चेक किए गए साइबर टीम ने घटना स्थल का निरक्षन तकनीकी रूप से कर घटना आरोपियों को नामजद किया है।

दोनो शातिर बदमाश की गहन मनोविज्ञान तरीके से पूछताछ की तो उक्त वारदात करना बताया घटना में शामिल दोनो आरोपी नई आबादी कनोज थाना भदेसर जिला चितौड़ निवासी 22 वर्षीय सुरेंद्र सिंह पुत्र इंद्र सिंह राजपूत व 20 वर्षीय दिनेश पुत्र रतन लाल रैगर को गिरफ्तार कर आरोपियों से चोरी किया गया माल 44 तोला सोने के जेवर 2 किलो चांदी के जेवरात 5 लाख रुपए नकद बरामद किए गए वही घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल को भी जब्त किया गया उक्त टीम द्वारा 7 दिन के अंदर भरकस प्रयास कर मकान के अंदर चोरी की बड़ी वारदात का खुलासा किया है। गया घटना का खुलासा करने में ए एसआई गोविंद सिंह थाना भदेसर ए एस आई सूरज कुमार थाना कोतवाली निंबाहेड़ा कानी रामावतार की विशेष भूमिका इस प्रकरण को ट्रेस आउट फोन मे जिला साइबर सेल चितौड़ टीम की विशेष भूमिका रही।

उत्तर प्रदेश: बीजपुर में 5 वर्षीय बच्चे के साथ दुष्कर्म, हालत गंभीर

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेश: 5 वर्षीय मासूम बच्चे के साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म क्षेत्र में सनसनी सोनभद्र जिले के बीजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव का मामला पुलिस जांच में जुटी आरोपी के विरुद्ध की जाएगी कठोर कार्रवाई। सोनभद्र जिले के बीजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में पंच वर्षीय बच्चे के साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म किए जाने का मामला उजागर होते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

जानकारी के अनुसार मासूम बालक अपने घर में खेल रहा था। तभी अपने पिता से पैसे लेकर टॉफी लेने गांव के ही एक दुकान पर जा रहा था। इस दौरान गांव का ही एक 14 वर्षीय नाबालिक उसको बहला फुसला कर पास के ही एक जंगल में उसे ले जाकर उसके साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म कर डाला। मासूम दर्द पीड़ा से छटपटाने लगा गिरते पढ़ते किसी तरह मासूम घर पहुंचा तो घर वाले उसको खून से लथपथ देख हैरान रह गए।

बालक ने घटना की पूरी आप बीती अपने परिजनों को बताई तो परिजन आग बबूला हो गए। और उसको लेकर एक निजी क्लिनिक गये और वहां मासूम की दवा इलाज करा कर थाने ले गए। इस घटना के बाबत प्रभारी निरीक्षक बीजपुर पंकज पांडे के अनुसार घटना का मामला सामने आया है। जांच की जा रही है,जांच के बाद आरोपी के विरुद्ध कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान: शंभूपुरा मे चित्तौड़ अवैध डोडा के दोआरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

उदय लाल पुष्करणा (जोशी)

राजस्थान: चितौड़ 16 फरवरी पुलिस थाना शंभूपुरा द्वारा अवैध रूप से डोडा चूरा परिवहन करते हुवे एक स्विफ्ट कर से तीन काले रंग के प्लास्टिक कटो में रखा 50 ˝ डोडा चूरा जब्त किया गया अफीम की सीजन के चलते ही राज्य में अफीम तस्कर सक्रिय हो गए है।

अवेध रूप से खरीद कर ऊंचे भाव में आगे बेचते है जिला पुलिस अधीक्षक राज्यंत दुष्यंत ए एस पी बुगलाल मीना के निर्देशन पर डीएसपी भदेसर राजेश कुमार के सुपरविजन में थानाधिकारी पुनीत कुमार अपने थाने के पुलिस जाब्ते सहित गस्त पर थे। गस्त के दौरान सामने से आती एक सफेद रंग की स्विफ्ट कार को चालक पुलिस गाड़ी को देखकर अचानक कार की गति बढ़ाकर रोड के साइड से भागने लगे जिस पर पुलिस ने जीप सामने लगा दी और तस्कर की कार पुलिस गाड़ी व दीवार के बीच फस गई।

जिस पर आरोपी भागने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पकड़ लिया जिसमे आरोपी आजाद चौक निंबाहेड़ा निवासी 20 वर्षीय गोतमलाल लोहार उर्फ मोनू पुत्र मेगराम लोहार व ढवलिया बोरखेड़ी पुलिस थाना कोतवाली निंबाहेड़ा निवासी 30 वर्षीय महेंद्र सिंह पुत्र मांगू सिंह झाला राजपूत की गिरफ्तार कर थाना शंभूपुरा पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है।

कुशीनगर के शादी समारोह से लौट रही महिला से छेड़छाड़

विवेकानंद

उत्तर प्रदेश: कुशीनगर शादी समारोह से लौट रही महिला को घर छोड़ने के बजाए बोलेरो चालक ने उसे अगवा करने की कोशिश की विरोध करने पर लूट और छेड़खानी करने लगा। महिला की चिल्लाने पर गांववालों को अपनी ओर बढ़ते देखकर चालक ने जैसे ही गाड़ी रोकी महिला कूद गई। इसके बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। पुलिस ने केस दर्ज कर बुधवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

महिला का पति एक व्यापारी है। महराजगंज जिले के घुघली नगर से मंगलवार को एक शख्स के घर से परतावल बरात गई थी। उस बरात में नेबुआ नौरंगिया क्षेत्र के क्रांति चौराहा निवासी खुश मोहम्मद भी किराए पर अपना वाहन लेकर गया था। पुलिस के अनुसार, मंगलवार की देर रात को परिवार की महिलाएं बरात में शामिल होने के बाद खुश मोहम्मद के वाहन से घर के लिए

पुलिस ने केस दर्ज आरोपी को किया गिरफ्तार

चलीं। घुघली के एक चौराहे पर महिलाएं उतर गईं। एक महिला का घर नगर के बाहरी छोर पर था। उसी रास्ते वाहन लेकर जा रहा आरोपी चालक महिला को दरवाजे पर छोड़ने की बात कही। जब महिला का घर आया तो वाहन रोकने के बजाए उसकी गति बढ़ा दी।

तेज आवाज में गाना बजाने लगा। विरोध करने पर महिला से छेड़खानी शुरू कर दी। इसका महिला ने विरोध किया। बैकुंठी पुल को पार करने बाद नौरंगिया-घुघली मार्ग के मल्लाही पट्टी टोले के पास महिला की आवाज पर लोग वाहन की ओर दौड़े। लोगों को आता देख वाहन जैसे ही रोका महिला बाहर कूद गई। महिला के बताए नंबर पर लोगों ने फोन कर घर वालों को जानकारी दी। महराजगंज के घुघली थाने की पुलिस ने आरोपी चालक पर गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। बुधवार को दोपहर में घुघली पुलिस क्रांति चौराहा पर पहुंची और नेबुआ नौरंगिया पुलिस की मदद से आरोपी के घर दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया। महराजगंज के अपर पुलिस अधीक्षक आतिश कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी खुश मोहम्मद निवासी मंडार बिंदवलिया जिला कुशीनगर को उसके घर से गिरफ्तार कर न्यायालय चालान किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

एक नजर

प्रियंका गांधी का बिगड़ा स्वास्थ्य, न्याय यात्रा में नहीं होंगी शामिल

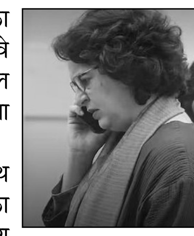

नई दिल्ली: कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी की हुई आचानक तबियत खराब अब वे भारत जोड़ो न्याय यात्रा में नहीं होगी शामिल उन्होंने कहा सेहत में सुधार होते ही वह यात्रा का हिस्सा बनेगी।

पुरे उतर भारत में लगे न्याय यात्रा के साथ सभी भाई बहनों को शुभकामनाएं दी। प्रियंका गांधी ने सोशल मिडिया पर लिखा उतर प्रदेश में भारत जोड़ों न्याय में पहुंचने का इंतजार कर रही थी लेकिन बीमारी की वजह से मुझे आज ही अस्पताल में भर्ती होना पड़ा स्वास्थ्य थोड़ा बेहतर होते ही यात्रा में शामिल होगी। भारत जोड़ों न्याय यात्रा 16 फरवरी से 21 को उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में होगी।

महाराष्ट्र: उत्कृष्ट पत्रकारिता अवार्ड हेतु महाराष्ट्र सरकार ने मंगाए आवेदन

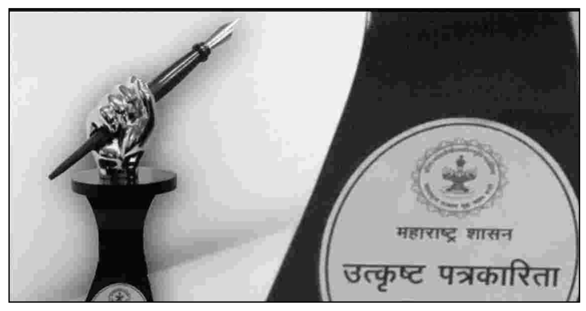

समीर राजेन्द्र वानखेड़े

महाराष्ट्र: सूचना एवं जनसंपर्क महानिदेशालय ने सर्वश्रेष्ठ पत्रकारिता, सर्वश्रेष्ठ लेखन, सर्वश्रेष्ठ टेलीविजन समाचार कहानी, सर्वश्रेष्ठ फोटोग्राफर, सोशल मीडिया और स्वच्छता अभियान पर जन जागरूकता लेखन के लिए एक पुरस्कार प्रतियोगिता की घोषणा की है। इस प्रतियोगिता के लिए 1 जनवरी, 2023 से 31 दिसंबर, 2023 के बीच प्रकाशित लेखों/फोटोग्राफों/वृत्तचित्रों की प्रविष्टियाँ आमंत्रित की जाती हैं। प्रविष्टियाँ भेजने की अंतिम तिथि वह 31 जनवरी, 2024 थी।

इन प्रवेशों के अनुरोध के लिए 29 फरवरी, 2024 तक का विस्तार दिया जा रहा है। राज्य के विभिन्न हिस्सों के उम्मीदवारों को आवेदन पत्र संबंधित जिला सूचना कार्यालय, मुंबई शहर और मुंबई उपनगरीय जिले, सूचना और जनसंपर्क महानिदेशालय, ग्राउंड फ्लोर, हुतात्मा राजगुरु चौक, मैडम काम मार्ग, मंत्रालय, मुंबई से प्राप्त करना चाहिए। आवेदन पत्र dgipr.maharashtra.gov.in और www.maharshtra.gov.in के साथ-साथ https://mahasamvad.inपर भी उपलब्ध हैं।

उत्तर प्रदेश: कंपनी बाग स्थित स्वतंत्रता सेनानी भवन में हुआ प्रेस वार्ता का आयोजन

अजय सक्सेना/उत्तर प्रदेश: कंपनी बाग स्थित स्वतंत्रता सेनानी भवन में दिव्या महायक समिति के द्वारा 16 फरवरी से 24 फरवरी तक प्रतिदिन होने वाली मां पीतांबरी बगलामुखी देवी महायज्ञ एवं भक्तमाल कथा होने जा रही कथा के बारे में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। मथुरा से पधार रहे रसिक आचार्य पंडित नंदकिशोर पांडे महाराज के मुखारविंद से कथा का रसखान किया जाएगा।

पंडित कृष्णास्वामी जी पीठाधीश्वर परिवार एवं आचार्य पंडित नंदकिशोर जी पांडे जी ने यज्ञ के क्या-क्या फायदे हैं। इस बारे में भी प्रकाश डालाप्लीज व्हाट्सएप में अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल जॉनी सुधीर श्रीवास्तव नरेश सक्सेना सुरेंद्र गुप्ता विशाल अग्रवाल राजीव अग्रवाल मल्लू धवल दिक्षित आदि उपस्थित रहे।

दिल्ली विधानसभा में सीएम केजरीवाल ने जारी किया विश्वास मत प्रस्ताव

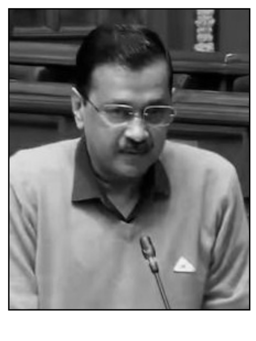

नई दिल्ली: दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को एक बार फिर विधानसभा में विश्वास मत प्रस्ताव पेश किया है। अब चर्चा शनिवार को होगी इससे पहले अगस्त 2022 और मार्च 2023 में आम आदमी पार्टी विश्वास मत प्रस्ताव पेश ला चुकी है।

पिछले महीने आम आदमी पार्टी ने बीजेपी पर आरोप लगाया था कि आप के विधायकों तोड़ने की कोशिश हो रही है। बीजेपी ने कार्रवाई करने की चेतावनी दी थी। वही दिल्ली पुलिस ने भी अरविन्द केजरीवाल को नोटिस जारी किया था। अब विपक्षी पार्टी के बैंक अकाउंट फ्रीज होंगे आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के बैंक अकाउंट फ्रीज करने पर आपत्ति जताई है। दिल्ली मंत्री आतिशी ने कहा ये बीजेपी की बड़ी साजिश है। विधानसभा में केजरीवाल दुवरा विश्वास मत प्रस्ताव लेने पर मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा यह हमारी सरकार गिराने की साजिश चल रही है। दिल्ली के मुख्य मंत्री ने सोचकर ही फैसला लिया होगा।

उत्तर प्रदेश: तरबगंज में रामलला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का किया आयोजन

दीपक कौशल

उत्तर प्रदेश: तरबगंज सुसेला के रामलला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य में राम भक्तों को इस कदर भक्ति छा गई कि राम लला प्राण प्रतिष्ठा की भक्ति भावना से ओतप्रोत होकर भव्य दिव्य श्री शतचंडी महायज्ञ सरस एवं संगीतमयी श्री राम कथा का करवा रहे हैं आयोजन,जहाँ पर 11 फरवरी से ही नित्य शाम को 5 बजे से ही कथा श्रवण करने के लिए भक्तों की संख्या हजारों में पहुँच जाती है।

बताते चलें कि प्राथमिक विद्यालय सुसेला चौसेला तरबगंज गोण्डा स्थित यज्ञ समिति सुसेला चौसेला तरबगंज स्वामी चिन्मयानंद महराज जी महंथ कटरा कुटी धाम अयोध्या के नेतृत्व में भव्य, दिव्य शतचंडी महायज्ञ एवं नौ दिवसीय सरस एवं संगीतमयी श्री राम कथा आयोजन किया जा रहा है। दिनांक 11 फरवरी से ही श्री राम कथा का शुभारम्भ किया गया जो 19 फरवरी तक चलेगा। कथा वाचक के रूप में विश्व विख्यात कथा वाचक आचार्य शान्तनु जी महाराज श्री राम कथा का रसपान करवा रहे हैं।

कथा प्रारम्भ होते ही कथा पंडाल पूरी तरह भक्तों से भर जाती है भक्त भाव विभोर हो उठते हैं। आचार्य शान्तनु जी महाराज, के साथ साथ ही ध्रुव चंद्र जी महराज नरसिंह दास जी महराज, वैदिक आचार्य पंडित शिव भूषण मिश्रा जी एवं शक्ति शील शरण जी महराज कथा का रसपान करवा रहे हैं। अध्यक्ष के रूप में वीरेंद्र बहादुर सिँह कोषाध्यक्ष श्रीचंद्र सिँह सहायक कोषाध्यक्ष गोपाल सिँह अवधेश सिँह,मुख्य यजमान के रूप में राजेंद्र सिंह एवं विशिष्ट सहयोगी के रूप में पंडित यदुनाथ मिश्रा सम्मिलित हैं।

महाराष्ट्र: 20 फरवरी से एस टी के पहियों को लगेगा ब्रेक, एस टी कर्मियों का अनशन शुरू

समीर राजेन्द्र वानखेड़े

महाराष्ट्र: स्टेट ट्रांसपोर्ट कामगार संगठन के कर्मियों ने प्रलंबित आर्थिक मांगों को लेकर विभागीय कार्यालय के समक्ष बेमियादी अनशन शुरू किया है। कुल 8 एस टी कर्मी अनशन पर बैठे है। इसके बावजूद महामंडल की ओर से ध्यान नहीं दिया गया तो 20 फरवरी से संपूर्ण एस टी कर्मी आंदोलन में शामिल हो जायेंगे, जिससे नागपुर विभाग के सभी डेपो से यात्री परिवहन पूर्ण रूप से बंद पड़ सकते है। सन 2018 से अब तक का बकाया महंगाई भत्ते का भुगतान करने, अप्रैल 2016 से अक्टूबर 2021 तक की बकाया वेतन वृद्धि का भुगतान करने, बकाया मकान किराया भत्ते का भुगतान करने, मूल वेतन 5 हजार रुपए घोषित करने, 4 हजार और वरिष्ठ कर्मचारियों के वेतन में दूरी कम करने, 2500 रुपए की बढ़ोतरी से कुल 5000 रुपए दिए जाने की मांग की जा रही है।

सभी प्रकार की एस टी बसों में कर्मी तथा उनके परिवार के साथ भेदभाव किए बिना एक वर्ष के लिए फ्री पास दिए जाने, सभी प्रकार के रिटायर्ड एस टी कर्मियों के लिए पति पत्नी के साथ एक वर्ष का निशुल्क पास, रिटायर्ड कर्मियों का बकाया पैसों का तत्काल भुगतान करने साथ ही हिट ऐंड रन कानून को रद्द करने की भी मांग की गई।

नागपुर प्रदेश तथा विभागीय एस टी कामगार संगठन चंद्रपुर के प्रादेशिक सचिव दत्ता बावने ने कहा कि, इसके पहले भी कई बार राज्य परिवहन निगम प्रशासन को मांगों का ज्ञापन दिया गया था, लेकिन हमारी मांगों की ओर अनदेखी की जा रही है। इस वजह से हमें अनशन का मार्ग अपनाना पड़ा है फिर भी प्रशासन यदि हमारी मांगों पर ध्यान नहीं देता है, तो हम 20 फरवरी से सभी बसों का परिवहन ठप्प कर देंगे।

झारखण्ड: किसान यूनियनों की संपूर्ण भारत में बंदी का ऐलान हुआ फेल

सुरेन्द्र चौबे

झारखण्ड: किसान यूनियनों द्वारा आज संपूर्ण भारत में बंदी का ऐलान किया गया था। इसके बावजूद झारखंड में बंद का मिला-जुला असर भी नहीं दिखा और ठल 320 में बडी-बडी गाड़ियों का आवागमन जारी रहा। सभी हाट और बाजार खुले रहे और आज के दिन ही सरस्वती पूजा मूर्ति का विसर्जन भक्तों ने उल्लास के साथ किया। इसकी वजह से बाजारों में भी चहल पहला बनी रही। झारखंड में छोटे-छोटे किसान होने की वजह से यहां कोई भी किसान यूनियन नहीं है और ना कोई बड़ा किसान नेता जो लोगों को गोलबंद कर के सड़कों में उतार सकता।

झारखंड में कल कारखानों से विस्थापित लोग ज्यादातर जमीन पहले ही गंवां चुके हैं और खेती बाड़ी के अलावे मजदूरी पर निर्भर रह कर जीवन यापन करते हैं। कुछ किसान अपनी जमीन गंवाने के बाद अन्य राज्यों में जीवकोपार्जन चलाने के लिए पलायन कर चुके हैं। पिछले बार जब पंजाब के किसानों ने लाल किले पर खालिस्तान झंडा फहराया था तब से उनकी पोल खुल चुकी है और इस किसान आंदोलन में अन्य राज्यों के लोग बहुत कम शिरकत कर रहे हैं।

झारखंड के किसान लोग और मजदूर हरियाणा पंजाब की किसानों के आंदोलन को शक की निगाह से देख रहे हैं और वह मानते हैं कि आंदोलन एक बहाना है असली मकसद तो उनका खालिस्तान बनाना है। इन सभी वजहों का मिला-जुला असर होने के कारण झारखंड में बंदी का असर नहीं रहा। अब देखना यह है कि किसान आंदोलन से झारखंड के किसान कितने प्रभावित होते हैं और इस आंदोलन में अपना क्या योगदान दे पाते हैं।

महाराष्ट्र: लंदन में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा लगाने पर सकारात्मक चर्चा - मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

समीर राजेन्द्र वानखेड़े

महाराष्ट्र और लंदन के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए महाराष्ट्र के दौरे पर आए लंदन के लॉर्ड मेयर माइकल मिलेनी ने आज मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की। इस बैठक में मिलेनी ने लंदन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर का नाम छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर रखने का इरादा जताया। मुख्यमंत्री मिलेनी की सकारात्मक भूमिका का स्वागत शिंदे ने किया है।

मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बैठक में ब्रिटिश उप उच्चायुक्त हरजिंदर कांग, हेनरी ली, अभिजीत देशपांडे और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। इस अवसर पर पर्यावरण, स्वच्छ वायु, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सूचना प्रौद्योगिकी पर विस्तृत चर्चा हुई।

महाराष्ट्र और लंदन के बीच संबंध मजबूत हैं। इसे और बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि, महाराष्ट्र में निवेश की बहुत बड़ी गुंजाइश है और उद्यमियों ने अपने विशाल बुनियादी ढांचे और कुशल जनशक्ति के कारण महाराष्ट्र के लिए अपनी प्राथमिकता दिखाई है।

इस मौके पर शिंदे ने कहा, मुख्यमंत्री ने कहा कि, मुंबई कोस्टल रोड, अटल सेतु जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाएं गेम चेंजर साबित होंगी। अटल सेतु पर यात्रा का अनुभव बताते हुए मिलेनी ने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता और पराक्रम की गाथा प्रेरणादायक है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने लंदन में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा लगाने की मांग की ने उस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए लंदन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर का नाम छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर रखने का इरादा किया है। इस समय मिलेनी ने व्यक्त किया।

राजस्थान: विधानसभा रामगढ़ क्षेत्र में विकसित भारत लाभर्थि योजना में हजारों लोगों को मिला लाभ

राजस्थान के विधानसभा रामगढ़ क्षेत्र में विकसित भारत लाभर्थि योजना में हजारों लोगों व लाभार्थियों ने रामगढ़ के मीटिंग स्थल पर पहुंचे, जिसमें काफी तादाद में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिकाओं बढ़-चढ़ कर भाग लिया। मीटिंग में उपस्थित रहे जय आहूजा जी रामगढ़ तहसील के एस डी एम साहब तहसीलदार साहब बल्ली सैनी जी राजेश राठी जी नौगांवा से और मुबारिकपुर से रविन्द्र सिंह जी राजेन्द्र करोतिया बड़ोदा से प्रदीप जादू संगत और भी काफी तादाद में बीजेपी कार्यकताओं ने अपनी उपस्थिति मीटिंग स्थल पर पहुंचकर जताई। मीटिंग में लाभकारी योजनाओं के बारे में जानकारियां दी एवं मीटिंग समाप्ति के बाद कुछ लोगों ने अपने गांव की समस्याओं जय आहूजा को बताया, जिसमें ग्राम मुबारिकपुर से रविन्द्र सिंह ने भी अपने ग्राम एवम नगर पालिका मुबारिकपुर की कुछ समस्याओं को जय आहूजा जी सामने रखा जय आहूजा ने तुरंत ही कर्मचारियों और अधिकारियों को सूचना देते हुए कहा कि, इन सभी लोगों की समस्याओं को इग्नोर न करे बल्की तुरंत ही इन लोगों को इन सभी समस्याओं से निजात मिले और लोगों ने जय आहूजा जी का आभार व्यक्त किया और उन्हें धन्यवाद कहा।

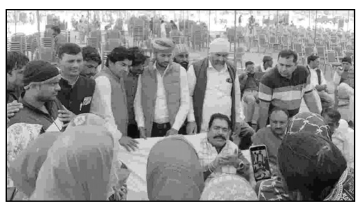

महाराष्ट्र: आदिवासी जिलों के युवा बन सकते हैं पायलट

चंद्रपुर फ्लाइंग स्टेशन के तहत प्रशिक्षण योजना का शुभारम्भ

समीर राजेन्द्र वानखेड़े

महाराष्ट्र: नक्सल प्रभावित, सुदूरवर्ती और आदिवासी चंद्रपुर तथा गड़चिरोली जिलों के युवाओं को एविएटर बनने का सपना पूरा करने के लिए चंद्रपुर फ्लाइंग स्टेशन के तहत चंद्रपुर के मोरवा हवाई अड्डे पर जिले के युवाओं को पायलट प्रशिक्षण देने की योजना बनाई जा रही है।

इस प्रशिक्षण के लिए प्रति छात्र कुल प्रशिक्षण लागत लगभग 41 लाख रुपये होगी, और लिखित परीक्षा और मेडिकल के बाद चयनित कुल 10 छात्रों में से कुल प्रशिक्षण लागत का 10 प्रतिशत भुगतान करके 18 महीने की पायलट प्रशिक्षण प्रदान करना है।

उक्त प्रशिक्षण के लाभार्थी उम्मीदवारों के लिए मानदंड इस प्रकार है अभ्यर्थी की शैक्षणिक योग्यता भौतिक विज्ञान एवं गणित विषय के साथ 10+2, ग्रामीण क्षेत्र के लिए न्यूनतम 65 प्रतिशत अंक एवं शहरी क्षेत्र के लिए न्यूनतम 70 प्रतिशत अंक अथवा प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण होना चाहिए। डीजीसीए द्वारा अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी द्वारा आयोजित परीक्षा में उम्मीदवारों को शारीरिक रूप से फिट होना चाहिए।

उक्त प्रशिक्षण के लिए विद्यार्थियों का चयन करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से आवेदन आमंत्रित किये जायेंगे। डिप्टी कलेक्टर (सहायक) दगडू कुंभार ने कहा, उसके बाद, लिखित परीक्षा के माध्यम से उत्तीर्ण उम्मीदवारों की चिकित्सकीय जांच की जाएगी और अंत में पात्र छात्रों को पायलट प्रशिक्षण के लिए चुना जाएगा। इस योजना से चंद्रपुर, गड़चिरोली तथा यवतमाल जिले के आदिवासी युवक युवतियों को पायलट बनने का मौका मिलेगा।

राजस्थान: बाड़मेर पंचायत समिति के पटवार पर लगा गरीब जनता को लूटने का आरोप

उत्तम सिंह राजपुरोहित

राजस्थान: बाड़मेर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत मूढ़ों की ढ़ाणी, पटवार हल्का जिसमें दो ग्राम पंचायतें लगती है। एक मूढ़ों की ढ़ाणी व दुसरी लाखेटाली दोनों का पटवार हल्का एक ही है, जिसमें पटवारी माया महावर है, जो गरीब जनता को लुटने का काम करती है। कभी भी अपनी ग्राम पंचायतों में नजर नहीं आती। यहां अपनी दुकान खोल रखी है। हमारी टीम एनसीआर के स्टिंग ऑपरेशन में वह गरीब जनता से पैसा लेकर अपनी जेब में डालती नजर आ रही है।

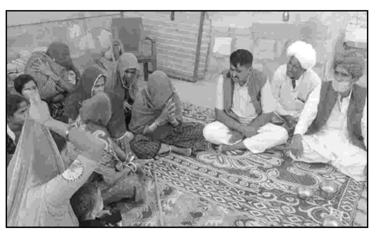

इस मोहतरमा को सरकार द्वारा वेतन में मोटी रकम मिलती है। वो भी इन गरीब जनता के खुन पसीने की कमाई से टेक्स दिया जाता है पर इन भ्रष्टाचारियों का जमीर, मानवता मर चुकी है। इन्हें केवल भ्रष्टाचार कर देश को नुक्सान पहुंचा अपना घर भरना है।

क्या ऐसे भ्रष्ट, बेइमान कर्मचारियों पर सरकार सख्त कार्रवाई कर इन्हें निलंबित करेंगी। अधिकांश कर्मचारी इसी तरह अपनी दुकानें चलाते हैं। अपने कार्य हल्का में कभी नजर नहीं आते।

ओडिशा: डेलांग प्रखंड क्षेत्र में मठ परिसर प्रवेशद्वार का हुआ उद्घाटन

लक्ष्मीनारयण पथी

ओडिशा: डेलांग प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत वेनुपडा गादिब्रह्म मठ परिसर प्रवेशद्वार का शुभ उद्घाटन मुंबई से आये हुए श्री श्री 1008 माधबाचार्य महाराज के द्वारा 16 फरवरी शुक्रवार को संपन्न हुआ। सुबह आठ बजे माधबाचार्यजी ने करीब पचास संतों के साथ वेनुपडा गांव पहुंचे। वहां पर ग्रामीण लोगों के सहित जिला परिषद सदस्य प्रसन्न कुमार साहु, डेलांग पंचायत समिति अध्यक्षा वासंती साहु, डेलांग कोठवाड सेवा समवाय समिति अध्यक्ष नवघन साहु, जिला परिषद, पुरी की निवर्तमान उपाध्यक्ष संध्यावती प्रधान, शिक्षाविद सुरेश चंद्र दास, समाजसेवी निरंजन महांति उनके आवभगत किए। हरिध्वनि के माध्यम संतों को स्वागत किया गया

नारियल तोड़कर प्रवेशद्वार का उद्घाटन करने के बाद माधबाचार्य के सहित समस्त संतों ने गादिब्रह्म मठ पर पहुंचे। संतों के आगे आगे नगर संकीर्तन और उपस्थित लोगों की जुलूस चलता रहा। गादिब्रह्म मठाधीश शिशिर दास महाराज के साथ माधबाचार्य ने कुछ समय बिताए। वहां पर समस्त संतों को चाय नास्ता से सम्मानित किया गया। उसके बाद माधबाचार्य महाराज वडआंकुला स्थित महाराज महेश्वर उच्च विद्यालय गये। वहांपर विद्यालय के प्रधान शिक्षक सुरेश चंद्र दास और छात्र छात्राओं ने उन्हें आवभगत की।

उत्तर प्रदेश: ट्रेन की चपेट में आने से दो युवकों की मौत, पुलिस ने शव को कब्जे में लिया

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेश: सोनभद्र जिले के दुद्धी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत रेलवे खजूरी क्रॉसिंग गेट नंबर 60 के पास ट्रेन की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई।

नई रेलवे ट्रैक के पास से खाना और कुछ पानी के बोतले भी मिली हैं। शुक्रवार की सुबह कुछ ग्रामीणों ने देखा कि, नई रेलवे ट्रैक पर दो युवकों का खून से लथपथ लाश पड़ी है। इसकी तत्काल सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मृतकों की पहचान मनोज जायसवाल वार्ड नंबर 3 और फरमान खान वार्ड नंबर 4 दोनों निवासी दुद्धी के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि, मनोज जायसवाल की दुद्धी अमवार रोड पर मेडिकल स्टोर है, जबकि फरमान खान किसी प्राइवेट एजेंसी में गाड़ी चलाता था।

मध्य प्रदेश: शाजापुर में खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

ब्रिज कुमार राठोर

मध्य प्रदेश: शाजापुर खाद्य व्यापारियों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण की फास्ट्रेक योजना के अंतर्गत आज पुष्प कमल होटल शाजापुर में खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपा टटवाड़े के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में अधिकृत ट्रेनर अस्मिता ठक्कर ने एवं मोबलाइजेशन मैनेजर अनुज सक्सेना एवं सहायक मैनेजर चितरंजन द्वारा खाद्य व्यापारियों का खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण आयोजित किया गया है।

जिसमें सभी व्यापारियों ने हिस्सा लेकर खाद्य सुरक्षा के सभी कानून प्रावधानों की जानकारी प्राप्त की एफएसएसएआई द्वारा अब संचालकों को खाद्य सुरक्षा सुपरवाइजर के रूप में एक बार ऑफलाइन ट्रेनिंग प्राप्त करने के निर्देश दिए यहां ट्रेनिंग

प्रोग्राम इपैनलड एजेंसी ग्लोबल इंडस्ट्रीज द्वारा प्रदान किया गया व्यापारियों ने ट्रेनर अस्मिता ठक्कर से अपने व्यापार से संबंधित कई प्रश्न भी पूछे जिस पर ट्रेनर ने व्यापारियों के सभी सवालों का जवाब देते हुए ऋ्रअ' के सभी नियमों का पालन करने के लिए व्यापारियों से अपील की है।

मध्य प्रदेश: पोरसा में 40 साल सेवा करने के बाद प्रबंधक हुकुम सिंह चौहान हुए रिटायर

अजय सिंह तोमर

मध्य प्रदेश: पोरसा प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित संगोली के प्रबंधक हुकम सिंह चौहान मार्च 1983 से सेवाएं दे रहे थे आम जनता को हर तरह की सुविधा उपलब्ध करा रहे थे आज वह रिटायर हुए हैं उनकी रिटायरमेंट पर आज जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा पोरसा के परिसर में एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया जहां हुकम सिंह चौहान को रामायण शाल श्रीफल देकर के सम्मानित किया गया। इस विदाई समारोह में रामवीर सिंह भदोरिया मुख्य कार्यपालन अधिकारी, रजनीश वाजपेई सहायक महाप्रबंधक, दीपक गोयल ओ एस मुरैना, राजीव सिंह तोमर शाखा प्रबंधक पोरसा,बाघ सिंह तोमर पूर्व शाखा प्रबंधक, टीपी सिंह तोमर पूर्व शाखा प्रबंधक, राम प्रकाश सिंह तोमर, रविंद्र सिंह तोमर, विकास गुप्ता अंबा, सुनील सिंह चौहान, प्रदीप सिंह तोमर, संजीव सिंह तोमर आदि कर्मचारी अधिकारी लोग उपस्थित थे, विदाई समारोह कार्यक्रम का संचालन हरिओम गुप्ता जी के द्वारा किया गया।

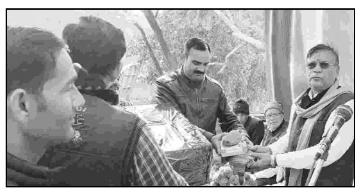

उतर प्रदेश: मीरजापुर में तैनात दो पुलिसकर्मी को तेज रफ्तर कार ने मारी टक्कर दो घायल

सूरज मौर्य

उतर प्रदेश: फतेहपुर के थरियांव पीछे से चार पहिया कि टक्कर लगने से दो पुलिस कर्मी घायल हो गए, घायलों को पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया है।

मोड़ नेशनल हाईवे के पास पीछे से चार पहिया कि कार से टक्कर लग जाने से दोनो पुलिस कर्मी घायल हो। दोनो पुलिस कर्मी खागा कोतवाली में तैनात है।

एक पुलिस कर्मी का नाम बांटी 26 वर्ष पुत्र बनवारी वही दूसरे का नाम सुबोध उम्र 25 पुत्र घनश्याम टक्कर लगने से घायल हो गए, वही बांटी ने बताया कि मैं खागा कोतवाली में तैनात हू और मेरी ड्यूटी ए एस इंटर कालेज फतेहपुर पुलिस परीक्षा में मेरी ड्यूटी लगी थी। वही दूसरे साथी सुबोध ने बताया कि दोनो लोग एक साथ एक बाइक में फतेहपुर जा रहे थे। तुभी पीछे आ रही एक चार पहिया गाड़ी ने टक्कर मार तो अचानक हम दोनो बाइक से गिर गए। सूचना मिलते ही हसवा चौकी कि पुलिस पहुंची और दोनो घायल पुलिस कर्मियों को सरकारी एंबुलेंस बुला कर अस्पताल भेज दिया।

संपादकीय

कांग्रेस में जिन्हे सब कुछ मिला वे छोड़ रहे !

आमतौर पर किसी नेता के पार्टी से नाराजगी का कारण यह होता है कि पार्टी ने उसे कुछ नहीं दिया। लेकिन कांग्रेस में इसका उलटा होता है। कांग्रेस में जिन लोगों को सब कुछ मिलता है वे ही नाराज होते हैं। पिछले एक दशक में यानी जब से केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार बनी है तब से कांग्रेस छोड? वाले नेताओं की सूची पर नजर डालेंगे तो दिखाई देगा कि पार्टी ने जिन लोगों को मुख्यमंत्री बनाया, केंद्र में मंत्री बनाया और संगठन में बड़े पद दिए उन लोगों ने ही पार्टी छोड़ी। इनमें अनेक लोग ऐसे हैं, जो योग्य नहीं थे लेकिन पार्टी नेतृत्व के साथ नजदीकी या परिवार की राजनीतिक पृष्ठभूमि या विदेश में पढ़ाई लिखाई की वजह से ऊंचे पदों पर आसीन हुए और जब कांग्रेस कमजोर हुई तो पार्टी छोड़ कर मजबूत पार्टी की ओर चले गए, जहां से कुछ हासिल हो सकता है। पिछले एक दशक में कांग्रेस के एक दर्जन पूर्व मुख्यमंत्रियों ने पार्टी छोड़ी है।

सोचें, राजनीति में प्रधानमंत्री के बाद दूसरा सबसे अहम पद मुख्यमंत्री का होता है और कांग्रेस ने जिन योग्य या अयोग्य लोगों को मुख्यमंत्री बनाया उनमें से 10 ने पार्टी छोड़ दी। ताजा मामला अशोक चव्हाण का है, जिनको कांग्रेस ने दो बार मुख्यमंत्री बना कर देश की वित्तीय राजधानी यानी मुंबई में बैठाया। वे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे और बाद में प्रदेश अध्यक्ष भी हुए लेकिन अब वे भाजपा में शामिल हो गए हैं। महाराष्ट्र के एक और पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे इन दिनों भाजपा में हैं। हालांकि उनको शिव सेना ने सीएम बनाया था। लेकिन जब वे शिव सेना छोड़ कर कांग्रेस मे आए तो पार्टी ने उनको कई बार मंत्री बनाया और विधान परिषद में भी भेजा। पंजाब के मुख्यमंत्री रहे कैप्टेन अमरिंदर सिंह भी कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में चले गए हैं। इस सदी के 24 बरसों में कांग्रेस को दो बार पंजाब में सरकार बनाने का मौका मिला और दोनों बार कांग्रेस ने अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री बनाया। पहली बार वे पूरे पांच साल रहे। उसके 10 साल बाद फिर कांग्रेस को मौका मिला तो वे सीएम बने और चार साल से ज्यादा समय तक रहे। लेकिन सीएम से हटाने के बाद ही वे पार्टी से अलग हो गए और फिर भाजपा में चले गए। इसी तरह कांग्रेस को दशकों बाद जम्मू कश्मीर में अपना मुख्यमंत्री बनाने का मौका मिला तो उसने गुलाम नबी आजाद को सीएम बनाया। वे अनेक बार केंद्र में मंत्री रहे। जहां तहां से राज्यसभा और लोकसभा लेकर संसद में पहुंचते रहे। पार्टी के बड़े पदाधिकारी रहे लेकिन कांग्रेस के कमजोर होते ही पाला बदल लिया। राहुल गांधी और पूरे नेतृत्व पर तरह तरह के आरोप लगाते हुए कांग्रेस छोड़ गए।

सोनिया गाँधी ने क्यों दिया रायबरेली को भावनात्मक संदेश

> गांधी परिवार के लिए दोनों घटनाएं बेहद दुःखद थी। लेकिन सोनिया गांधी का दृढ संकल्प उन्हें विषम परिस्थितियों में भी डिगने नहीं दिया। कांग्रेस को संभालने के लिए उन्हें अंतत राजनीति में आना पड़ा। लेकिन सोनिया गांधी लगता है अब सक्रिय राजनीति को अलविदा कह दिया है। खराब स्वास्थ्य के चलते अब वह चुनाव नहीं लड़ेंगी और राज्यसभा के माध्यम से कांग्रेस की सेवा करेंगी।

-प्रभुनाथ शुक्ल-

मैं अपने बच्चों को भीख मांगते देख लूंगी, परंतु मैं राजनीति में कमद नहीं रखूंगी। यह पीड़ा सोनिया गांधी की थी जो अपने पति एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को खोने के बाद कहा था। यह एक माँ और औरत की पीड़ा थी। क्योंकि राजीव गांधी को खोने के बाद सोनिया गांधी अकेली पड़ गयीं थीं। वह डरी और सहमी थीं क्योंकि पारिवारिक संघर्ष में वह अकेली थीं। उन्हें सबसे अधिक फिक्र दोनों बच्चों राहुल और प्रियंका गांधी के सुरक्षा की थी। जिसकी वजह से वह राजनीति में नहीं आना चाहती थीं। क्योंकि राजनीति की वजह से उन्होंने पति और सास को खोया था। जिसकी वजह से उन्हें राजनीति से घृणा हो गई थी।

गांधी परिवार के लिए दोनों घटनाएं बेहद दुःखद थी। लेकिन सोनिया गांधी का दृढ संकल्प उन्हें विषम परिस्थितियों में भी डिगने नहीं दिया। कांग्रेस को संभालने के लिए उन्हें अंतत राजनीति में आना पड़ा। लेकिन सोनिया गांधी लगता है अब सक्रिय राजनीति को अलविदा कह दिया है। खराब स्वास्थ्य के चलते अब वह चुनाव नहीं लड़ेंगी और राज्यसभा के माध्यम से कांग्रेस की सेवा करेंगी। उन्होंने रायबरेली की जनता के नाम एक भावनात्म चिठ्ठी भी लिखी है। सोनिया गांधी के इस फैसले के बाद रायबरेली की सीट क्या कांग्रेस के लिए सुरक्षित रह पाएगी या अमेठी की तरह उस पर भी भजपा का कब्जा हो जाएगा।

सोनिया गांधी के इस फैसले को लेकर सियासी उठापटक शुरू हो गई है। भाजपा ने सोनिया गांधी पर जहाँ तंज कसा है। वहीं कांग्रेस ने सोनिया गांधी के फैसले को पार्टी का अपना फैसला बताया है। कांग्रेस बेहद बुरे दौर से गुजर रही है। इंदिरा गांधी के जाने के बाद राजीव गांधी ने पार्टी को संभाला। राजीव की अनुपस्थिति में सोनिया गांधी ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई। लेकिन राहुल गांधी खरे उतरते नहीं दिख रहे हैं। दक्षिणपंथी विचारधारा की पोषक भारतीय जनता पार्टी में मोदी युग की शुरूवात के बाद कांग्रेस का विश्वास जनता में सिकुड़ता गया है। कमजोर कांग्रेस को मजबूत आधार दिलाने वाला कोई राजनेता नहीं दिख रहा है। प्रियंका गांधी से पार्टी समर्थकों से काफी उम्मीद थी, लेकिन उत्तर प्रदेश राज्य विधानसभा के चुनाव में उन्हें जो करिश्मा करना था वह नहीं कर पाई। ऐसी ऐसी स्थिति में सक्रिय राजनीति से सोनिया गांधी का अलविदा कहना कांग्रेस को किस दिशा में लेकर जाएगा यह कहना मुश्किल है। कांग्रेस आज भले कमजोर हो गई है, लेकिन कांग्रेस से अधिक लोगों को गांधी परिवार पर सबसे अधिक भरोसा है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की रायबरेली परंपरागत सीट रही है। रायबरेली और अमेठी का नाम आते ही लोगों के सामने गांधी और नेहरू परिवार की तस्वीर तैरने लगती है। लेकिन कमजोर होती कांग्रेस ने अपनी बहु चर्चित लोकसभा सीट अमेठी को गंवा दिया। राहुल गांधी को विषम राजनीतिक परिस्थितियों में नई सियासी जमीन तलाशने के लिए दक्षिण भारत से चुनाव लड़ना पड़ा। अब यह निश्चित हो गया है कि सोनिया गांधी राज्यसभा के माध्यम से कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करेंगीं। फिर सवाल उठता है क्या रायबरेली सीट कांग्रेस से हाथ से फिसल जाएगी। जबकि सोनिया गांधी स्वयं वहां से सांसद हैं। कांग्रेस के जो राजनीतिक हालात हैं उस स्थिति में राहुल गांधी क्या अमेठी एवं रायबरेली लौटेंगे।

गांधी परिवार के लिए सबसे सुरक्षित सीट रायबरेली का फिर क्या होगा। क्या गांधी परिवार से उपेक्षित होने के बाद यह सीट अमेठी की तरह भाजपा के हाथ में चली जाएगी या फिर गांधी परिवार की राजनीतिक पहचान उत्तर प्रदेश से खत्म हो जाएगी। फिर क्या पार्टी प्रियंका गांधी या राहुल गांधी को रायबरेली से चुनावी मैदान में उतरेगी। हालांकि यह खबर भी आयी है की प्रियंका गांधी अमेठी और राहुल रायबरेली से चुनाव लड़ेंगे।

राहुल गांधी क्या वायनाड को छोड़कर रायबरेली से अपना चुनावी भविष्य तय करेंगे। क्योंकि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के लिए अब खोने के लिए कुछ नहीं बचा है। जबकि दक्षिण भारत में भाजपा अभी कमजोर स्थिति में है। उसे हालत में राहुल गांधी अगर वायनाड को बाय-बाय कर रायबरेली से अपना भाग्य आजमाते हैं तो दक्षिण के लिए गलत संदेश जाएगा और दक्षिण में कांग्रेस कमजोर होगी। ऐसी विषम परिस्थितियों में राहुल गांधी क्या रायबरेली से चुनाव लड़ने का निर्णय ले पाएंगे।

सोनिया गांधी रायबरेली को अलविदा कहने के बाद वहां की जनता के नाम एक भावनात्मक चिठ्ठी लिखी है। चिठ्ठी में उन्होंने अपने खराब स्वास्थ्य और बढ़ती उम्र का हवाला दिया है। उन्होंने लिखा है कि हालांकि मुझे आपकी सीधे सेवा करने का अवसर नहीं मिलेगा, लेकिन मैं मन और प्राण से आपके साथ रहूंगी। रायबरेली की जनता के नाम सोनिया ने एक बहुत ही भावनात्मक लाइन लिखी हैं मुझे पता है कि आप भी हर मुश्किल में मुझे और मेरे परिवार को वैसे संभाल लेंगे जैसे अब तक संभालते आए हैं। उन्होंने आगे अपनी बात में लिखा है कि दिल्ली में मेरा परिवार अधूरा है वह रायबरेली आकर आप लोगों से मिलकर पूरा होता है। चिठ्ठी में ससुर फिरोज गांधी और सास इंदिरा गांधी का भी जिक्र किया है। सोनिया गांधी की इस भावनात्मक अपील की जनता कितना सम्मान करती है फिलहाल यह वक्त बताएगा।

रायबरेली सीट को रिक्त छोड़ना गांधी परिवार की सबसे बड़ी भूल होगी। प्रियंका गांधी को यहां से निश्चित रूप से चुनाव लड़ना चाहिए और विषम परिस्थितियों में अपने पार्टी के साथ खड़ी रहना चाहिए। चिठ्ठी के जरिए सोनिया गाँधी ने रायबरेली की जनता से जो भावनात्मक अपील किया है उसका साफ-साफ संदेश है की वे रायबरेली से चुनाव स्वयं भले न लड़ें, लेकिन गाँधी परिवार से कोई न कोई इस विरासत को जरूर संभालेगा। क्योंकि अमेठी ने भले गाँधी परिवार के भरोसे को तोड़ा हो लेकिन रायबरेली की जनता ने ऐसा कभी नहीं किया। मोदी लहर में भी वह गाँधी परिवार के साथ खड़ी है।

लोकतंत्र में किसान जैसे दुश्मन सेना !

-शकील अख़्तर-

किसानों के साथ यह कैसा सलूक? दुश्मन सेनाको रोकने के लिए जैसे राजे-रजवाड़ों के समय किले के बाहर खाइयां खोद दी जाती थी। शहर केदरवाजों पर बड़ी बड़ी कीलें जड़ दी जाती थीं। दीवार पर खौलते हुए तेल कीकड़ाहियां होती थीं। अभी मंगलवार को जब यह लिख रहे हैं तो हरियाणा केशंभू बार्डर पर पुलिस किसानों पर आसूं गैस के गोले दाग रही है। ऊपर आसमानसे ड्रोन से आंसू गैस के गोले फेंके जो रहे हैं। पत्रकारों को करीब 5किलोमीटर दूर रोक दिया गया है। यह क्या दुश्मन से निपटने से कम है?

लोग कहते हैं धर्म का नशा क्या होता है? पाकिस्तान में उन्होंने देखा मगरमतलब यह निकाला कि यह वहीं हो सकता है। मगर आज जब हमारे यहां हो गया तबभी उनकी समझ में पूरी तरह नहीं आ रहा है। जब मार्क्स ने कहा था कि धर्म, अफीम की तरह होता है तब शायद ड्रग्स नहीं बनेथे। अफीम नेचुरल नशा था। पिनक कभी कभी टूटती भी थी। यूरोप में करीब दो सौसाल पहले फ्रांसिसी क्रान्ति के बाद वहां धर्म का नशा टूटने लगा था। पाकिस्तान में अभी इस चुनाव में। जनता वहां जागी। और आर्मी, अमेरिका एवंधार्मिक सत्ताओं की मर्जी के खिलाफ जाकर स्वतंत्र रूप से वोट दिए। जेलमें बंद इमरान के आजाद उम्मीदवारों को बड़ी तादाद में जिता दिया। जनता परधर्म का दबाव कितना कम हो रहा है और इसे वहां के दक्षिणपंथी दल किस तरह

समझ रहे हैं इसकी एक मिसाल है कि धर्म के आधार पर ही राजनीति करने वालीजमाते इस्लामी ने अपने घोषणा पत्र में तीन तलाक खत्म करने का वादा कियाथा। मगर सबसे लेटेस्ट हमारे यहां इसका प्रयोग किया गया। और ड्रग्स के सबसेतेज फार्म में। धर्म के साथ नफरत भी मिला कर उसे जहरीला बना दिया। अब कुछजगह यह धर्म असर करता है और ज्यादातर जगह नफरत। सबके खिलाफ नफरत! जोहमारे साथ नहीं हैं वे सब शत्रु। नष्ट कर देने लायक। उदाहरण की जरूरत नहीं। किसानों के साथ सलूक हम देख रहे हैं। दुश्मन सेनाको रोकने के लिए जैसे राजे-रजवाड़ों के समय किले के बाहर खाइयां खोद दी जाती थी। शहर केदरवाजों पर बड़ी बड़ी कीलें जड़ दी जाती थीं। दीवार पर खौलते हुए तेल कीकड़ाहियां होती थीं। अभी मंगलवार को जब यह लिख रहे हैं तो हरियाणा के शंभू बार्डर पर पुलिस किसानों पर आसूं गैस के गोले दाग रही है। ऊपर आसमानसे ड्रोन से आंसू गैस के गोले फेंके जो रहे हैं। पत्रकारों को करीब 5किलोमीटर दूर रोक दिया गया है।

यह क्या दुश्मन से निपटने से कम है? जब उसे अन्नदाता कहा जाता था तब भी इस विशेषण से हम ज्यादा सहमत नहीं थे। किसी को भी एक ऊंचा, आकाशीय दजार्देकर हम उसके मानव के तौर पर दुःख दर्द समझने से बचते हैं। नारी को तुमकेवल श्रद्धा हो। देवी हो कहकर उसके उसके मानवीय अधिकारों से वंचित करतेहैं। खैर, तो किसान के साथ एक बार फिर शत्रुवत व्यवहार किया जा रहा है। उसेदिल्ली नहीं आने देना है। ट्रेनों की विशेष चेंकिग हो रही है। रात को जोभी किसान जैसा दिखता है उसे बीच स्टेशनों पर उतार लिया जा रहा है। यह कामजाहिर है पुलिस कर रही है। और उसके लिए हर धोती कमीज पहनने वाला किसान हीहै। कर्नाटक एक्सप्रेस से सौ से ज्यादा लोगों को भोपाल में जबर्दस्तीखींच कर उतारा गया। पुलिस पहरे में खुले प्लेटफार्म पर रात भर बिठाए रखागया।

मध्यप्रदेश के जबलपुर में धारा 144 में गिरफ्तार किसान नेताओं को जमानतन देने का एक नया प्रशासनिक तरीका निकाला गया। मजिस्ट्रेट को साइन करनाहोता है। तो वह कुर्सी पर बैठ ही नहीं रहे। वकील पूछ रहे हैं तो जवाब मिलरहा है कि ऊपर से आदेश हैं। दिल्ली का हर बार्डर सील है। और काहे से? सड़कों पर बड़ी कीलें। सीमेंटके मोटे मोटे बेरिकेट्स। सड़क के दोनों तरफ खाईयां खोदकर पानी भर देना। गांव-गांव माइक द्वारा अनाउंस करना कि जो दिल्ली जाएगा उसका ट्रेक्टर जप्त कर लिया जाएगा। पासपोर्ट केन्सिल हो जाएगा। गिरफ्तारी होगी।

मगर क्यों? दिल्ली जाना अपराध कैसे हो गया? अपनी जायज मांगों के लिएशांतिपूर्ण आन्दोलन तो उस इमरजेन्सी में बंद नहीं हुए थे जिसका जिक्रकरके भाजपा हमेशा कांग्रेस को घेरने की कोशिश करती है। इमरजेन्सी मेंगिरफ्तार लोगों के घरवाले थाने पर जाकर धरने पर बैठते थे। और गिरफ्तारनेता जेल में आन्दोलन करते थे। अनशन करते थे। नारे लगाते थे।

मगर आज कोई पूछने वाला नहीं है। मीडिया एक सवाल नहीं उठा रहा है। उल्टाकिसानों को बदनाम करने की पहले जैसी कोशिश उसने फिर शुरू कर दी। जो दोसाल पहले कर रहा था। न्यायपालिका तो भूल गई की कभी वह सुमोटो (स्वतः संज्ञान) कार्रवाई करतीथी। आज तो कोई अगर जाता भी है तो सुनवाई नहीं होती। मगर क्या इससे किसान हार जाएंगे। हारे तो वे पहले भी नहीं थे। डेढ़ सालदिल्ली के बार्डर पर बैठे रहे। 750 से ज्यादा लोग मारे गए। मगर उठकर तभीगए जब सरकार ने माफी मांगी। काले कानून वापस लिए।

मगर सवाल यह है कि किसानों से नफरत क्यों? क्या यह नफरत की राजनीति कास्वतः विस्तार है। मशरूम ग्रोथ! नफरत की राजनीति मुसलमानों के खिलाफशुरू की गई। मगर जैसा कि कहते हैं कि नफरत की आग फिर रूकती नहीं। काबूमें नहीं रहती। तो मुसलमानों से बढ़कर दलित रोहित वेमुला की मौत यादकीजिए, आदिवासी मध्य प्रदेश के सीधी में भाजपा नेता द्वारा उस पर पेशाबकरना, पिछड़ा अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री निवास खाली करवाने के बाद उसेगंगाजल से शुद्ध करवाना, महिला उल्टे महिला पहलवानों को ही मारना, घसीटना, मुकदमे लगाना और आरोपी भाजपा सांसद को बचाना जैसी एक एक ही घटनाहमने लिखी। मगर यह पचासों हैं।

राजनीतिक दलों के बाजीगर और चुनावी शतरंज

-ललित गर्ग-

2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर शतरंज की बिसात बिछ रही है। कुछ ही हफ्ते बचे हैं और भारतीय जनता पार्टी एवं सभी विपक्षी दलों ने शतरंज की चालों की तरह अपनी-अपनी चालें चल रहे है। भाजपा एवं इंडिया गठबंधन दोनों ही खेमों में अब हर दिन चुनावी रणनीति को लेकर शतरंज की चालें चलते हुए एक दूसरे को मात देने का दौर चल रहा है, सब अपनी-अपनी व्यूह रचना बना रहे हैं। एक-एक मोहरे को ठीक जगह रख रहे हैं। कोई प्यादों से लड़ने की, तो कोई वजीर से लड़ने की रणनीति बना रहे हैं। कुछ प्यादे, वजीर बनने की फिराक में हैं। भाजपा ने स्वयं की 370 एवं उसके गठबंधन की 400 का लक्ष्य लेकर ही चालें चल रही है। इंडिया गठबंधन एवं विभिन्न राजनीतिक दल भी अपनी चालों को फीट करने में जुटें हैं। शतरंज की एक विशेषता है कि राजा कभी अकेले से शिकस्त नहीं खाता और यही हम आगामी चुनाव के बन रहे दृश्यों से महसूस कर रहे हैं।

राजनीति पल-पल नया आकार लेती है, इसलिये राजनीति में सही वक्त पर सही ढंग से इस्तेमाल करने का हुनर होना अपेक्षित होता है, जो अच्छा चल रहा है उसे बिगाड़ना आना चाहिए और जो बिगड़ रहा है उसे सुधारना आना चाहिए। इसी को कहते है राजनीति। इसी राजनीति के महारथि के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा की रणनीति तीक्ष्ण एवं प्रभावी बनकर सामने आ रही है। शतरंज के खेल की भांति राजनीति में भी कब किस घोड़े को और किस सैनिक को ऊंट को मारना है ताकि धमाकेदार चुनाव परिणाम तक पहुंचा जा सके, ये कला आनी चाहिए। इस कला में भाजपा का कोई मुकाबला नहीं है। वह राजनीतिक शतरंज की चालों में माहिर है और उसकी दृष्टि नये बन रहे राजनीतिक जोड़-तोड़ पर लगी है। भाजपा की एक चाल के बाद विरोधी कितनी चाल चल सकता है, भाजपा के घोड़े ऊंट सैनिक को मारने के लिए विपक्षी दल क्या चाले चल सकते हैं, इस बात का भाजपा को पहले से ज्ञान है, उसे यह भी पता है कि वह कितने प्यादों को खो सकता है। उसे बचाने का खेल भाजपा खेलने लगी है।

शतरंज में सफेद मोहरों की चाल पहले होती है और हर एक चाल की वरीयता मायने रखती है। ठीक इसी सोच पर भाजपा सभी चुनावी चालों में आगे रहना चाहती हैं। पर शुरूआत किस चाल से करें, जिसकी काट नहीं हो, यह भाजपा अच्छी तरह जानती हैं। तभी उसने प्रभावी एवं दूरगामी राजनीतिक से जुड़ी पहले चलने वाली चाले चलते हुए नीतीश कुमार और जयंत चौधरी जैसे नेताओं को इंडिया गठबंधन से छीन लिया गया है। कांग्रेस के अशोक चव्हान को भाजपा में शामिल कर-के राज्यसभा में भेजा दिया है। मायावती और चंद्रबाबू नायडू को विपक्ष में जाने से रोक दिया गया है। शिवसेना और राकांपा की दो फाड कर दी गयी है। श्रीराम मन्दिर उद्घाटन से हिन्दू वोटों को प्रभावित किया गया है, वही पांच राजनीतिक रत्नों को ह्यभारत रत्नह्न सर्वोच्च पुरस्कार की घोषणा से आम चुनावों को प्रभावित करने का राजनीतिक कौशल दिखाते हुए शह-मात का खेल खेल रही है।

शतरंज के खेल की तरह राजनीति के खेल में भी घोड़ा ढाई घर आगे और ढाई घर पीछे चलकर मारता है, परिपक्व एवं मझे हुए राजनीतिक खिलाड़ियों एवं राजनीतिक दलों की यही चालें शुरू हो चुकी है, जिस कारण सभी विपक्षी दलों के सामने अपने अस्तित्व को बचाने का धर्म संकट है और प्रमुख दलों में भविष्य की राजनीतिक सत्ता को लेकर राजनीति की निष्ठायें पूरी तरह से धूमिल होती हुई भी दिखाई पड़ रही है। वर्तमान राजनीति सिद्धांतों पर नहीं रह गई है अब विभिन्न राजनीतिक दल येन केन प्रकरण पद और सत्ता हासिल करके सुख भोगना चाहते हैं और समाज में अपने रुतबे को कायम रखने की होड़ शुरू है। लेकिन सत्ता एवं स्वयं-स्वार्थ की इस होड़ के कारण नुकसान तो लोकतंत्र का ही हो रहा है। इसलिये आज सबकी आंखें और कान राजनीतिक दलों द्वारा प्रतिदिन लिये जाने वाले निर्णयों पर लगे हुए हैं। दोष किसी एक दल का नहीं, बल्कि उन सबका है जो चुनावी संग्राम को एक शतरंज की बिसात बना रखा है। चुनाव की घोषणा से पहले ही जो घटनाएं हो रही हैं वे शुभ का संकेत नहीं दे रही हैं। मतदाता भी धर्म संकट में है। उसके सामने अपना प्रतिनिधि चुनने का विकल्प नहीं होता। प्रत्याशियों में कोई योग्य नहीं हो तो मतदाता चयन में मजबूरी महसूस करते हैं। मत का प्रयोग न करें या न करने का कहें तो वह संविधान में प्रदत्त अधिकारों से वंचित होना/करना है, जो न्यायोचित नहीं है।

काले और सफेद मोहरे शतरंज की फर्श पर ही आमने-सामने नहीं होते, पूरा चुनावी परिदृश्य ऐसे ही काले और सफेद रंगों में बंटती जा रही है। कहीं यह अगड़ों-पिछड़ों के नाम से तो कहीं वर्ग और जाति के नाम से आमने-सामने हैं। इस बार की लड़ाई कई दलों के लिए आरपार की है। ह्वअभी नहीं तो कभी नहीं। ह्व दिल्ली के सिंहासन को छूने व लालकिले पर ध्वज की डोरी पकड़ने के लिए सबके हाथों में खुजली आ रही है। उन्हें केवल अगले चुनाव की चिन्ता है, अगली पीढ़ी की नहीं। मतदाताओं के पवित्र मत को पाने के लिए पवित्र प्रयास की सीमा लांघ रहे हैं। यह त्रासदी बुरे लोगों की चीत्कार नहीं है, भले लोगों की चुप्पी है जिसका नतीजा राष्ट्र भुगतता रहा है/भुगतता रहेगा, जब तब भले लोग मुखर नहीं होगे।

शतरंज के खेल की तरह शह और मात राजनीति में भी होती है, शतरंज के खेल में घोड़ा बहुत महत्वपूर्ण होता है। भाजपा ने ऐसे ही घोड़ों को अपने पक्ष में किया हैं, ये घोड़े चारों दिशाओं में से किसी एक में आवश्यकतानुसार ढ़ाई घर चल सकता है। यह आक्रमण में निर्णायक भूमिका निभाता है और सुरक्षा भी प्रदान करता है।

भाजपा की घबराहट या रणनीति

-अजीत द्विवेदी-

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले लोकसभा चुनाव को लेकर अति आत्मविश्वास में हैं या घबराहट में हैं? यह एक ऐसा सवाल है, जिसके जवाब को लेकर इस समय देश भर में बहस हो रही है। सोशल मीडिया ने ऐसी बहसों के लिए अच्छा प्लेटफॉर्म मुहैया कराया है। पारंपरिक मीडिया में चलने वाली एकतरफा चर्चाओं के बीच सोशल मीडिया में दोनों तरह के नैरेटिव के लिए जगह बनी है। एक तरफ ऐसा मानने वाले लोग हैं कि प्रधानमंत्री अति आत्मविश्वास में हैं इसलिए उन्होंने चार सौ पार का नारा दिया है। उन्होंने लोकसभा में खड़े होकर कहा कि देश की जनता भाजपा को 370 सीटें तो दे ही देगी और एनडीए को चार सौ के पार पहुंचा देगी। अपने इस भाषण से पहले ही उन्होंने अपने तीसरे कार्यकाल की बात शुरू कर दी थी और उसका एजेंडा तय करने लगे थे। यह विपक्ष के खिलाफ मनोवैज्ञानिक युद्ध की एक रणनीति भी हो सकती है लेकिन उन्होंने ऐसा भरोसा दिखाया है, जिससे विपक्ष का आत्मविश्वास निश्चित रूप से हिला होगा। इस भरोसे और चार सौ के पार के नैरेटिव के बीच एक दूसरा पक्ष है, जो भाजपा की ओर से किए जा रहे माइक्रो मैनेजमेंट को उसकी घबराहट के तौर पर देख रहा है। अनेक लोग ऐसे हैं, जो नीतीश कुमार को एनडीए में शामिल कराने के राजनीतिक घटनाक्रम को भाजपा की घबराहट या बेचैनी के रूप में देख रहे हैं। उनको लग रहा है कि कपूरी ठाकुर को मरणोपरांत भारत रत्न देकर भाजपा अंतिम समय में अति पिछड़ा वोट आधार को साधने की राजनीति कर रही है। ऐसे लोग चौधरी चरण सिंह को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित करने और उनके पोते जयंत चौधरी की एनडीए में वापसी को भाजपा का डेस्परेट अटेम्प मान रहे हैं। तमिलनाडु के रहने वाले महान कृषि वैज्ञानिक व अर्थशास्त्री एमएस स्वामीनाथन और आंध्र प्रदेश के रहने वाले पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव को मरणोपरांत भारत रत्न देने को दक्षिण भारत में पैर जमाने की कोशिश के तौर पर देख जा रहा है। एक सामान्य नैरेटिव यह बना है कि मोदी ने कपूरी ठाकुर के जरिए मंडल को, लालकृष्ण आडवाणी के जरिए मंदिर को, पीवी नरसिंह राव के जरिए मार्केट को और स्वामीनाथन व चौधरी चरण सिंह के जरिए मंडी को यानी किसानों को साधने का प्रयास किया है। यह सवाल भी पूछा जा रहा है कि जब अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का उद्घाटन हो गया और रामलला विराज गए और काशी व मथुरा का अभियान शुरू हो गया तो भाजपा को क्यों जयंत चौधरी की पार्टी राष्ट्रीय लोकदल की जरुरत है? यह सवाल भी है कि अगर बिहार में अति पिछड़ों के मसीहा रहे कपूरी ठाकुर को भारत रत्न दे दिया और गैर यादव पिछड़ा वोट भाजपा के साथ है तो फिर उसे नीतीश की जरुरत क्यों है? जब अजित पवार से तालमेल कर लिया तो मराठा वोट के लिए अशोक चव्हाण की क्यों जरुरत है? देश भर में विपक्षी पार्टियों के नेताओं पर कार्रवाई या उनको तोड़ कर भाजपा में शामिल कराने या कर्नाटक से लेकर बिहार और उत्तर प्रदेश से लेकर आंध्र प्रदेश, पंजाब और महाराष्ट्र तक के नए व पुराने सहयोगियों को एनडीए से जोड़ने की कवायद को भी इस रोशनी में देखा जा रहा है कि भाजपा में घबराहट है और वह अंतिम समय में इस तरह के उपाय कर रही है, जो कारगर नहीं भी हो सकते हैं। विकसित भारत संकल्प यात्रा, अमृत काल में भारत को विकसित बनाने, भारत के विश्व गुरू बनने, मोदी के मजबूत नेतृत्व, विपक्ष के भ्रष्ट होने के प्रचार, राममंदिर के उद्घाटन, अनुच्छेद 370 की समाप्ति और समान नागरिक संहिता के बावजूद भाजपा जिस तरह के छोटे छोटे प्रबंधन कर रही है उसको उसकी घबराहट के तौर पर देखा जा रहा है। लेकिन क्या सचमुच ऐसा है? क्या इस तरह के माइक्रो मैनेजमेंट को घबराहट माना जाना चाहिए या इसे पार्टी की रणनीति मान कर इसका विश्लेषण होना चाहिए? सोचें, प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए के लिए चार सौ सीट का लक्ष्य घोषित कर दिया है तो क्या वह उसी तरह चुनाव लड़ कर हासिल हो जाएगा, जैसे पिछला चुनाव लड़ा गया था? नए लक्ष्य को हासिल करने के लिए नई तैयारियां करनी होती है, नई रणनीति बनानी होती है और यह काम सारी पार्टियां करती हैं। आखिर लगातार दो चुनावों में बुरी तरह से हारने के बाद ही तो राहुल गांधी को ख्याल आया कि पूरे देश की यात्रा करते हैं! सक्रिय राजनीति में आने के 18 साल के बाद राहुल सितंबर 2022 में पदयात्रा पर निकले थे। लगातार दो चुनाव हारने के बाद ही विपक्षी पार्टियों ने साथ मिल कर भाजपा से मुकाबला करने का फैसला किया था। पिछले साल मई-जून में विपक्षी पार्टियों ने भाजपा की नींद उड़ाई थी, जब कर्नाटक में कांग्रेस जीती और उसके बाद 26 पार्टियों ने एकजुट होकर फैसला किया कि भाजपा के हर उम्मीदवार के खिलाफ विपक्ष का एक उम्मीदवार उतारेंगे। उसके बाद ही भाजपा को अपनी चुनावी रणनीति में बदलाव करने की जरुरत पड़ी है।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रातः 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

शेयर समीक्षा : कच्चे तेल की कीमत का रहेगा बाजार पर असर

महंगाई आंकड़े तय करेंगे बाजार की चाल

मुंबई (एजेंसी)। घरेलू शेयर बाजार की चाल अगले सप्ताह जनवरी की थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़े, कच्चे तेल की कीमत, डॉलर सूचकांक और विदेशी संस्थागत निवेशकों एफआईआई के रुख से तय होगी। विश्लेषकों के अनुसार, अगले सप्ताह जनवरी की थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा महंगाई के आंकड़े आने वाले है। साथ ही कोल इंडिया, एचएएल, एनएचपीसी, सेल, भेल, हिंडाल्को, आईआरसीटीसी, एमटीएनएल और ओआईएल समेत कई दिग्गज कंपनियों के वित्त वर्ष 2023-24 की दिसंबर में समाप्त तीसरी तिमाही के परिणाम भी जारी होने वाले हैं। अगले सप्ताह बाजार की चाल निर्धारित करने में इन कारकों की अहम भूमिका रहेगी।इनके अलावा अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत, दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति और एफआईआई के निवेश रुख पर भी बाजार की नजर रहेगी। एफआईआई फरवरी में अबतक 7,680.34 करोड़ रुपए की बिकवाली कर चुके हैं। हालांकि इस अवधि में घरेलू निवेशकों का शुद्ध निवेश 8,661.41 करोड़ रुपए रहा है। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि कंपनियों के तिमाही नतीजों का सत्र अब आखिरी चरण में है। ऐसे में बाजार में शेयर विशेष गतिविधियां भी देखने को मिलेंगी। अमेरिका के खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े 13 फरवरी तथा खुदरा बिक्री के आंकड़े 15 फरवरी को घोषित किए जाएंगे। बीते सप्ताह बीएसई का संसेक्स 490.14 अंक अर्थात 0.7 प्रतिशत लुढ़ककर सप्ताहांत पर 71595.49 अंक रह गया। एनएसई का निफ्टी 71.3 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की गिरावट लेकर 21782.50 अंक पर रहा।

भारतीय बॉन्ड बाजार में लगातार पैसा लगा रहे एफपीआई

जेपी मॉर्गन इंडेक्स में भारत सरकार के बॉन्ड को शामिल किए जाने और व्यापक रूप से अर्थव्यवस्था के स्थिर परिदृश्य के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों एफपीआई ने इस महीने अबतक देश के ऋण या बॉन्ड बाजार में शुद्ध रूप से 15000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है। इससे पहले एफपीआई ने जनवरी में बॉन्ड बाजार में 19836 करोड़ रुपए डाले थे, जो छह साल से अधिक समय का सबसे ऊंचा मासिक आंकड़ा है। इससे पहले जूनए 2017 में एफपीआई ने बॉन्ड बाजार में 25685 करोड़ रुपए का निवेश किया था। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन अवधि में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने शेयरों से 3000 करोड़ रुपए से अधिक निकाले हैं। इससे पहले जनवरी में उन्होंने शेयरों से 25743 करोड़ रुपए की भारी निकासी की थी।

चार कंपनियों की बाजार पूंजी 2.18 लाख करोड़ बढ़ी

संसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण में पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से 2.18 लाख करोड़ रुपए का इजाफा हुआ। इन कंपनियों का बाजार मूल्यांकन सामूहिक रूप से 218598.29 करोड़ रुपए बढ़ गया। इसके अलावा छह कंपनियों की बाजार मूल्यांकन में सामूहिक रूप से 106631.39 करोड़ रुपए की गिरावट आई।

इन कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा

कंपनी	पूंजी में बढ़त	कुल बाजार पूंजी
एलआईसी	86146.47	683637.38
एसबीआई	65908.26	646365.02
टीसीएस	61435.47	1512743.31
रिलायंस इंडस्ट्रीज	5108.09	1977136.54

कुल पूंजी करोड़ रुपए में

इन कंपनियों का बाजार पूंजीकरण घटा

कंपनी	पूंजी में कमी	कुल बाजार पूंजी
एचडीएफसी बैंक	32963.94	1065808.71
आईटीसी	30698.62	518632.02
भारती एयरटेल	16132.15	631044.50
इन्फोसिस	10044.09	692980.35
आईसीआईसीआई बैंक	9779.06	709254.77
हिंदुस्तान यूनिलीवर	7013.53	569587.91

बाजार पूंजी करोड़ रुपए में

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर ने चेताया

एआई से पैदा होने वाले खतरों से सचेत रहें बैंक

नई दिल्ली। बैंकिंग क्षेत्र और इससे जुड़े लोगों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई से पैदा होने वाले कानूनी, साइबर जोखिमों और कौशल की कमी जैसे जोखिमों के प्रति सचेत रहना चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी रवि शंकर ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि एआई और जेन एआई को अपनाने के साथ कानूनों को फिर से परिभाषित किया जाना है। उद्योग को यह ध्यान देना चाहिए कि डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम के नियम जल्द ही आने वाले हैं और हो सकता है कि बैंक इनमें से कुछ का उल्लंघन कर दें। इसलिए तैयारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने मुंबई में भारतीय बैंक संघ आईबीए के द्वारा आयोजित 19वें वार्षिक बैंकिंग प्रौद्योगिकी सम्मेलन में कहा कि बैंकों को ग्राहक सुविधा के बारे में सोचने और उसके अनुसार सेवाएं देने की जरूरत है। हम जब नियम बनाते हैं, तो हमें इसे ग्राहकों के लिए सुविधाजनक बनाने के बारे में सोचना चाहिए और इसमें लगातार सुधार करना चाहिए। शंकर ने कहा कि हर नई तकनीक ने कुछ नौकरियां खत्म की हैं लेकिन नई नौकरियां पैदा भी की हैं। ऐसे में कार्यबल को प्रशिक्षित करने की जरूरत है।

प्रत्यक्ष कर संग्रह में 20 फीसदी उछाल

मौजूदा वित्तीय वर्ष में 15.60 लाख करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली। वित्तीय वर्ष 2024 में प्रत्यक्ष कर संग्रह में 20 फीसदी का उछाल आया है। मौजूदा वित्तीय वर्ष में यह 15.60 लाख करोड़ रुपए रहा, जो कि सरकार के पूरे वित्तीय वर्ष के संशोधित अनुमान का 80 फीसदी है। सीबीडीटी ने एक बयान जारी कर बताया कि डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में मजबूत वृद्धि देखी जा रही है। डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 10 फरवरी 2024 तक 18.38 लाख करोड़ रुपए रहा, जो कि बीते साल के कलेक्शन से 17.30 फीसदी ज्यादा है। डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन से नेट रिफंड को हटा दें तो ये 15.60 लाख करोड़ रुपए है, जो कि पिछले साल के शुद्ध संग्रह से 20.25 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए ये कलेक्शन सरकार के डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन के संशोधित अनुमान का 80.23 फीसदी है। एक अप्रैल 2023 से लेकर 10 फरवरी 2024 तक 2.77 लाख करोड़ रुपए रिफंड दिए गए हैं। सीबीडीटी ने बताया कि कॉरपोरेट इनकम टैक्स और पर्सनल इनकम टैक्स में भी वृद्धि हुई है। सीबीडीटी के अनुसार, कॉरपोरेट इनकम टैक्स में 9.16 प्रतिशत और पर्सनल इनकम टैक्स में 25.67 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिफंड को एडजस्ट करने के बाद यह वृद्धि क्रमशः 13.57 प्रतिशत और 26.91 प्रतिशत है।

बढ़ सकती है मारुति कारों की कीमत

हूतियों के आतंक के चलते मार्ग बदलने से लागत बढ़ी

नई दिल्ली। लाल सागर संकट के कारण अब भारतीय कंपनियां भी प्रभावित होने लगी है। इस संकट से जहाजों के मार्ग में बदलाव के कारण देश की प्रमुख कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया की लागत में कुछ बढ़ोतरी हो सकती है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है। वाहन क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी ने पिछले कैलेंडर साल में लगभग 2.7 लाख कारों का निर्यात किया था। हालांकि, कंपनी ने कहा है कि उसे नहीं लगता कि इस मुद्दे का उसके निर्यात पर कुछ विशेष प्रभाव पड़ेगा। लाल सागर जलडमरूमध्य वैश्विक कंटेनर यातायात के 30 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार के 12 प्रतिशत के लिए महत्वपूर्ण है। यूरोप के साथ भारत का लगभग 80 प्रतिशत वस्तुओं का व्यापार इसी मार्ग से होता है। लेकिन पिछले कुछ समय से ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोहियों ने वहां आतंक मचा रखा है। इस कारण वहां से जहाजों के आवागमन पर प्रभाव पड़ा है। एमएसआई के कार्यकारी अधिकारी राहुल भारती ने कहा, लाल सागर मुद्दे के कारण हमें कुछ लॉजिस्टिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जोखिम और वाहनों के मार्ग में बदलाव की वजह से लागत में कुछ बढ़ोतरी हो सकती है।

जेफ बेजोस ने 16 हजार करोड़ रुपए के शेयर बेचे

अमेजन के 1.2 करोड़ शेयरों की बिक्री

नई दिल्ली। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस ने अमेजन के 16 हजार करोड़ रुपए मूल्य के शेयरों की बिक्री की है। कंपनी के 1.2 करोड़ शेयर बेच दिए हैं। 2021 के बाद जेफ बेजोस ने पहली बार अमेजन के शेयर बेचे हैं। 2 फरवरी को अमेजन ने बताया था कि अमेजन के जेफ बेजोस अगले 12 महीनों में कंपनी के पांच करोड़ शेयरों को बेचने की योजना बना रहे हैं। इन शेयरों की कुल वैल्यू 9 अरब डॉलर करीब 74 हजार करोड़ रुपए के करीब है। कंपनी की सालाना रिपोर्ट के अनुसार, शेयरों को बेचने की ये योजना पिछले साल 8 नवंबर को शुरू की गई थी और यह 31 जनवरी 2025 तक पूरी हो जाएगी। जेफ बेजोस ने साल 2002 से 2021 तक 30 अरब डॉलर मूल्?य करीब 2.49 लाख करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे। सबसे ज्?यादा शेयर साल 2020 और 2021 में बेचे गए। इन दोनों सालों में कुल 20 अरब डॉलर कीमत करीब 16.27 लाख करोड़ रुपए के शेयर बेचे गए। जेफ बेजोस ने अमेजन की शुरुआत इंटरनेट पर कुछ किताबें बेचने के साथ की थी और कंपनी को इस मुकाम पर पहुंचाने में उन्होंने कोई कमी नहीं छोड़ी। फोर्ब्स रियल टाइम बिलेनियर लिस्ट के अनुसार जेफ बेजोस दुनिया के तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

ओएनजीसी का शुद्ध मुनाफा 14 फीसदी गिरा

9536 करोड़ रुपए रहा तिमाही लाभ

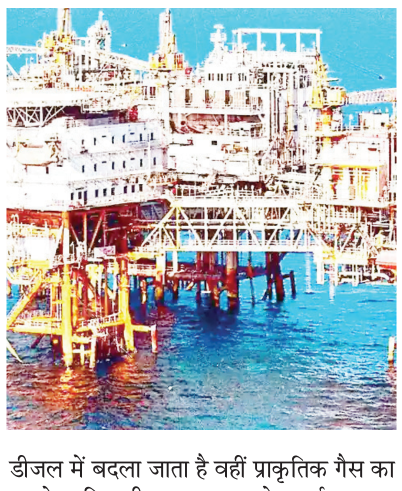

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन ओएनजीसीद्ध का शुद्ध लाभ तेल और गैस की कीमतें गिरने के कारण चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 14 प्रतिशत गिर गया है। अक्टूबर-दिसंबर 2023 तिमाही में कंपनी का एकल आधार पर शुद्ध लाभ 13.7 प्रतिशत गिरकर 9536 करोड़ रुपए रह गया है, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 11045 करोड़ रुपए था।

कंपनी ने बयान में कहा कि आय कम रही क्योंकि तिमाही में कंपनी द्वारा उत्पादित और बेची गई कच्चे तेल की कीमत 6.4 प्रतिशत गिरकर 81.59 डॉलर प्रति बैरल हो गई। गैस की कीमत भी 24.2 प्रतिशत कम होकर 6.5 डॉलर प्रति मीट्रिक मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट एमएमबीटीयू थी। कम लाभ में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में भी गिरावट आई। जहां कच्चे तेल को रिफाइनरी में पेट्रोल और डीजल में बदला जाता है वहीं प्राकृतिक गैस का उपयोग बिजली उत्पन्न करने, उर्वरक का उत्पादन करने, सीएनजी में परिवर्तित करने और खाना पकाने के लिए रसोई में पाइप के जरिये पहुंचाया जाता है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों अप्रैल-दिसंबर 2023 में ओएनजीसी का एकल आधार पर शुद्ध लाभ 24 प्रतिशत गिरकर 29767 करोड़ रुपए रह गया, क्योंकि तेल की कीमत 97.10 डॉलर से घटकर 75.55 डॉलर प्रति बैरल रह गई।

कच्चे तेल का उत्पादन घटा

कच्चे तेल का उत्पादन 3.3 प्रतिशत गिरकर 52.2 लाख टन रह गया, जबकि गैस उत्पादन 4.3 प्रतिशत घटकर 5.12 अरब घन मीटर रहा। आलोच्य तिमाही में कंपनी की सकल आमदनी 10 प्रतिशत घटकर 34789 करोड़ रुपए रह गई। कंपनी ने बयान में कहा कि उसके निदेशक मंडल ने 80 प्रतिशत या चार रुपए प्रति शेयर के दूसरे अंतरिम लाभांश को मंजूरी दे दी। इस खाते पर कुल भुगतान 5032 करोड़ रुपए होगा। यह पिछले साल नवंबर में घोषित 5.75 रुपए प्रति शेयर के पहले अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त है।

राष्ट्रीय कोयला सूचकांक में दिसंबर में 4.75 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कोयला सूचकांक (एनसीआई) में दिसंबर 2023 में 4.75 प्रतिशत की गिरावट आई। इससे पता चलता है कि बाजार में कोयले की उपलब्धता पर्याप्त है। कोयला मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बयान में यह जानकारी दी। दिसंबर, 2022 में एनसीआई 163.19 अंक पर था। यह गिरावट बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त उपलब्धता के साथ बाजार में कोयले की मजबूत आपूर्ति को दशार्ती है। एनसीआई एक मूल्य सूचकांक है जो नीलामी तथा आयात कीमतों सहित सभी बिक्री मंचों से कोयले की कीमतों को संकलित करता है।

लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड में निवेश 19 माह के शीर्ष पर

नई दिल्ली। निवेशकों ने जनवरी में लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड बड़े शेयरों में निवेश वाले कोष में 1287 करोड़ रुपए का निवेश किया है। यह 19 माह में निवेश का उच्चस्तर है। छोटी और मझोली कंपनियों के कोषों में तेजी ने उनके मुनाफावसूली के लिए प्रेरित किया है और लॉर्ज-कैप में उनका निवेश बढ़ा है। इससे पहले दिसंबर, 2023 में उन्होंने लार्ज-कैप फंड से 281 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की थी। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया एम्फी के हालिया आंकड़ों के अनुसार, लार्ज-कैप पर केंद्रित इक्विटी म्यूचुअल फंड को जनवरी में 1287 करोड़ रुपए का निवेश प्राप्त हुआ। यह जुलाई, 2022 के 2052 करोड़ रुपए के बाद का उच्चतम स्तर है। विशेषज्ञों ने कहा कि छोटे और मझोली कंपनियों में निवेश करने वाले म्यूचुअल फंड में निवेशक मुनाफा काट रहे हैं और उसे नए सिरे से लॉर्ज कैप फंड में लगा रहे हैं। निवेश का मौजूदा स्तर पिछले साल जनवरी के 716 करोड़ रुपए के आंकड़े से 80 प्रतिशत अधिक है। इस ताजा प्रवाह के बाद बड़े शेयरों में निवेश करने वाले म्यूचुअल फंड्स का संपत्ति आधार जनवरी में 26 प्रतिशत बढ़कर तीन लाख करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले 2.38 लाख करोड़ रुपए था।

माइक्रोसॉफ्ट ने एप्पल का रिकॉर्ड तोड़ रचा इतिहास

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई माइक्रोसाफ्ट ने एप्पल का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 3.125 ट्रिलियन डॉलर मार्केट कैप हासिल करने वाली दुनिया की पहली कंपनी बन गई ह। सबसे ज्यादा मार्केट कैप का पिछला रिकॉर्ड आईफोन निर्माता कंपनी एप्पल के नाम ही था। एप्पल ने जुलाई में 3.09 ट्रिलियन डॉलर का मार्केट कैप बना लिया था। बैरंस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, माइक्रोसॉफ्ट ने शेयरों में इस उछाल के चलते एप्पल पर साफ बढ़त बना ली है। एप्पल का मार्केट कैप 2.916 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। बैरंस के मुताबिक, माइक्रोसॉफ्ट अमेरिका की पहली कंपनी बन गई है, जिसने 3.1 ट्रिलियन डॉलर मार्केट कैप का आंकड़ा छू लिया है। माइक्रोसॉफ्ट का शेयर 420.55 डॉलर के रेट पर बंद हुआ है। एआई सेक्टर में ओपन एआई के साथ माइक्रोसॉफ्ट की पार्टनरशिप से दोनों कंपनियों को बहुत फायदा पहुंच रहा है। ओपन एआई का बनाया हुआ चैट जीपीटी पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो चुका है। लोगों में एआई के इस्तेमाल के लिए उत्साह पैदा हो गया है। यही वजह है ज्यादातर निवेशक माइक्रोसॉफ्ट के स्टॉक पर पैसा लगा रहे हैं। पिछले 12 महीनों में माइक्रोसॉफ्ट का शेयर लगभग 60 फीसदी उछल चुका है। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने हाल ही में कहा था कि अब हम एआई के बारे में बात करने से आगे निकलकर उसका इस्तेमाल करने की प्रक्रिया में आ चुके हैं। हमें नए कस्टमर मिल रहे हैं। इससे नया फायदा कंपनी को हो रहा है। सत्य नडेला ने हाल ही में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ के रूप में अपना 10वां साल पूरा किया है। उन्होंने क्लाउड कंप्यूटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर फोकस कर सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट को नई दिशा दिखाई है। नडेला ने साल 2014 में कंपनी की कमान संभाली थी।

मालभाड़ा से भारतीय रेलवे की आमदनी घटी

राजस्व 1.8 लाख करोड़ रुपए रहने का लक्ष्य

नई दिल्ली। 2024-25 के अंतरिम बजट में भारतीय रेलवे की माल भाड़ा आमदनी के संशोधित अनुमानों में 10000 करोड़ रुपए की कटौती की गई है। लिहाजा वित्त वर्ष 24 के बजट अनुमानों की तुलना में राजस्व में मात्र 0.28 प्रतिशत का इजाफा हो सकता है। इससे रेलवे के दीर्घावधि महत्वाकांक्षी लक्ष्यों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।

वित्त वर्ष 24 के संशोधित अनुमान के विपरीत राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर ने माल भाड़े के राजस्व में 6.51 प्रतिशत इजाफे के साथ इसके 1.8 लाख करोड़ रुपए रहने लक्ष्य तय किया है। रेलवे ने महामारी की शुरुआत के बाद से बजट लक्ष्यों से बेहतर प्रदर्शन किया या संशोधित अनुमानों को हासिल किया। इससे देश में रेलवे की लंबे अरसे से लंबित कई प्रमुख बदलाव करने की उम्मीद जगी थी। यह महामारी के बाद पहला ऐसा बजट होगा जिसमें रेलवे वित्त वर्ष की शुरुआत में पहली बार अपने लक्ष्यों को हासिल नहीं कर पाएगा। दरअसल, रेलवे क्षमता संबंधी चिंताओं से जूझ रहा है। विशेषज्ञों ने वित्त वर्ष 24 की शुरुआत में बताया था कि यह वर्ष महामारी के बाद का सबसे चुनौतीपूर्ण साल हो सकता है। रेलवे यात्री यातायात में विशेष तौर पर द्वितीय सामान्य श्रेणी उच्च स्तर पर पहुंच सकती है और मालभाड़े की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच सकती है। वित्त वर्ष 24 में कम माल ढुलाई के अनुमान के कारण रेलवे की परिचालन लागत पर भी असर पड़ सकता है। रेलवे की परिचालन लागत शुरुआत में 98.45 प्रतिशत आंकी गई थी लेकिन अब यह 20 आधार अंक अधिक होने की उम्मीद जताई गई है।

तीन एनबीएफसी के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट रद्द

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया इन दिनों सख्त कार्रवाई के मूड में है। पहले पेटीएम पेमेंट्स बैंक का लाइसेंस कैंसिल किया गया और फिर महाराष्ट्र के एक कोऑपरेटिव बैंक के कामकाज करने पर रोक लगा दी गई। अब आरबीआई ने तीन एनबीएफसी के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट रद्द कर दिए हैं। आरबीआई की सख्ती की मार भारथु इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस इंडिया, कॉक्स एंड किंग्स फाइनेंशियल सर्विस और पीएसपीआर एंटरप्राइजेज पर पड़ी है। इसके साथ ही 9 एनबीएफसी और हाउसिंग कंपनी ने अपने लाइसेंस सरेंडर कर दिए हैं। रिजर्व बैंक ने जानकारी दी है कि 9 एनबीएफसी और एक हाउसिंग फाइनेंस कंपनी ने अपने लाइसेंस सरेंडर कर दिए हैं। इनमें रिलायंस होम फाइनेंस भी शामिल है।

आरबीआई की कार्रवाई के बाद ईडी ने पेटीएम के अधिकारियों से की पूछताछ

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को किसी भी ग्राहक खाते में जमा या टॉप-अप स्वीकार करने से रोकने की आरबीआई की हालिया कार्रवाई के बाद, पेटीएम के वरिष्ठ अधिकारियों से पूछताछ की और कई दस्तावेज जमा किए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय एजेंसी विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत फिनटेक कंपनी में आरबीआई द्वारा चिह्नित कथित अनियमितताओं की औपचारिक जांच शुरू करने का निर्णय लेने से पहले दस्तावेजों की प्रारंभिक जांच कर रही है।

सूत्रों ने बताया कि पेटीएम के अधिकारियों ने हाल ही में कुछ दस्तावेज जमा किए थे जिसके बाद उनसे कुछ सवाल पूछे गए। कुछ और जानकारी भी मांगी गई है।

उन्होंने बताया कि फिलहाल कोई अनियमितता नहीं पाई गई है। फेमा के तहत कोई उल्लंघन पाए जाने पर ही इस कानून के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।

सूत्रों ने कहा कि धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत पेटीएम से जुड़ी जांच पहले ही कुछ समय से जारी है।

वन97 कम्युनिकेशंस ने बुधवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया था कि उसे ग्राहकों के बारे में जानकारी देने के लिए प्रवर्तन निदेशालय और अन्य जांच एजेंसियों से नोटिस मिले हैं।

कंपनी पेटीएम ब्रांड और उसकी बैंकिंग इकाई पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड के अंतर्गत वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है।

पेटीएम ने कहा कि कंपनी और उसकी सहयोगी इकाई पेटीएम पेमेंट्स बैंक अधिकारियों को उनकी आवश्यकता के हिसाब से जानकारी, दस्तावेज उपलब्ध करा रही है। उसकी सहयोगी इकाई पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) पैसा बाहर भेजने का काम नहीं करती है।

वित्तीय मंच ने कहा, "वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसीएल), उसकी अनुषंगी कंपनियों और सहयोगी पीपीबीएल को समय-समय पर ग्राहकों के संबंध में ईडी सहित अन्य विभागों से सूचना, दस्तावेज और स्पष्टीकरण के लिए नोटिस और मांगें प्राप्त होती रही हैंङ्कइस बारे में सभी जरूरी जानकारी अधिकारियों को दी जा रही है।"

पेंट कंपनियों के समक्ष प्रतिस्पर्धा की चुनौती

तीसरी तिमाही में बर्जर पेंट्स की बाजार हिस्सेदारी सात सदी रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की दूसरी सबसे बड़ी डेकोरेटिव पेंट निर्माता बर्जर पेंट्स ने वित्त वर्ष 2024 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में अपने प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया और बाजार भागीदारी बढ़ाने में कामयाब रही। कंपनी की राजस्व वृद्धि एक साल पहले की तिमाही के मुकाबले सात प्रतिशत रही, जो एशियन पेंट्स 5.4 प्रतिशत और कनसाई नैरोलैक पेंट्स 5.7 प्रतिशत से ज्यादा है। जहां बर्जर पेंट्स का मुख्य कारोबार 9.1 प्रतिशत तक बढ़ा है, वहीं उसने डेकोरेटिव बिक्री में दो अंक की वृद्धि दर्ज की। हालांकि तिमाही में कंपनी की मूल्य वृद्धि 6.4 प्रतिशत बिक्री वृद्धि के लिहाज से कमजोर रही।

विशेषज्ञों के मुताबिक डेकोरेटिव कोटिंग सेगमेंट में मूल्य बिक्री असमानता नवंबर में की गई कीमत कटौती से पैदा हुई। फिर भी दूसरी तिमाही के मुकाबले यह अंतर पुट्टी उत्पादों पर कम जोर दिए जाने से घटा है। डेकोरेटिव पेंट बिक्री को त्योहारी सीजन से भी मदद मिली थी। हालांकि अक्टूबर में अच्छे प्रदर्शन के बाद भारत में पेंट की मांग पिछले तीन महीनों नवंबर 2023 से जनवरी 2023 के दौरान नरम पड़ी है।

बाजार अनुमानों के अनुरूप नहीं रहा एशियन पेंट्स का प्रदर्शन

बाजार दिग्गज एशियन पेंट्स ने 5०4 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि दर्ज की जो बाजार अनुमानों के अनुरूप नहीं है। जहां डेकोरेटिव सेगमेंट में 12 प्रतिशत की बिक्री वृद्धि को शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों दोनों से मदद मिली वहीं यह बाजार के अनुमान से कुछ कम रही। बदलते प्रतिस्पर्धी माहौल और कच्चे माल की कीमतों से संबंधित लाभ कमजोर पड़ने से वित्त वर्ष 2025 और वित्त वर्ष 2026 में सकल मार्जिन पर नजर रखने की जरूरत होगी। कंपनी का परिचालन मुनाफा 27.6 प्रतिशत बढ़ा, जो जताए गए अनुमानों से ज्यादा है। यह वृद्धि कच्चे माल की कीमतों में नरमी की वजह से हासिल हुई है। ब्रांड निर्माण गतिविधियों को ध्यान में रखकर कंपनी ने अपना मध्यावधि मार्जिन अनुमान 19 से 20 प्रतिशत पर बनाए रखा है।

पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज की परेशानी बढ़ी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया आरबीआई की कार्रवाई का सामना कर रहे पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ एफडीआई जांच की रिपोर्ट्स सामने आई हैं। वन 97 कम्युनिकेशंस की सब्सिडरी पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज को चीन से एफडीआई मिला था। सरकार इसी बारे में जांच कर रही है। वन 97 कम्युनिकेशंस में चीन के एंट ग्रुप का इनवेस्टमेंट है। पीपीएसएल ने नवंबर 2020 में पेमेंट एग्रीगेटर और पेमेंट गेटवे के रूप में काम करने के लिए आरबीआई के पास लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। हालांकि आरबीआई ने नवंबर, 2022 में पीपीएसएल के आवेदन को खारिज कर दिया। कंपनी को इसे दोबारा से जमा करने का आदेश दिया गया ताकि एफडीआई नियमों के तहत प्रेस नोट 3 का पालन किया जा सके। इसके बाद कंपनी ने एफडीआई गाइडलाइन के हिसाब से 14 दिसंबर 2022 को आवेदन दायर किया था। इस जांच के संबंध में वन 97 कम्युनिकेशंस ने कुछ भी नहीं कहा है। सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि एक इंटर-मिनिस्ट्रियल कमिटी पीपीएसएल में चीन से हुए निवेश की जांच कर रही है। जांच के बाद एफडीआई मुद्दे पर फैसला लिया जाएगा। प्रेस नोट 3 के तहत सरकार ने भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से किसी भी क्षेत्र में विदेशी निवेश से पहले उसकी मंजूरी लेना अनिवार्य कर दिया था।

भारत ने इंग्लैंड को रिकार्ड 434 रनों से हराया

राजकोट, एजेंसी। भारत ने तीसरे टेस्ट मैच में यशस्वी जयसवाल के नाबाद दोहरे शतक और उसके बाद रवींद्र जडेजा के 41 रन देकर पांच विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत इंग्लैंड को चौथे दिन रविवार को रिकार्ड 434 रनों से हरा दिया है।

दूसरी पारी में 557 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड ने रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव की फिरकी गेंदबाजी के आगे घुटने टेक दिये और पूरी टीम 39.4 ओवरों में 122 रन पर सिमट गई। उसके छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। भारत की टेस्ट मैच में यह सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले भारत ने न्यूजीलैंड पर 372 रनों से जीत दर्ज की थी। भारत ने इस जीत के साथ ही पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से बढ़त बना ली है।

जैक क्रॉली 11 रन, बेन डकेट चार रन, ऑली पोप तीन रन, जो रूट सात रन, जॉनी बेयरस्टो चार रन, कप्तान बेन स्टोक्स 15 रन, बेन फोक्स 16 रन, रेहान अहमद शून्य, टॉम हार्टली 16 रन बनाकर आउट हुये। मार्क वुड ने सर्वाधिक 33 रन बनाये। जेम्स एंडरसन एक रन बनाकर नाबाद रहे।

भारत की ओर से रवींद्र जडेजा ने पांच विकेट लिये। कुलदीप यादव को दो विकेट मिले। जसप्रीत बुमराह और आर अश्विन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले भारत ने यशस्वी जयसवाल के नाबाद 214 रनों के दोहरा शतक और सरफराज खान की नाबाद 68 रनों की अर्धशतक के बाद चार विकेट पर 430 रन बनाने के बाद पारी घोषित कर दी थी। भारत ने इंग्लैंड को यह मुकाबला जीतने के लिए करीब डेढ़ दिन में 557 रन बनाने का लक्ष्य दिया था। यशस्वी ने अपने दोहरे शतक में 14 चौके और 12 छक्के लगाये। इसके साथ ही वह एक श्रृंखला में भारत के लिए सबसे अधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गये है। उन्होंने नवजोत सिंह सिद्धू के सर्वाधिक छक्के का रिकार्ड तोड़ा। यशस्वी का यह लगातार दूसरा दोहरा शतक है। वहीं सरफराज पदार्पण टेस्ट की दोनों पारियों में अर्धशतक लगाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज है। सरफराज ने छह चौके और तीन छक्कों की मदद से 68 रनों की पारी खेली।

इससे पहले कल के दो विकेट विकेट पर 196 रन से आगे खेलने उतरी भारतीय टीम ने लंच तक दो और 118 जोड़े और दो विकेट गंवा थे। आज तीसरे विकेट के रूप में शुभमन गिल 91 रन के स्कोर पर रन आउट हुए। उसके बाद कुलदीप यादव भी 26 रन पर रेहान अहमद की गेंद पर स्लिप में जो रूट को कैच दे बैठे। तीसरे दिन रिटार्ड हर्ड हुए यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल के आउट होने पर फिर से बल्लेबाजी करने मैदान पर आये और अपना दोहरा शतक बनाया।

इंग्लैंड की ओर से टॉम हार्टली, जो रूट और रेहान अहमद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया है।

इससे पहले गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद यशस्वी जायसवाल (104 रिटायर्ड हर्ट) शतकीय पारी की बदौलत भारत ने तीसरे दिन शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में दो विकेट पर 196 रन बना कर मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर थी।

भारत ने पहली पारी में 445 रन बनाये थे जिसके जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 319 रनों पर सिमट गयी थी। 126 रन की बढ़त के साथ भारत ने दूसरी पारी में कप्तान रोहित शर्मा 19 रन और रजत पाटीदार शून्य का विकेट खोकर 196 रन बना लिये थे। दिन का खेल खत्म होने के समय शुभमन गिल 65 रन और कुलदीप यादव तीन रन बना कर क्रीज पर मौजूद थे।

यशस्वी जायसवाल ने टेस्ट करियर के सातवें मैच में ही अपना तीसरा शतक 122 गेंदों में नौ चौकों और पांच छक्कों की मदद से पूरा किया। इससे पहले यशस्वी पिछले टेस्ट में दोहरा शतक जड़ चुके हैं। मांसपेशियों में खिंचाव के कारण यशस्वी को 104 रन के निजी स्कोर पर रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटना पड़ा था।

इससे पहले भारतीय गेंदबाजों ने मेहमान बल्लेबाजों को बांध कर रखा। बेन डकेट 153 रन के अलावा कोई भी इंग्लिश बल्लेबाज क्रीज पर अपना प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहा। ओली पोप 39 रन और कप्तान बेन स्टोक्स 41 रन ने कुछ समय क्रीज पर रह कर भारतीय गेंदबाजों का सामना करने की हिम्मत दिखायी। भारत की ओर से मोहम्मद सिराज ने 84 रन पर चार विकेट लिये, कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा ने दो-दो विकेट मिले और जसप्रीत बुमराह एक बल्लेबाज को आउट किया था।

द.अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर व आईसीसी मैच रेफरी माइक प्रॉक्टर का निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के महान क्रिकेटर माइक प्रॉक्टर का 77 साल की आयु में निधन हो गया। आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार, माइक प्रॉक्टर की पत्नी मैरीना ने शनिवार देर रात दक्षिण अफ्रीकी मीडिया को यह जानकार दी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से प्रतिबंधित होने से पहले 1970 में प्रॉक्टर ने दक्षिण अफ्रीका के लिए सात टेस्ट खेले थे। प्रॉक्टर को एक महान टेस्ट खिलाड़ी माना जाता है। उनके सात टेस्ट मैचों में से छह में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत हासिल की थी। अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर के समाप्त होने से पहले सिर्फ 15.02 की औसत से 41 विकेट लिए थे।

73 रन देकर 6 विकेट का उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पोर्ट एलिजाबेथ में उनकी अंतिम उपस्थिति की दूसरी पारी में आया, इससे 323 रन की जीत हासिल हुई। प्रॉक्टर को बल्ले से अपनी ताकत के लिए भी जाना जाता था। उन्होंने 1969/1970 में ऑस्ट्रेलिया को 4-0 से हराने में अहम भूमिका निभाई थी और दक्षिण अफ्रीका के लिए उनके योगादन को विजडन ने स्वीकार किया था। 1970 में उन्हें वर्ष के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में से एक के रूप में नामित किया था। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पुनः प्रवेश के समय प्रॉक्टर दक्षिण अफ्रीका के कोच थे। उन्होंने प्रोटियाज को 1992 क्रिकेट विश्व कप को सेमीफाइनल तक पहुंचाया।

देश के खेलने वाले खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट में खुद को साबित करना होगा: जय शाह

मुम्बई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने केंद्रीय अनुबंधित भारतीय खिलाड़ियों से कहा है कि अगर वे देश के लिए खेलना चाहते हैं तो उन्हें घरेलू क्रिकेट में खुद को 'साबित' करना होगा।

शाह ने इस सप्ताह की शुरूआत में खिलाड़ियों को लिखे एक पत्र में कहा कि बोर्ड को इंडियन प्रीमियर लीग की सफलता पर गर्व है लेकिन खिलाड़ियों की घरेलू क्रिकेट के स्थान पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को प्राथमिकता देने की 'प्रवृत्ति' हमारी चिंता का कारण है।

उन्होंने लिखा, कुछ खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट के स्थान पर आईपीएल को प्राथमिकता देनी शुरू दी है। यह एक प्रवृत्ति बनकर उभरने लगी है और यही हमारे लिए चिंता का कारण है। हमने इस तरह की चीजों की अपेक्षा कभी नहीं की थी। घरेलू क्रिकेट हमेशा वह आधार रहा है, जिस पर भारतीय क्रिकेट खड़ा है। हमने कभी भी इस टूनार्मेंट को कम महत्व देने का प्रयास नहीं किया है।

उन्होंने कहा, इस बात को समझना बहुत ही आवश्यक है कि घरेलू क्रिकेट भारतीय क्रिकेट की रीढ़ है। यह लगातार कई सालों से भारतीय टीम को नई प्रतिभाएं देता रहा है। भारतीय क्रिकेट के लिए हमारा दृष्टिकोण शुरू से ही स्पष्ट रहा है कि भारत के लिए खेलने के इच्छुक प्रत्येक क्रिकेटर को घरेलू क्रिकेट में खुद को साबित करना होगा। घरेलू टूनार्मेंट में किसी भी खिलाड़ी के द्वारा किए गए प्रदर्शन को चयन प्रक्रिया में काफी महत्व दिया जाता है। अगर कोई खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में भाग नहीं लेता है तो इसके गंभीर प्रभाव होंगे। उन्होंने कहा, यह पत्र किसी भी खिलाड़ी आलोचना नहीं कर रहा है।

टाइगर वुड्स ने बीमारी के कारण पीजीए टूर से अपना नाम वापस लिया

कैलिफोर्निया, एजेंसी। टाइगर वुड्स ने शनिवार को जेनेसिस इनविटेशनल के दूसरे राउंड से बीमारी के कारण अपना नाम वापस ले लिया। प्रतिष्ठित रिवेरा कंट्री क्लब में टूनार्मेंट की मेजबानी करते हुए, सातवें होल पर खेलने के तुरंत बाद एक कार्ट पर कोर्स छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। पिछले अप्रैल में तीसरे दौर में चोट लगने के कारण मास्टर्स से हटने के बाद पीजीए टूर से उनकी अनुपस्थिति ने प्रशंसकों को खेल में उनके भविष्य के बारे में आश्चर्यचकित कर दिया था।

15 बार के प्रमुख चैंपियन के रूप में अपने ऐतिहासिक करियर के बावजूद, वुड्स को कैलिफोर्निया में कोर्स पर चुनौतियों का सामना करना पड़ा, और अपनी असामयिक वापसी से पहले दो ओवर पार खेले। उनके प्रदर्शन में बर्डी और बोगी के मिश्रण से उनकी प्रतिभा की झलक दिखी, लेकिन प्रतियोगिता से लंबे समय तक दूर रहने के बाद फॉर्म में लौटने की कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ा। अमेरिकी खिलाड़ी, जो गोल्फ का सबसे बड़ा आकर्षण हैं, ने गुरुवार के शुरूआती दौर में वन-ओवर-पार 72 के शानदार प्रदर्शन के दौरान पांच बर्डी और छह बोगी बनाईं। शुक्रवार को, 1992 में 16 साल की उम्र में रिवेरा में अपने पीजीए टूर डेब्यू की याद दिलाने वाली लाल, नेवी और सफेद धारीदार पोलो पहनकर वुड्स की यात्रा पूरी हो गई। हालाँकि, असफलताएँ जारी रहीं क्योंकि वह सर्जरी द्वारा ठीक किए गए पैर में ऐंठन और दर्द से जूझ रहे थे, जो उनकी चोटों के उनके शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव

एफआईएच हॉकी प्रो लीग: भारत ने आयरलैंड को 1-0 से हराया

भुवनेश्वर, एजेंसी। गुरजंत सिंह के आखिरी क्षणों में किये गये शानदार गोल की बदौलत भारत ने शुक्रवार रात कलिंगा हॉकी स्टेडियम में आयरलैंड पर 1-0 की करीबी जीत के साथ एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 के भुवनेश्वर चरण का समापन किया। गुरजंत सिंह 60वें मिनट में भारत की ओर से एकमात्र गोल करने वाले खिलाड़ी थे।

भारत ने मैच में आक्रमण शुरूआत की। उन्हें मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर तीसरे मिनट में मिला, लेकिन हरमनप्रीत की ड्रैग-फ्लिक को आयरिश डिफेंडर ने पोस्ट के पास बचा लिया। आयरलैंड ने जवाबी हमला किया, हालांकि 11वें मिनट में मैथ्यू नेल्सन का शॉट गोलपोस्ट से बाहर चला गया। शुरूआती क्वार्टर 0-0 पर समाप्त हुआ। दूसरे क्वार्टर की शुरूआत शांत रही। दोनों टीमों ने एक-दूसरे की रक्षापंक्ति को भेदने की कोशिश की मगर असफल रहे।

दूसरे क्वार्टर के अधिकांश समय में भारत के पास गेंद पर बेहतर कब्जा था। उन्होंने संभावित गोल करने के मौके बनाए और क्रमशः 20वें और 24वें मिनट में दो पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए, लेकिन एक आयरिश रक्षा ने मेजबान टीम को गोल करने से रोक दिया, इस प्रकार पहला हाफ 0-0 के गतिरोध पर समाप्त हुआ। तीसरे क्वार्टर में भारत ने गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखा, मगर आयरिश सकर्ल के अंदर जगह बनाने में असफल रहा।

भारत ने गोल करने के कई अवसर बनाए, लेकिन आयरिश रक्षापंक्ति ने उसे विफल कर दिया। भारत ने अंतिम क्वार्टर की शुरूआत में तत्परता दिखाई और तुरंत पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन हरमनप्रीत की ड्रैग-फ्लिक को आयरिश गोलकीपर ने नकार दिया। 51वें मिनट में उन्हें फिर पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वे मौके का फायदा नहीं उठा सके।

भारत ने आयरिश डिफेंस पर दबाव बनाना जारी रखा और 60वें मिनट में उनके प्रयासों का फल मिला। मेजबान टीम ने आखिरकार गुरजंत के फील्ड गोल के जरिए गतिरोध तोड़ दिया। भारतीय पुरुष हॉकी टीम अब एफआईएच हॉकी प्रो लीग के अपने रिटर्न मैच खेलने के लिए राउरकेला जाएगी। भारत राउरकेला चरण के अपने पहले मैच में 19 फरवरी को स्पेन से भिड़ेगा।

एक नजर

सचिन तेंदुलकर ने कश्मीर में बल्ला बनाने वाली इकाई का दौरा किया

श्रीनगर, एजेंसी। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर जब अपने परिवार के साथ शनिवार को यहां के संगम क्षेत्र में क्रिकेट बल्ला बनाने वाली इकाई पहुंचे तो उन्हें देखकर इसके मालिक और कारिगर खुशी से हैरान रह गये। तेंदुलकर अपनी पत्नी और बेटी सारा के साथ श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग पर चारसू में एक इकाई में पहुंचे और वहां काम करने वाले श्रमिकों से बातचीत की। एमजे स्पोर्ट्स के मालिक मोहम्मद शाहीन पार्रे ने एक मीडिया संस्थान से कहा, "हम बल्ला बनाने के काम में व्यस्त थे तभी एक कार हमारे गेट के सामने आकर रूकी। हम देखा कि इसमें से 'लिटिल मास्टर' और उनका परिवार निकला। हमें बहुत खुशी हुई।" उन्होंने बताया कि तेंदुलकर ने कश्मीरी लकड़ी (विलो) से बने बल्लों की गुणवत्ता देखी। पार्रे ने कहा, "उन्होंने कुछ बल्लों को जांचने के लिए स्ट्रोक लगाये और वे काफी खुश थे। तेंदुलकर ने कहा कि वह कश्मीरी 'विलो' और इंग्लिश 'विलो' के बल्लों की तुलना करने के लिए आये थे।" उन्होंने कहा, "हमने उनसे अनुरोध किया कि वे स्थानीय बल्लों के समर्थन करें और उन्होंने ऐसा करने का वादा भी किया।" तेंदुलकर ने करीब एक घंटा वहां बिताया और अपने प्रशंसकों से बात भी की।

पारिवारिक मेडिकल इमरजेंसी के कारण तीसरे टेस्ट से हटे रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने पारिवारिक चिकित्सीय आपात स्थिति के कारण तत्काल प्रभाव से टेस्ट टीम से नाम वापस ले लिया है। अश्विन अब चल रहे तीसरे टेस्ट मैच में नहीं होंगे। बीसीसीआई ने शुक्रवार रात एक आधिकारिक बयान में इसकी पुष्टि की।

बीसीसीआई की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, ह्लअश्विन ने पारिवारिक चिकित्सीय आपात स्थिति के कारण तत्काल प्रभाव से टेस्ट टीम से नाम वापस ले लिया है। इस चुनौतीपूर्ण समय में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और टीम अश्विन का पूरा समर्थन करती है। बीसीसीआई ने आगे कहा, ह्लबीसीसीआई चैंपियन क्रिकेटर और उनके परिवार को अपना हार्दिक समर्थन देता है। खिलाड़ियों और उनके प्रियजनों का स्वास्थ्य और भलाई अत्यंत महत्वपूर्ण है। बोर्ड अश्विन और उनके परिवार की गोपनीयता का सम्मान करने का अनुरोध करता है क्योंकि वे इस चुनौतीपूर्ण समय से गुजर रहे हैं। बोर्ड और टीम अश्विन को हर आवश्यक सहायता प्रदान करना जारी रखेगी और आवश्यकतानुसार सहायता प्रदान करने के लिए संचार के रास्ते खुले रखेंगे। टीम इंडिया इस संवेदनशील समय में प्रशंसकों और मीडिया की समझ और सहानुभूति की सराहना करती है।

तीसरे टेस्ट मैच की बात करें तो इस मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 445 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने पर 2 विकेट पर 207 रन बना लिए हैं। अश्विन ने जैक क्रॉली को आउट कर अपना 500वां टेस्ट विकेट लिया।

अर्जेंटीना ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे कार्लोस अल्कराज

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। शीर्ष वरीयता प्राप्त स्पेन के कार्लोस अल्कराज शुक्रवार को इटालियन क्वालीफायर एंड्रिया वावास्सोरी पर 7-6 (1), 6-1 से जीत के साथ अर्जेंटीना ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। यह मुकाबला एक घंटे 40 मिनट तक चला। दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी अल्कराज ने ब्यूनस आयर्स लॉन टेनिस क्लब की आउटडोर क्ले कोर्ट पर 27 रिटर्न पॉइंट जीते। जीत के बाद दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्कराज ने एटीपी के हवाले से कहा, मुझे लगता है कि पहले सेट में वावास्सोरी ऊंचे स्तर पर खेले। उनकी सर्विस लौटाना और हवा के साथ चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम करना वाकई कठिन था। 20 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने दूसरे सेट में बेहतर खेला। मुझे लगता है कि उनका स्तर थोड़ा नीचे चला गया, उनकी सर्विस भी खराब हो गई और मैंने कुछ रिटर्न लगाए, मौके बनाए और मुझे लगता है कि यही अंतर था। फाइनल में जगह बनाने के लिए अल्कराज का चिली के तीसरी वरीयता प्राप्त निकोलस जैरी या छठी वरीयता प्राप्त अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एचेवेरी से मुकाबला होगा। इससे पहले, अर्जेंटीना के फेडेरिको कोरिया और फैकुंडो डियाज ने क्रमशः सेबेस्टियन बाएज और दुसान लाजोविच को हराकर दूसरे सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की।

बिहार के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच के बाद मनोज तिवारी क्रिकेट के सभी प्रारूपों को अलविदा कहेंगे

कोलकाता, एजेंसी। पूर्व भारतीय और बंगाल क्रिकेटर मनोज तिवारी ने बिहार के खिलाफ चल रहे रणजी ट्रॉफी मैच के बाद क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की है।

2004 में बंगाल के लिए पदार्पण करने वाले तिवारी ने 48.56 की औसत से लगभग 10,000 प्रथम श्रेणी रन, 29 शतक और 45 अर्धशतक बनाए। 42.28 के औसत से उन्होंने 169 लिस्ट ए गेम्स में 5581 रन बनाये हैं। मनोज तिवारी ने सोशल मीडिया पोस्ट एक्स में कहा, "सभी को नमस्कार, तो... यह एक आखिरी पारी का समय है! संभवतः अपने प्रिय 22 गज की ओर लंबी सैर के लिए आखिरी बार। मुझे इसकी हर चीज याद आएगी!"

उन्होंने कहा, ह्लइतने वर्षों तक मुझे प्रोत्साहित करने और प्यार करने के लिए धन्यवाद। अगर आप सभी कल और परसों मेरे पसंदीदा ईडनगार्डन में बंगाल का उत्साह बढ़ाने आएंगे तो बहुत अच्छा लगेगा। क्रिकेट का एक वफादार सेवक, आपका मनोज तिवारी। 2011 और 2012 में कुछ अवसर मिलने से पहले, 2008 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय मैच में भारत के लिए पदार्पण करने के बाद तिवारी को तीन साल इंतजार करना पड़ा। दिसंबर 2011 में चेन्नई में, उन्होंने अपने 12 मैचों के एकदिवसीय करियर में वेस्ट इंडीज के खिलाफ अपना एकमात्र शतक बनाया। 2014 में, एक बार फिर बाहर किए जाने और कई चोटों से जूझने के बाद उन्हें बांग्लादेश में एक वनडे के लिए वापस बुला लिया गया। उन्होंने अपनी अंतिम श्रृंखला उसी वर्ष जुलाई में जिम्बाब्वे में खेली। तिवारी आईपीएल में पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स (पूर्व में दिल्ली डेयरडेविल्स) और राइजिंग पुणे सुपरजायंट के लिए खेले।

भारतीय क्रिकेट में मनोज तिवारी की यात्रा उतार-चढ़ाव के एक रोलरकोस्टर की तरह है, जो दुर्भाग्यपूर्ण असफलताओं से घिरे वादे के क्षणों से चिह्नित है। बंगाल से आने वाले, घरेलू क्रिकेट में तिवारी के शुरूआती कारनामों ने ध्यान आकर्षित किया, विशेष रूप से 2006-07 रणजी ट्रॉफी में उनके शानदार प्रदर्शन ने, जहां उन्होंने 99.50 की औसत से 796 रन बनाए और साथ ही कई रिकॉर्ड भी तोड़े। भारत के लिए उनके लंबे समय से प्रतीक्षित पदार्पण की प्रतीक्षा की जा रही थी, लेकिन भाग्य को कुछ और ही मंजूर था। भाग्य के एक क्रूर मोड़ में, मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ अपने पहले मैच की पूर्व संध्या पर क्षेत्ररक्षण अभ्यास के दौरान तिवारी को कंधे में गंभीर चोट लग गई। इस झटके के कारण उनके अंतर्राष्ट्रीय पदार्पण में देरी हुई, और जब अंततः 2008 की शुरूआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अवसर आया, तो जेटलैग और ब्रेट ली जैसे खिलाड़ियों का सामना करना कठिन चुनौतियां साबित हुईं।

पिछले कुछ वर्षों में छिटपुट अवसरों के बावजूद, जिसमें 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला वनडे शतक भी शामिल है, तिवारी ने खुद को असंगतता और चोट की समस्या से जूझते हुए पाया। रहस्यमय बेंचिंग और किनारे पर लंबे समय तक स्पैल ने उनकी हताशा को बढ़ा दिया, क्योंकि वह राष्ट्रीय टीम में स्थायी स्थान सुरक्षित करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। हालाँकि, तिवारी का लचीलापन चमक गया क्योंकि उन्होंने टीम में अपनी जगह के लिए संघर्ष जारी रखा। असफलताओं के बावजूद, उन्होंने अपने रास्ते में आए हर अवसर का लाभ उठाया, जिसमें 2012 आईसीसी विश्व ट्वेंटी20 टीम में शामिल होना भी शामिल था।

फिर भी, चोटें उन्हें परेशान करती रहीं, जिससे उन्हें लंबी छुट्टी और पुनर्वास की अवधि सहन करने के लिए मजबूर होना पड़ा। 2013-14 विजय हजारे ट्रॉफी तक ऐसा नहीं था कि तिवारी ने आठ महीने की अनुपस्थिति के बाद विपरीत परिस्थितियों से उबरने के अपने दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करते हुए वापसी की।

तकनीकी विवि की अंतर विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता के मुकाबले शुरू

हमीरपुर, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर की अंतर विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता शनिवार को शुरू हुई। तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता के पहले दिन सिंथेटिक ट्रैक इनडोर स्टेडियम अणु में मुकाबले खेले गए। तकनीकी विवि के उप कुलसचिव सुरेंद्र शर्मा ने खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि तकनीकी विवि के कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान, अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो जयदेव व कुलसचिव कमल देव सिंह कंवर के प्रयासों से पहली बार अंतर विभागीय खेलकूद प्रतियोगिताएं करवाई जा रही है, ताकि तकनीकी विवि परिसर में पढ़ने वाले विद्यार्थी भी खेलकूद में अपनी प्रतिभा का दमखम दिखा सके।

प्रतियोगिता के पहले दिन 100, 200, 400 और 1600 मीटर दौड़ की स्पधाएं हुई। इसके अलावा बैडमिंटन, वॉलीबाल, फूटबॉल, लंबीकूद के मुकाबले हुए। पुरूष वर्ग की 100 मीटर दौड़ में बीटेक दूसरे सेमेस्टर के प्रबल ने पहला, एमबीए दूसरे सेमेस्टर के अखिल ने दूसरा और बीटेक दूसरे सेमेस्टर के अक्षित ने तीसरा स्थान हासिल किया।

वहीं, महिला वर्ग की 100 मीटर दौड़ में बीटेक की सायशा ने पहला, प्रिया ने दूसरा और एमबीए पर्यटन की पल्लवी तीसरे स्थान पर रही। पुरूष वर्ग की 200 मीटर दौड़ में एमबीए पर्यटन विभाग के अखिल ने पहला, एमबीए के आकाश ने दूसरा और बीटेक के आर्यन ने तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग की 200 मीटर दौड़ में सायशा प्रथम रही।

पुरूष वर्ग की 400 मीटर दौड़ में एमबीए का रोहित, बीटेक का प्रबल व शंभू क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। 1600 मीटर दौड़ में एमबीए के रामनेश ने पहला, साहिल ने दूसरा और शुभम ने तीसरा स्थान हासिल किया। बैडमिंटन के एकल मुकाबले में बीटेक का तनिश पहले, एमबीए का निखिल दूसरे और बीटेक का गुरप्रीत तीसरे स्थान पर रहा।

महिला वर्ग के एकल मुकाबले में एमएससी पर्यावरण विज्ञान की मेघा विजेता, बीटेक की प्रिया उपविजेता और बीटेक की सायशा तीसरे स्थान पर रही। बैडमिंटन के महिला वर्ग के डबल में मेघा व पल्लवी की टीम विजेता और प्रिया व सायशा की टीम विजेता रही।

बदले की भावना से स्वयं का नुकसान

जब कभी भी आप अपने क्रोध का करीब से निरीक्षण करेंगे तो पाएंगे कि इसके मूल में आपके आत्मसम्मान या अभिमान में लगी ठेस, सपनों का टूटना या कोई ऐसा ही कारण रहा होगा, जिससे आप हतप्रभ रह गए होंगे।

हालांकि ये कारण ऐसे हैं, जिनसे बिना क्रोध किए भी आसानी से निबटा जा सकता है। फिर आप क्रोध क्यों करते हैं? हम सभी के पास कुछ न कुछ ऐसा है, जिसे हम एक-दूसरे को जाने बिना भी दे सकते हैं। यह कुछ आखिर है क्या, जिसे किसी अपरिचित को भी दिया जा सकता है। क्या नुकसान की आशंका में इससे कोई तनाव उत्पन्न नहीं होगा? आपको आश्चर्य होगा, लेकिन यह सच है कि इससे आपको कोई नुकसान नहीं होगा, बल्कि आपके अंतरतम में पहले से मौजूद तनाव भी कहीं तिरोहित हो जाएगा। आज हर कोई गुस्से से पागल हुआ जा रहा है। बचे-बूढ़े भी इससे अछूते नहीं हैं।

क्रोध है शैतान

दरअसल, क्रोध एक ऐसी समस्या है, जिसकी तुलना शैतान से की गई है। इसका संबंध सिर्फ बुरी भावनाओं या मनोवैज्ञानिक समस्याओं से ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिकता से भी है। हॉरेस के अनुसार क्रोध क्षणिक पागलपन है, जबकि थॉमस फ्यूलर इसे समुद्र में उठा तूफान मानते हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि क्रोध के दुष्परिणामों से डरकर हम इसका दमन शुरू कर दें। क्रोध का दमन अक्सर गंभीर परिणामों को जन्म देता है, जिससे क्रोध करने वाला तो प्रभावित होता ही है, कई निर्दोष भी प्रभावित हो जाते हैं। हम अचानक ही एक दिन में क्रोध करना नहीं छोड़ सकते। क्रोध पर नियंत्रण एक क्रमिक प्रक्रिया है। क्रोध पर नजर रखते हुए इसकी तीव्रता को धीरे-धीरे ही कम किया जा सकता है। अरस्तु के अनुसार क्रोध कोई भी कर सकता है। यह बहुत आसान है, लेकिन सही समय, सही कारण, सही व्यक्ति व सही दिशा में इसका प्रक्षेपण आसान नहीं है।

निंदा से बचें

क्रोध से दूर रहने की पहली शर्त यह है कि आप निर्दोष व्यक्ति, समाज व राष्ट्र की निंदा से बचें। फिर भी यदि आपको गुस्सा आता है तो इसका प्रदर्शन सतही ही रखें। मन में बदले की भावना न रखें। इसके लिए अपनी उन भावनाओं और कारणों को महत्व न दें, जो आपको क्रोध की अग्नि में जलने को मजबूर कर दें। ये भावनाएं या कारण ऐसे हैं, जिनसे क्रोध के बगैर भी आसानी से निबटा जा सकता है। फिर आप क्रोध क्यों करते हैं? क्रोध पर नियंत्रण करना आप आसानी से सीख सकते हैं और अभ्यास के द्वारा इसमें महारत भी हासिल कर सकते हैं। यदि आप जीवन में अपराध व हिंसा से मुक्त रहने की कोशिश करें तो इस संसार में काफी कुछ बदला जा सकता है। हम और यादा रचनात्मक हो सकते हैं। इसके लिए क्रोध करना जरूरी नहीं हैं। यदि कुछ जरूरी है तो वह है अपनी मानवीय भावनाओं को सिर्फ उजागर करना।

जानिए रुद्राक्ष के वैदिक रहस्य...

ग्यारहमुखी रुद्राक्ष को साक्षात रुद्र माना जाता है। यह 11 रुद्रों एवं भगवान शंकर के ग्यारहवें अवतार संकटमोचन महावीर बजरंगबली का प्रतीक है। इसे धारण करने वाले व्यक्ति को सांसारिक ऐश्वर्य और संतान सुख प्राप्त होता है और उसकी सारी ऊपरी बाधाएं दूर होती हैं। तेरहमुखी रुद्राक्ष साक्षात इंद्र का स्वरूप है। यह कार्तिकेय के समान समस्त प्रकार के ऐश्वर्य देता है और कामनाओं की पूर्ति करता है। इसे धारण करने से व्यक्ति सभी प्रकार की धातुओं एवं रसायनों की सिद्धि का ज्ञाता हो जाता है। प्राचीन वैदों के अनुसार अनुसार कामदेव को भी तेरहमुखी रुद्राक्ष का देवता माना गया है। पंद्रहमुखी रुद्राक्ष को भगवान पशुपतिनाथ का स्वरूप माना गया है। यह धारक के आर्थिक एवं आध्यात्मिक स्तर को उठाकर उसे सुख, संपदा, मान- सम्मान-प्रतिष्ठा एवं शांति प्रदान करता है।

पंद्रहमुखी रूद्राक्ष विशेष रूप से नजर दोष और भूत बाधा से मुक्ति प्राप्ति के लिए धारण किया जाता है।

बीसमुखी रुद्राक्ष को जनार्दन स्वरूप कहा गया है। इसे धारण करने से भूत, पिशाच आदि का भय नहीं रहता। बीसमुखी रुद्राक्ष धारण करने से क्रूर ग्रहों का अशुभ प्रभाव भी नहीं पड़ता है। इसे पहनने वाले को सर्पादि विषधारी प्राणियों का भी भय नहीं होता है।

सबसे आसान रास्ता

एक बार एक डाकू एक संत के पास आया और बोला, महाराज! मैं अपने जीवन से परेशान हो गया हूं। जाने कितनों को मैंने लूटकर दु:खी किया है, उनके घरों को तबाह किया है। मुझे कोई रास्ता बताइए, जिससे मैं इस बुराई से बच सकूं।

संत ने बड़े प्रेम से कहा, बुराई करना छोड़ दो, उससे बच जाओगे। डाकू ने कहा, अच्छी बात है। मैं कोशिश करूंगा। डाकू चला गया। कुछ दिनों के बाद वह फिर लौटकर आया और संत से बोला, मैंने बुराई को छोड़ने की बहुत कोशिश की, लेकिन छोड़ नहीं पाया। अपनी आदत से मैं लाचार हूं। मुझे कोई दूसरा उपाय बताइए।

संत ने थोड़ी देर सोचा, फिर बोले, अच्छा, ऐसा करो कि तुम्हारे मन में जो भी बात उठे, उसे कर डालो, लेकिन प्रतिदिन उसे दूसरे लोगों से कह दो। संत की बात सुनकर डाकू को बहुत खुशी हुई। उसने सोचा कि इतने बड़े संत ने जो मन में आए, सो कर डालने की आज्ञा दे दी है। अब वह बेधड़क डाका डालेगा और दूसरों से कह देगा। यह बहुत ही आसान है। वह उनके चरण छूकर लौट गया। कुछ दिनों के बाद वह फिर संत के पास आया और बोला, महाराज! आपने मुझे जो उपाय बताया था, उसे मैंने बहुत आसान समझा था, लेकिन वह निकला बड़ा कठिन। बुरा काम करना जितना मुश्किल है, उससे कहीं अधिक मुश्किल है दूसरों के सामने अपनी बुराइयों को कहना। फिर थोड़ा ठहरकर वह बोला, दोनों में से अब मैंने आसान रास्ता चुना है। डाका डालना ही छोड़ दिया है।

शुद्ध आत्माओं का मनन करें

चरित्र ही मनुष्य के जीवन की अनमोल थाती है। चरित्रविहिन मनुष्य पशु तुल्य होता है।

संसार में जितने भी धर्म हैं सभी चरित्र का पाठ पढ़ाते तो हैं किंतु चरित्र की सूक्ष्मता का उतनी गंभीरता से विचार नहीं करते जितना जैन दर्शन में किया जाता है। जैन धर्म चरित्र प्रधान धर्म है। जिसमें चरित्र की ही पूज्यता है, मान्यता है। चरित्र बिना ज्ञान कागज के फूल के समान खुशबू रहित है। यही कारण है कि जैन धर्म के मूल मंत्र णमोकार मंत्र में भी किसी व्यक्ति विशेष को नमस्कार न कर उन सभी भव्य आत्माओं को नमस्कार किया है जिन्होंने अपने चरित्र की उत्कृष्टता, पवित्रता एवं उवलता के कारण परमात्मा तत्व की प्राप्ति की है अथवा वर्तमान में जो भी इस मार्ग को अपनाकर चरित्र शुद्धि के मार्ग में अग्रसर हैं, वे ही पूज्य हैं।

आत्म तत्व की शक्ति

जैन दर्शन के अनुसार प्रत्येक प्राणी की अपनी स्वतंत्र सत्ता है, चाहे वह मनुष्य हो, देव नारकी अथवा पशु ही क्यों न हो। आत्मतत्व की शक्ति की अपेक्षा से सभी जीव समान है। चरित्र शुद्धि के मार्ग पर अग्रसर होना प्रत्येक जीव का प्रथम कर्तव्य है। चरित्र शुद्धि के मार्ग पर अग्रसर होकर ही यह जीव परमात्मा पद, सर्वोच्च पद प्राप्त कर सकता है। अपनी चारित्रिक अशुद्धियों के कारण ही यह जीव इस संसार की चौरासी लाख योनियों में निरंतर भटक रहा है। चरित्र शुद्धि जैन धर्मावलंबियों की धर्म साधना का मूल उद्देश्य होता है तथा जैनियों के जितने भी पर्व होते हैं उसमें चरित्र प्रधान होते है।

धर्म के लक्षण

सत्य, संयम, तप, त्याग, ब्रह्मचर्य आदि जो है वे सब धर्म के लक्षण हैं। हमारी आत्मा के निज स्वभाव है। मूलत: अपनी स्वाभाविक अवस्था में आत्मा इन्हीं में रमण करती है। जिस प्रकार खुशबू को फूल से अलग नहीं किया जा सकता उसी प्रकार इन गुणों को भी आत्मा से अलग नहीं किया जा सकता।

आत्मा के विकारी भाव

क्रोध, मान, माया, लोभ, राग, द्वेष, मद-मत्सर, ईर्ष्या आदि के भाव हमारी आत्मा के विकारी भाव है जिन्हें हमें जानना है तथा इनका दृढ़तापूर्वक शमन करना है, दमन करना है। अपनी आत्मा को अपने चरित्र को उवल, पवित्र तथा उत्कृष्ट बनाना है। इन्हीं भावनाओं को भाने के लिए चरित्र में लाने के लिए यह दशलक्षण महापर्व मनाया जाता है। इन दस दिनों में धर्म के स्वरूप के माध्यम से प्रत्येक श्रावक स्वयं अपनी आत्मा का अवलोकन करता है। अपनी सारी बुराइयों का चिंतन करता है तथा उन्हें दूर करने में प्रयासरत होता है, भावना भाता है, तद्नुरूप संयम तथा त्याग का मार्ग अपनाता है। अपने गुरुजनों से धर्म मार्ग पर चलने की प्रेरणा पाता है।

बुराइयों को नजरअंदाज करें

बुराइयां क्या हैं, क्यों हैं, किस कारण से हैं, उनका स्वरूप कैसा है तथा वे कैसे-कैसे रूप बदलकर हमारे सामने उपस्थित होतीं हैं यह जानना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। तभी वह इन बुराइयों से बचकर सत्मार्ग अपना सकता है। बुराइयों को त्यागना तथा अच्छाइयों को अपनाना ही इस महापर्व की सार्थकता है।

चरित्र की शुद्धता

चरित्र शुद्धि के इस महापर्व पर श्री वीर प्रभु से यही मंगल प्रार्थना करता हूं कि प्रत्येक मनुष्य के मन में एक-दूसरे के प्रति प्रेम, वात्सल्य, भाईचारे के भाव जागृत हो, क्षमा दया के भाव हो, हम स्वयं सदा सुखी रहें और औरों को निरंतर सुखी रखने का प्रयास करें। उनके मंगल की भावना भाएं, विश्व बंधुत्व की भावना से सदा ओत-प्रोत रहें, सुखी रहें। सब जीव जगत की भावनाओं के साथ मंगल विराम लेता हूं।

त्याग का मार्ग कठिन

त्याग का मार्ग वस्तुत: कठिन प्रतीत होता है। किंतु इसे सरल से सरल प्रक्रिया द्वारा कैसे अपनाया जाए कैसे अपने जीवन में उतारा जाए, कैसे अपने जीवन को स्वावलंबी बनाया जाए तथा कैसे अपने जीवन को पराश्रित होने से बचाया जाए इसकी शिक्षा दशलक्षण पर्व के इन्हीं दस दिनों में सीखने मिलती है। सहजता से जीवन जीने की कला ही धर्म है। और यह पर्व हमें यही कला सिखलाता है।

सद्विचार का लें संकल्प

हमारा जीवन भगवान की अद्भुत सृष्टि है। परमात्मा ने हमारे जीवन को कर्मभूमि के रूप में विकसित किया है।

हमारे जीवन की सफलता-असफलता कर्म पर ही निर्भर करती है। हमारे जीवन की जीवनी शक्ति हमारे विचारों से ही प्रभावित होती है। भगवान किसी को बुरा या अच्छा नहीं बनाता है न ही जन्मकाल में अच्छे-बुरे की पहचान करना संभव है। मनुष्य केवल अपने प्रारब्ध को लेकर आता है, लेकिन आगे चलकर वह जिन विचारों, वातावरण व परिवेश में पलता है, उसमें वैसा ही गुण निर्मित होने लगता है।

माता-पिता का प्रभाव

संस्कारी माता-पिता के घरों में पलने वाले बच्चों पर माता-पिता का सीधा प्रभाव पड़ता है, लेकिन जो गलत संस्कार में पलते हैं, उनका जीवन दुष्प्रभावित होने लगता है, अत: हमें बचपन से ही अच्छे संस्कारों, विचारों व कार्यों के बीज अंकुरित करना चाहिए। सुबह का समय बड़ा महत्वपूर्ण होता है। अत: प्रात:काल आंखें मूंदकर यह प्रार्थना करो कि, हे परमात्मा! तुम मुझमें शक्ति भरो, मस्तिष्क, मुंह, ग्रीवा, लीवर, किडनी, हृदय आदि को शक्तिवान बनाओ। मेरी इंद्रियों को सबल बनाओ।

पंच तत्व शरीर को स्वस्थ रखें

पंच तत्व (पृथ्वी, अग्नि, वायु, जल व आकाश) मेरे शरीर को स्वस्थ रखें। यदि तुम जीवन के प्रति उत्तम विचार रखोगे तो तुम्हारा जीवन उत्तम बनेगा और यदि नकारात्मक भाव रखोगे तो नकारात्मक हो जाएगा। शरीर की जीवनी शक्ति नकारात्मक हो जाएगी।

शरीर विचारों से प्रभावित

हमारा शरीर अपने विचारों से ही प्रभावित होता है। जो लोग जीवन को आंनद के रूप में, ऐश्वर्य व सफलता के रूप में, संगीत के रूप में स्वीकार करते हैं, उनका जीवन आनंदमय हो जाता है। हालांकि ऐसे लोग भी हैं जो जीवन को निराशा, असफलता व विपत्ति के रूप में स्वीकारते हैं, उनका जीवन आंसू बनकर बह जाता है। प्रश्न यह है कि हम अपने जीवन को आंनद के रूप में स्वीकारते हैं या दु:ख के सागर के रूप में, जीवन को इससे कुछ लेना-देना नहीं है कि वह जीवन में दु:ख लेकर आए या सुख लेकर। जीवन तो सीधा जीवन है, आप उसे जिस पात्र में रखेंगे, उसका स्वरूप वैसा ही हो जाएगा। जैसे गंगाजल को घड़े में रखेंगे तो वह घड़े का और लोटे में रखेंगे तो लोटे का रूप धर लेगा। इसी प्रकार आप जीवन को जिस पात्र में रखेंगे उसका स्वरूप वैसा ही हो जाएगा।

संपूर्ण जीवन के स्वामी

जीवन को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कैसा पात्र हैं। हम एक संपूर्ण जीवन के स्वामी हैं। यदि हमारे जीवन में कोई विकृति है, कोई विकार है तो हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि अब मेरा विकार नष्ट हो रहा है, दुर्गन्ध नष्ट हो रही है। मेरे जीवन में सद्गुण उदित हो रहा है। मैं स्वस्थ हो रहा हूं। मेरी इन्द्रियां स्वस्थ हो रही है। मेरी ऊर्जा शक्ति बढ़ रही है। ऐसे विचारों को प्रतिदिन प्रसन्नतापूर्वक स्वीकार करना चाहिए और यह संकल्प लेना चाहिए कि मैं क्रियाशील रहूंगा। आलस्य का त्याग करूंगा। नशे का सेवन नहीं करूंगा। लोगों से मुस्कुराकर बात करूंगा। क्रोध पर विजय प्राप्त करूंगा। मन की सारी बुरी भावनाओं का त्याग कर दूंगा। अच्छे विचारों से प्रेरित होकर सुबह से शाम तक अपने काम को पूर्ण करूंगा। ऐसे विचारों के उदय होने से हमारे जीवन में आनंद के फूल खिलने लगेंगे।

रास्ते के दीपक

हमें आध्यात्मिक और व्यावहारिक ज्ञान संतों की संगति में ही मिलता है। सत्संग हमारे कोरे और मलिन हृदयों को ज्ञानवान और पवित्र बनाने का ही एक मार्ग है। इनसे हमें कतराना नहीं चाहिए। संत ही हमारे पथ के दीपक होते हैं।

एक बार संत नामदेव जी के सत्संग में गृहस्थ शामनाथ अपने पुत्र तात्या को लेकर आए। शामनाथ पक्के धार्मिक और सत्संगी थे, जबकि उनका पुत्र धर्म-कर्म और साधु-संतों की संगत से भी दूर भागता था। संत नामदेव को शीश नवाते हुए शामनाथ ने कहा, महाराज, यह मेरा पुत्र तात्या है। सारा दिन कामचोरी और आवारागर्दी में व्यतीत करता है। सत्संग के नाम से भी बिदकता है। कृपया इसका मार्गदर्शन कीजिए। शायद आपके समझाने से इसे कुछ ज्ञान हो जाए। शाम हो चली थी। नामदेव दोनों को मंदिर के पीछे लंबी-चौड़ी दालान में ले गए। वहां एक कोने में एक लालटेन जल रही थी, मगर संत उन दोनों को लालटेन से दूर दूसरे अंधेरे कोने में ले गए तो तात्या बोल उठा, महाराज, यहां अंधेरे में क्यों बैठते हैं। वहां लालटेन के पास चलिए ना। वहां हमें लालटेन का उचित प्रकाश भी मिलेगा। हम एक-दूसरे को देख तो सकेंगे। यह सुनकर नामदेव जी मुस्कराए और बोले, पुत्र, तुम्हारे पिता भी तुम्हें दिन-रात यही समझाने में लगे रहते हैं। हमें प्रकाश तो लालटेन के पास जाने से ही मिलता है। मगर हम अंधकार में ही हाथ-पैर मारते रह जाते हैं। ठीक इसी प्रकार हमें आध्यात्मिक और व्यावहारिक ज्ञान भी संतों की संगति में ही मिलता है। सत्संग हमारे कोरे और मलिन हृदयों को ज्ञानवान और पवित्र बनाने का ही एक मार्ग है। इनसे हमें कतराना नहीं चाहिए। संत ही हमारे पथ के दीपक होते हैं। सटीक व सहज भाव से दिए गए ज्ञान ने तात्या की आत्मा को भी प्रकाशवान कर दिया।

डीपफेक वीडियो पर रश्मिका ने कहा-ये नॉर्मल नहीं है, चुप मत रहिए

रश्मिका मंदाना ने हाल ही में अपना डीपफेक वीडियो वायरल होने पर रिएक्शन दिया है। रश्मिका हैदराबाद में हुए अपकमिंग फिल्म एनिमल के प्रमोशनल इवेंट में पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने डीपफेक पर बात करते हुए लड़कियों को इसके लिए सचेत किया है। उनका मानना है कि इस तरह के मामले होना आम बात नहीं है और हर किसी को इसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।

रश्मिका मंदाना फिल्म एनिमल को–स्टार्स रणबीर कपूर, बॉबी देओल और अनिल कपूर समेत पूरी टीम के साथ हैदराबाद में फिल्म प्रमोट करने पहुंची थीं। हैदराबाद में हुए इवेंट के दौरान रश्मिका से उनके डीपफेक वीडियो पर सवाल किए गए थे। इस पर उन्होंने कहा, साउथ इंडस्ट्री से लेकर नॉर्थ इंडस्ट्री तक कई लोग मेरे सपोर्ट में सामने आए। इससे मुझे एहसास हुआ कि इसे (डीपफेक वीडियो वायरल होने को) सामान्य रूप से लेने की जरुरत नहीं है। लोगों के सपोर्ट से मुझे बहुत सुरक्षित और सिक्योर महसूस हो रहा है। तो मैं हर एक लड़की से ये कहना चाहती हूं कि ये नॉर्मल नहीं है। जब कुछ आपको बहुत इफेक्ट करता है तो आपको चुप रहने की जरुरत नहीं है। जब आप अपने लिए खड़े होते हैं तो लोग भी आपको सपोर्ट करते हैं। जहां हम रहते हैं वो एक बेहतरीन देश है।

रश्मिका से पूछा गया कि सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग को उन्होंने कैसे हैंडल किया तो एक्ट्रेस ने कहा, मुझे लगता है कि मुझे बहुत सपोर्ट मिला है। मेरा मानना है कि किसी भी एक्टर, क्रिकेटर या पब्लिक पर्सनालिटी पर निर्भर करता है कि वो ट्रोलिंग और मीम कौ कैसे हैंडल करता है।

आज एक महिला और एक एक्ट्रेस के तौर पर मैं अपने परिवार, दोस्तों और शुभचिंतकों की आभारी हूं, जो मेरे लिए प्रोटेक्शन और सपोर्ट सिस्टम हैं। अगर मेरे साथ ऐसा तब होता जब मैं स्कूल या कॉलेज में थी, तो मैं सचमुच सोच भी नहीं सकती कि मैं इस सिचुएशन से खुद को कैसे बाहर निकाल पाती। हमें एक समाज के रूप में तत्काल अपनी पहचान के साथ हो रहे खिलवाड़ के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए, इससे पहले कि और भी लोग इसके शिकार हो जाएं।

आलिया, काजोल, कटरीना भी हुईं डीपफेक का शिकार

रश्मिका मंदाना के बाद काजोल डीपफेक टेक्नोलॉजी की शिकार बन गईं। काजोल का कपड़े बदलते हुए एक डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था। इसके बाद कटरीना कैफ की फिल्म टाइगर 3 से एक फोटो सामने आई थी, जिससे छेड़छाड़ की गई थी। हाल ही में सोमवार को आलिया भट्ट का भी एक फेक बोल्ड वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

फातिमा ने साझा किया सैम बहादुर में काम करने का अनुभव

विक्की कौशल अभिनीत फिल्म सैम बहादुर में फातिमा सना शेख भी नजर आएंगी। अभिनेत्री फिल्म में दिवंगत पीएम इंदिरा गांधी का रोल अदा करती दिखेंगी। हाल ही में उन्होंने मेघना गुलजार द्वारा निर्देशित इस फिल्म में काम करने का अनुभव साझा किया। बता दें कि सैम बहादुर फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की जीवन पर आधारित है। फातिमा सना शेख का कहना है कि उनकी कहानी लोगों को बताई जानी चाहिए। अभिनेत्री को उम्मीद है कि युद्ध नायक पर आधारित यह फिल्म नई पीढ़ी को प्रेरणा देगी।

बता दें कि फिल्म में विक्की कौशल फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के रोल में नजर आएंगे। फिल्म में इंदिरा गांधी का रोल अदा कर रहीं फातिमा सना शेख का कहना है कि इस फिल्म में काम करना उनके लिए बेहद सीखने वाला अनुभव रहा है। फातिमा ने कहा, फिल्म सैम बहादुर तमाम दर्शकों तक पहुंचेगी और लोगों को प्रेरित करेगी। एक पूरी पीढ़ी सैम मानेकशॉ के बारे में नहीं जानती है। मैं भी नहीं जानती थी। फिल्मों के जरिए आप वास्तविक जीवन के नायकों की खोज करते हैं।

अभिनेत्री ने आगे कहा, कभी–कभी आपको यह यकीन दिलाने में किसी और की जरूरत होती है कि ये वो कहानी है, जिसे लोगों को बताना जरूरी है और ऐसा करना साहसिक काम है। फातिमा का कहना है कि यह एक बेहद अहम किरदार है, यह एक जिम्मेदारी है जिसे आप ले रहे हैं और एक बड़ा जोखिम है। हम सभी इस फिल्म का इंतजार कर रहे हैं।

फिल्म में अपने इंदिरा गांधी के किरदार को लेकर फातिमा ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं हो पा रहा था कि इस प्रतिष्ठित किरदार को वे निभा पाएंगी। अभिनेत्री ने कहा, इस किरदार को निभाते हुए मैं लकी फील कर रही हूं। लेकिन, ईमानदारी से कहूं तो मुझे खुद पर यह यकीन कर पाने में काफी समय लगा कि मैं इसे निभा सकती हूं। मेघना गुलजार मुझे लेकर सुनिश्चित थीं, लेकिन मैं नहीं हो पा रही थी। बता दें कि सैम बहादुर एक दिसंबर 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का मुकाबला रणबीर कपूर की एनिमल से होगा। एनिमल का निर्देशन कबीर सिंह फेम संदीप रेड्डी वांगा ने किया है।

हां, मैंने छुपाई थी अपनी शादी और दो बच्चियों की मां होने की बात, लेकिन...

कम लोगों को ही पता है कि अभिनेत्री पाखी हेगड़े ने फिल्मों में जब अपने करियर की शुरुआत की तो वह पहले से ही शादीशुदा थीं और दो बेटियों की मां भी थीं। यह बात पाखी ने काफी समय तक छुपाकर रखी और नए नाम और नई पहचान से एक्टिंग प्रोफेशन में कदम रखा। पाखी हेगड़े कहती हैं कि उनका बचपन बहुत ही अभाव में गुजरा, वह नहीं चाहती थी कि उनकी बेटियों का भविष्य आगे चलकर खराब हो। उनकी जिंदगी में एक ऐसा मोड़ आया जब उन्हें लगने लगा अपनी बेटियों साथ अपनी जिंदगी खत्म लेंगी। लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी, पाखी हेगड़े की कहानी किसी प्रेरणा से कम नहीं है।

19 साल में हो गई शादी

ग्रेजुएशन करने के बाद मैं अपने करियर के बारे में सोच ही रही थी कि 19 साल की उम्र में मेरी शादी हो गई। मेरा बचपन बहुत ही अभाव में ही गुजारा। मेरी पढ़ने की बहुत ही चाहत रही। मेरा पापा मधुकर शेट्टी की मृत्यु तब हो गई थी, जब मैं चौथी कक्षा में थी। पापा के गुजरने के बाद मेरी मां सीता शेट्टी हमेशा मेरी शादी को लेकर चिंचित रहती थी। जितनी जल्दी शादी हुई, उतने ही जल्दी बच्चे भी हो गए। एक समय पर मुझे लगा कि आगे चलकर मेरे बच्चों को समस्या हो सकती है। पति के शराब पीने की आदतों से पारिवारिक जिंदगी डिस्टर्ब होने लगी। मैं भी बहुत ज्यादा डिस्टर्ब हो रही थी। फिर मैंने सोचा कि बच्चों के साथ अपनी जिंदगी अकेले गुजारनी चाहिए।

मेरी स्टूडेंट ने दिया एक्टिंग का सुझाव

वसई में पापा का एक छोटा सा होटल था। तीन भाई और दो बहनों में सबसे छोटी मैं ही हूं। पापा की मृत्यु हुई तो एक भाई पांचवी और एक भाई छठवीं में था। दोनों को पढाई छुड़ाकर होटल पर बैठा दिया गया ताकि घर खर्च चल सके। बचपन में जब पिता का साया सिर से उठ जाए तो काफी मुश्किलें आती हैं। मां ने किसी तरह से हमारी परवरिश की। खैर, जब मैंने पति से अलग रहने का फैसला किया, तो सोच लिया था कि मुझे घर वापस नहीं जाना है। सोचा कि घर वापस जाऊंगी तो भाइयों की जिंदगी को डिस्टर्ब करूंगी। घर वालों ने तो अपना फर्ज निभा ही दिया था। बेटी और बहन होने के नाते मुझे भी अपना फर्ज निभाना था। मैने सोचा जो कुछ भी करना है, अपने पैरो पर खड़े होकर करना है। सवाल यह था कि क्या किया जाए। मैं बच्चों को पढ़ाती भी थी। मेरी एक स्टूडेंट एक्टिंग करती थी, उसी ने मुझे सुझाव दिया कि एक्टिंग करनी चाहिए।

जिंदगी खत्म करने का भी सोचा

मैं तो जिंदगी के ऐसे मोड़ पर खड़ी थी कि कुछ भी काम मिल जाए करना ही है। लेकिन एक्टिंग प्रोफेशन के बारे के बारे में जानती नहीं थी। मेरे लिए यह जद्दोजहद रही कि एक महीने के अंदर अपने लिए कुछ कर लूं। या तो मुझे कुछ आशा की किरण दिखाई दे, या फिर अपनी बेटियों साथ मैंने अपनी जिंदगी खत्म करने का फैसला कर लिया था। लेकिन मन में यह विश्वास जरूर था कि कुछ अच्छा होने वाला है। क्योंकि दुख के बाद सुख तो आता ही है। जब दुख की पराकाष्ठा होती है तो समझ लो कि अब सुख आने वाला है।

दोनों बेटियां मशहूर ब्लॉगर

मुझे अपने जीवन में जो कुछ भी करना था, अपनी बेटियों के लिए करना था। मुझसे किसी कहा कि अगर आप इंडस्ट्री में यह बताकर काम करोगी कि बच्चे हैं तो लोग उसका गलत फायदा उठाएंगे, जो कि किसी भी इंडस्ट्री में होता है। जब मुझे लगा कि ऐसा हो सकता है तो नए नाम और नई पहचान से काम पर ध्यान देना शुरू किया। मैंने कभी इस बात का जिक्र नहीं किया कि परिवार में कौन है? बच्चों को बोर्डिंग में रखा। बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। शनिवार को बच्चों से सिर्फ 10 मिनट लिए बात हो पाती थी। मां होने के नाते मुझे यह बहुत फील होता है कि उनको समय नहीं दे पा रही हूं। लेकिन मैं जो भी कर रही थी, उनकी भलाई के लिए कर रही थी। ताकि उनको एक अच्छा भविष्य दे पाऊं। आज मुझे अपनी बेटियों पर बहुत नाज है।

शाहरुख के साथ काम करना चाहते हैं संदीप रेड्डी

डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल कल रिलीज होने को तैयार है। ट्रेलर रिलीज से ही यह फिल्म सुर्खियों में बनी हुई है। एनिमल की टीम भी पूरे देश में जमकर प्रमोशंस करती नजर आ रही है। एक इंटरव्यू के दौरान संदीप रेड्डी ने खुद को शाहरुख खान का बहुत बड़ा फैन बताया। उनसे पूछा गया कि वे किंग खान के साथ किस तरह की फिल्म बनाना चाहते हैं? इस पर डायरेक्टर ने जवाब दिया– मैं नहीं जानता कि मैं किस तरह की फिल्म बनाऊंगा, लेकिन मैं शाहरुख खान के साथ एक फिल्म जरूर बनाना चाहता हूं। संदीप रेड्डी ने शाहरुख के साथ हुई मुलाकात के बारे में भी बात की। हा था– मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूं।

इतना ही नहीं डायरेक्टर ने कॉमेडी फिल्म बनाने की भी ख्वाहिश जताई। उन्होंने कहा, मेरे पास एक कॉमेडी स्क्रिप्ट है, लेकिन मुझे नहीं पता कि मैं इसे कब शुरू करूंगा। हालांकि यह एक पारिवारिक कॉमेडी नहीं है। मैं आपको सटीक टॉपिक तो नहीं बता सकता, लेकिन कुछ सोचा जरूर है। प्रोड्यूसर भूषण कुमार का मानना है कि संदीप रेड्डी को कॉमेडी फिल्म बनाते हुए देखना बहुत अच्छा एक्सपीरियंस होगा। भूषण कुमार ने कहा, संदीप की डायरेक्शन में कॉमेडी का एक बहुत ही अलग रूप देखने को मिलेगा। एनिमल में भी हर सीन एक नया सीन है। संदीप को कॉमेडी फिल्म बनाते हुए देखना कमाल का एक्सपीरियंस होगा।

शाहिद कपूर ने द बुल से खींचे हाथ तब सलमान खान को मिली फिल्म

बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान ने हाल ही में करण जौहर और विष्णुवर्धन के साथ अपनी आने वाली फिल्म के टाइटल की घोषणा की है। सुपरस्टार की आगामी फिल्म का नाम द बुल है। कथित तौर पर यह एक अर्धसैनिक अधिकारी की सच्ची कहानी पर आधारित है, जिसने 1988 में मालदीव में एक साहसी बचाव अभियान का नेतृत्व किया था। दिलचस्प बात यह है कि अक्तूबर 2021 में, रिपोर्ट आई थीं कि शाहिद कपूर को भी इसी शीर्षक और कथानक वाली एक फिल्म में कास्ट किया गया था। आदित्य निंबालकर द्वारा निर्देशित और भूषण कुमार द्वारा निर्मित यह फिल्म ब्रिगेडियर बुलसर के जीवन पर आधारित थी। हालांकि, शाहिद कुछ मुख्य कारणों से परियोजना से बाहर हो गए।

बॉलीवुड में पिछले कुछ समय से द बुल फिल्म काफी चर्चा में है। इसी नाम से अक्तूबर, 2021 में एक फिल्म की घोषणा की गई थी, जिसमें शाहिद कपूर मुख्य भूमिका में थे। हालांकि, फिल्म को काफी देरी का सामना करना पड़ा और शाहिद को इसके शूटिंग शेड्यूल के बारे में पता नहीं था। इसी कारण अभिनेता ने परियोजना से अपने हाथ खींच लिए। एक इंटरव्यू में शाहिद कपूर ने अपने प्रोजेक्ट की स्थिति के बारे में बताया था।

अभिनेता ने दिया था बयान

शाहिद कपूर ने द बुल को लेकर चुप्पी तोड़ते हुए कहा था, द बुल पर काम नहीं हो रहा है क्योंकि हम इसे शुरू करने में भी सक्षम नहीं थे। यह कोविड के कारण एक मुश्किल परियोजना थी। ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनका पता लगाने की जरूरत है क्योंकि फिल्म एक निश्चित पैमाने की गारंटी देती है। इसलिए, हमें बैठकर देखना होगा कि क्या द बुल बनाना संभव है या नहीं।

रोहित रॉय ने किया खुलासा, अमिताभ बच्चन की वजह से बना अभिनेता

रोहित रॉय टेलीविजन इंडस्ट्री के सबसे सफल अभिनेताओं में से एक हैं। अभिनेता लोकप्रिय शो सौभाग्यवती भव- 2 के साथ टेलीविजन पर वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। करणवीर बोहरा के शो में रोहित डीसीपी अविनाश के किरदार में आएंगे नजर। इस बीच अब रोहित रॉय ने एक मीडिया बातचीत में अपने शुरुआती करियर के बारे में बात की। अभिनेता ने खुलासा किया कि वे अमिताभ बच्चन की वजह से अभिनेता बने हैं। एक मीडिया बातचीत के दौरान रोहित रॉय ने बताया कि वे अमिताभ बच्चन के बहुत बड़े फैन हैं। उन्हें देखकर ही अभिनेता ने अभिनय के करियर में कदम रखा। रोहित रॉय ने कहा, मैं अमिताभ बच्चन का बहुत बड़ा फैन हूं। उनकी फिल्म आज भी मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। जिस तरह से अमिताभ बच्चन खुद को बड़े पर्दे पर पेश करते हैं, उनका यह अंदाज मुझे बेहद पसंद है। उनकी वजह से ही मैं एक अभिनेता हूं। रोहित रॉय ने आगे बताया कि उनकी इच्छा जंजीर फिल्म में अमिताभ बच्चन का किरदार निभाने की थी। अभिनेता ने कहा, मेरी शुरू से ही इच्छा जंजीर फिल्म में अमिताभ बच्चन का किरदार निभाने की थी। अभिषेक बच्चन को लेकर अभिनेता ने कहा, मुझे इस बात से थोड़ी जलन होती है कि मेरे दोस्त अभिषेक बच्चन का व्यवहार भी अमिताभ बच्चन जैसा ही है। अभिनेता ने अपने डीसीपी अविनाश के किरदार को लेकर कहा, मैंने पहले भी एक पुलिस वाले की भूमिका निभाई है, लेकिन सौभाग्यवती भव- 2 का हिस्सा बनना, जो कि पहले से ही लोकप्रिय शो है इस किरदार ने मुझे छोटे पर्दे पर वापसी के लिए प्रेरित किया गया है।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009